@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 324 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संघ में अस्पृश्यता या जातिगत छुआछूत नहीं: कोविंद

एजेंसी

नागपुर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गुरुवार को कहा कि संघ में किसी तरह की अस्पृश्यता या जातिगत छुआछूत नहीं है। संघ में किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं होता है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद आज यहां रेशिमबाग मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित विजयादशमी उत्सव को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। मंच पर संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और नागपुर महानगर के संघचालक राजेश लोया भी मौजूद थे।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, 'संघ की विचारधारा और स्वयंसेवकों से मिलने का अवसर 1991 के आम चुनाव के दौरान हुआ। उस चुनाव अभियान के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से मिलने का अवसर मिला। अब भी समाज के कई लोगों को यह जानकारी नहीं है कि संघ में किसी भी तरह की अस्पृश्यता या जातिगत छुआछूत नहीं है। संघ में किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं होता है। इस संदर्भ में 2001 में लाल किले के परिसर में आयोजित दलित संगम रैली का मैं जिक्र करना चाहूंगा। कुछ लोग अटलजी को दलित विरोधी होने का दुष्प्रचार करते थे।

अटलजी ने कहा था कि हम अंबेडकरवादी हैं। भीम स्मृति अर्थात भारत का संविधान। मनु स्मृति के आधार पर हमारी सरकार काम नहीं करेगी। हमारी सरकार भीम स्मृति अर्थात भारत के संविधान पर काम करेगी। यह अटलजी ने कहा था। राष्ट्रपति पद का निर्वहन करते हुए मैंने संवैधानिक मूल्यों को बाबा साहब के मूल्यों को प्राथमिकता दी।' पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, 'सभी को विजयदशमी की हार्दिक बधाई। सुखद संयोग है कि आज महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्रीजी की

जयंती है। मैं इस अवसर पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सबसे बड़ी स्वंयसेवी संस्था का शताब्दी समारोह संपन्न हो रहा है। बाबा साहब की दीक्षा भूमि का दर्शन करने का सौभाग्य मिला। हेडगेवार, श्रीगुरुजी, रज्जू भैया के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। डॉ. हेडगेवार ने संगठन का जो पौधा लगाया, गुरुजी ने उसकी जड़ें मजबूत कीं और रज्जू भैया ने आर्थिक बदलाव के बीच संघ को मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा, यह साल श्रीगुरुतेग बहादुकर के बलिदान का 350वां वर्ष है। हिंद की चादर बनकर जिन्होंने अन्याय से समाज की मुक्ति के लिए अपना बलिदान दिया, ऐसी विभूति का स्मरण इस साल होगा। आज गांधी जी की भी जयंती है। उनका योगदान अविस्मरणीय है। आजादी के बाद भारत का तंत्र कैसा चले उसके बारे में विचार देने वालों में उनका नाम था। संघ प्रमुख ने जयंती पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का भी स्मरण किया।

कार्यक्रम से पहले, पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने रेशिमबाग परिसर स्थित स्मृति मंदिर में संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को नमन किया। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति कोविंद और डॉ. भागवत ने शस्त्र पूजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत कई गण्यमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलित, दक्षिण भारत की कंपनी डेक्कन समूह से केवी कार्तिक और बजाज समूह से संजीव बजाज भी मौजूद रहे। संघ ने अपने इस उत्सव में विदेशी मेहमानों को भी आमंत्रित किया। इसमें घाना, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के गण्यमान्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि संघ अपनी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस कारण संघ के स्वयंसेवकों के लिए यह विजयादशमी उत्सव विशेष महत्व रखता है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के ही दिन 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संघ की स्थापना की थी।

मनोहर लाल ने गांधी जयंती पर रूसी दूतावास के प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आज महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर यहां के रूसी दूतावास के तत्वावधान में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी का विषय 'गांधी-टॉलस्टॉय' था। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य गांधी जी और टॉलस्टॉय के विचारों एवं उनके योगदान को प्रदर्शित करना है। इस अवसर पर राज्यमंत्री तोखन साहू, रूसी राजदूत हिज़ एक्सेलेंसी डेनिस एलीपोव और आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर योग हमें सकारात्मक ऊर्जा देता है: रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 2 अक्तूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि योग केवल व्यायाम या गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर हमें अनुशासित, संयमित और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण करता है। मुख्यमंत्री ने यह विचार कल छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित भारतीय योग संस्थान के 59वें स्थापना दिवस समारोह एवं योग दिवस कार्यक्रम में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में योग को वैश्विक पहचान मिली है। इस विशेष कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, शिक्षा विभाग के अधिकारीगण तथा अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। भारतीय योग संस्थान बीते 59 वर्षों से 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करते हुए देश और विदेश में 4,500 से अधिक निशुल्क योग साधना केंद्रों का संचालन कर रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का यह भी कहना था कि योग के माध्यम से हम न केवल शारीरिक रूप

से स्वस्थ रहते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त और भावनात्मक रूप से स्थिर बनते हैं। यह हमें आत्मचेतना, एकाग्रता और संतुलन सिखाता है, जिससे जीवन की चुनौतियों का सामना दृढ़ता और शांति के साथ किया जा सकता है। भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा से उत्पन्न योग आज वैश्विक जीवन-शैली का हिस्सा बन चुका है। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्ति किया और कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण ने भारतीय संस्कृति के अमूल्य उपहार योग को विश्व-पटल पर प्रतिष्ठित किया है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रधानमंत्री जी के प्रस्ताव पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी गई, जो भारत की प्राचीन परंपरा को आधुनिक जीवन का आधार बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में योग ने न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में स्वास्थ्य, संतुलन और मानसिक शांति का प्रतीक बनकर करोड़ों लोगों के जीवन को नया आयाम दिया है।

शेष पृष्ठ 3 पर

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ ने किया शस्त्र पूजन

एजेंसी

जैसलमेर। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे सरहदी जैसलमेर जिले में देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैदी के साथ डटे रहने वाले सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों और जवानों ने विजयादशमी के मौके पर विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया।

विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम जैसलमेर की सम रोड स्थित सीमा सुरक्षा बल की 1055 तोपखाना रेजिमेंट के परिसर में आयोजित किया गया। 1055 बीएसएफ तोपखाना रेजिमेंट के कमांडेंट शक्ति सिंह ने अस्त्र-शस्त्रों की विधि विधान से पूजा की। पूजा के बाद शस्त्रों को इकट्ठा कर उन पर गंगाजल छिड़का गया। इसके बाद सभी शस्त्रों को हल्दी व कुमकुम का

तिलक लगाकर फूल अर्पित किए गए। सीमा सुरक्षा बल के सेक्टर और बटालियनों में स्थापित मंदिरों में भी पारंपरिक रूप से काम आने वाले शस्त्रों का मंत्रोच्चारण के साथ पूजन करवाया गया। इस दौरान बल के आला अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में जवान शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के बरेली में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा निलंबित

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इंटरनेट और मैसेज सेवा 48 घंटे के लिए निलंबित कर दी गई है। जुमे की नमाज को लेकर यह कदम उठाया गया है। इस संबंध में गुरुवार को राज्य सरकार के गृह विभाग से आदेश जारी हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार के गृह विभाग के सचिव गौरव दयाल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बरेली जिले में गुरुवार की शाम तीन बजे से इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई है, जो अगले चार अक्टूबर तक जारी रहेगी। बरेली में कानून व्यवस्था के मद्देनजर यह निर्णय किया गया है। उल्लेखनीय है कि 26 सितंबर को जूमे की नमाज के बाद जनपद में बवाल हुआ था। इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस द्वारा स्थिति को संभालते हुए बवाल के मास्टर माइंड मौलाना तौकीर रजा समेत अब तक 81 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस दौरान इंटर नेट सेवा बंद कर दी गई थी।

बिहार में पोस्टर वार :भाजपा ने तेजस्वी-राहुल को बताया 'कलयुग का रावण', राजद का पलटवार

एजेंसी

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव की अगले सप्ताह तिथियों की घोषणा होने की उम्मीद है। इससे पहले बिहार के लोग आज विजयादशमी का पर्व मना रहे हैं। इस बीच, भाजपा और राजद के बीच सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। भाजपा ने जहां राजद के नेता तेजस्वी यादव को कलयुग का रावण बताया है, वहीं राजद 20 साल के नीतीश कुमार की सरकार को रावण जैसा अहंकारी बताते हुए इसके अंत करने की बात कर रहा है। बिहार भाजपा ने गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्टर पोस्ट किया है। इस पोस्टर के साथ लिखा है, ÷मातृ शक्ति के अपमान का प्रतीक रावण आज भी मौजूद है, बस चेहरा बदल गया है। जनता अपने मत से इस रावण का अंत तय करेगी।पोस्टर में एक तरफ जहां त्रेता युग के रावण की फोटो

लगी है, वहीं कैप्शन में लिखा गया है, 'जिसने मां जानकी का अपहरण किया, उनका अपमान किया। दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की तस्वीर उकेरी गई है, साथ ही लिखा गया है, 'कलयुग के रावण।' कैप्शन में लिखा गया है, 'जिनके मंच से पीएम की दिवंगत मां को अपशब्द कहा गया। इधर, राजद ने भी सोशल मीडिया से भाजपा पर तीखा हमला बोला है। राजद ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें रावण को जलाया जा रहा है। इस वीडियो में बिहार में तेजस्वी सरकार आने का दावा किया गया है। इस वीडियो के साथ लिखा गया है, 'अफसरशाही, अहंकार, भ्रष्टाचार और झूठे सरकारी प्रचार के रावण का होगा अंत। बिहार में जन कल्याण, नौकरी और रोजगार का शुभारंभ होगा तुरंत जब बनेगी तेजस्वी सरकार। जनहित को समर्पित जन सरोकार वाली तेजस्वी सरकार।

अमित शाह की अपील, कहा-

हर परिवार सालभर में 5,000 रुपए की खादी खरीदे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को महात्मा गांधी की जयंती पर देशवासियों से अपील की है कि हर भारतीय परिवार साल में कम से कम 5,000 रुपए के खादी उत्पाद खरीदे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी ग्रामोद्योग के स्टोर पर पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, यह महात्मा गांधी ही थे जिन्होंने भारत की आत्मा को पहचाना। उन्होंने भारत के लोगों को जागरूक कर उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ खड़ा किया। आजादी के आंदोलन के दौरान कई सारी चीजों को उन्होंने बुना है, भारत के भविष्य का नक्शा आज तक उससे बंधा है। उन्हीं में से दो बड़े विचार खादी और स्वदेशी निकले। उन्होंने कहा कि हम स्वतंत्रता आंदोलन को खादी और स्वदेशी से अलग नहीं कर सकते।

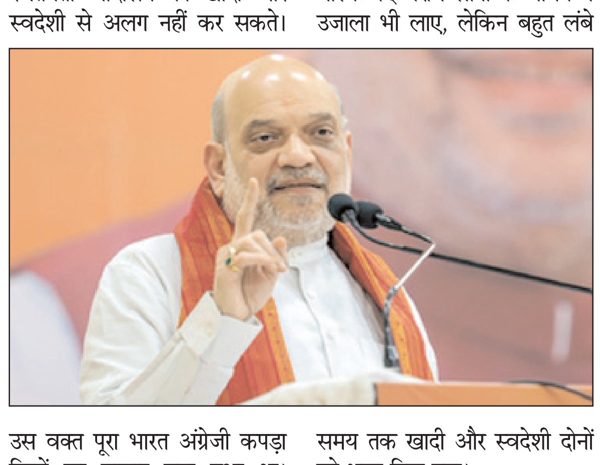

उस वक्त पूरा भारत अंग्रेजी कपड़ा मिलों का बाजार बना हुआ था। महात्मा गांधी ने देश को स्वदेशी और खादी की विचारधारा देकर न केवल स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी, बल्कि कई गरीब लोगों के जीवन में उजाला भी लाए, लेकिन बहुत लंबे समय तक खादी और स्वदेशी दोनों को भुला दिया गया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 2003 में जब पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने गुजरात में खादी को पुनर्जीवित करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। वहीं से इस आंदोलन की शुरुआत हुई। फिर से खादी जन-जन के उपयोग की चीज बनी है। उसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि 2014 से आज तक खादी सैकड़ों गुना बढ़ गई है। आज इस कारोबार 1.7 अरब रुपए तक पहुंच गया है। मेरा मानना है कि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ÷हजारों परिवारों ने अपने घरों में किसी भी विदेशी सामान का इस्तेमाल न करने का संकल्प लिया है। लाखों दुकानदारों ने तय किया है कि हमारी दुकानों में विदेशी सामान बिक्री नहीं होगी। आज मैं देश की जनता से इन दोनों अभियानों को सफल बनाने की अपील करना चाहता हूं। हर परिवार को सालाना कम से कम 5,000 रुपए की खादी खरीदनी चाहिए, चाहे वह चादर हो, तकिए के कवर हों, पर्दे हों या फिर तौलिए। जब ??आप ये चीजें खरीदते हैं तो आप किसी के लिए रोजगार पैदा करते हैं और हजारों-लाखों गरीबों के जीवन में उजाला लाते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब आप स्वदेशी को अपनाते हैं तो आप 2047 तक भारत को दुनिया में शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के एक महत्वाकांक्षी अभियान से जुड़ जाते हो। मैं गांधी जयंती के दिन देश की जनता से अपील करना चाहता हूं कि पीएम मोदी ने दो अभियान चलाए हैं÷ खादी के उपयोग और स्वदेशी अपनाना, इन दोनों अभियानों को ताकत दें और उन्हें अपने स्वभाव का हिस्सा बनाएं।

'भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला हैं', कोलंबिया में बोले राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र पर टिप्पणी की है। उन्होंने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा 'लोकतंत्र पर हमला' है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली इन सभी को स्थान देती है, लेकिन अभी भारत में लोकतंत्र पर हर तरफ से हमला हो रहा है। भारत की वैश्विक भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा, ÷भारत की 1.4 अरब की आबादी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन भारत का ढांचा चीन से बिल्कुल अलग है। चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत में अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म हैं। भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है।' उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है और वह बहुत आशावादी हैं। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा, 'भारतीय संरचना में भी कई कमियां हैं, कुछ जोखिम हैं, जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम लोकतंत्र पर हो रहा हमला है।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत अपने सभी लोगों के बीच संवाद का केंद्र है। विभिन्न परंपराओं, धर्मों और विचारों को जगह की जरूरत होती है। उस जगह को बनाने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था है। वर्तमान में भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है। इंजीनियरिंग के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत, चीन का पड़ोसी और अमेरिका का घनिष्ठ साझेदार है। हम बिल्कुल उस जगह पर बैठे हैं, जहां ताकतें आपस में टकरा रही हैं। अमेरिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्रुवीकरण अभियान ज्यादातर बेरोजगारों पर केंद्रित है।

राहुल गांधी देश को बदनाम और निंदा करने का काम कर रहे हैं : कंगना रनौत

मंडी । हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। मीडिया से बातचीत में कंगना ने स्वदेशी प्रोडक्ट को लेकर कहा, 'मैंने खादी की साड़ी पहनी है। हमारे स्वदेशी और खादी के कपड़ों की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। प्रधानमंत्री कहते हैं कि ये हमारे लिए दुख की बात है क्योंकि हमें दूसरे देशों के परिधानों पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन अब हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'सब जानते हैं कि राहुल गांधी देश को बदनाम करने और देश की निंदा करने का काम कर रहे हैं। ये किसी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि देश को बदनाम करने वाली बात है। वे कह रहे हैं कि इस देश के लोग झगड़ालू और बेईमान हैं, वे लोग नहीं जानते कि उनके लिए क्या अच्छा है, और जब वे वोट देते हैं तो उनका दिमाग काम नहीं करता है और किसी और को आकर यहां लोकतंत्र को बचाना चाहिए, तो उनका मतलब यह है कि इस देश के लोग नासमझ हैं।

भाजपा ने गांधी एवं शास्त्री जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर चलाया स्वच्छता अभियान

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर जिला संगठन द्वारा पुष्पांजलि, संगोष्ठी एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं स्वच्छता अभियान संयोजक मुकेश शर्मा देबू, शास्त्री मंडल अध्यक्ष रमेश खोईवाल, पार्षद उदयलाल तेली, पूर्व सभापति एवं जिला उपाध्यक्ष मंजू चेचाणी की उपस्थिति मे कोटा रोड स्थित बड़लेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में आयोजित किया गया। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने इस अवसर पर पुष्पांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अहिंसा के प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उनकी दी हुई शिक्षा, आदर्श एवं सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात् करने का प्रण लें।

विश्व प्रसिद्ध मैसूर दशहरा जंबू सवारी का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

एजेंसी

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार शाम शुभ मुहुर्त में चामुंडेश्वरी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विश्व प्रसिद्ध मैसूर दशहरा जंबू सवारी का शुभारंभ किया। दशहरा जुलूस में हाथी अभिमन्यु पर 750 किलोग्राम सोने के सुसज्जित अम्बारी में देवी चामुंडी विराजमान हैं। मेले में बड़ी संख्या में शामिल लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बड़े पैमाने पर प्रबंध किये हैं।

आज शाम 4.42 से 5.06 बजे तक के शुभ कुंभ लग्न में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दशहरा मेले के जुलूस का आगाज किया। इस दौरान उनके साथउपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जिला प्रभारी मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा, सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वोडेयार, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग मंत्री शिवराज तंगडगी, जिला कलेक्टर जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी और पुलिस आयुक्त सीमालटकर ने अम्बा विलास पैलेस के सामने चामुंडेश्वरी प्रतिमा पर

पुष्पांजलि अर्पित कर जंबू सवारी का शुभारंभ किया। दशहरा जुलूस में अभिमन्यु नामक हाथी पर 750 किलोग्राम सोने के सुसज्जित सिंहासन पर देवी चामुंडी विराजमान हैं। दशहरा के जंबू सवारी में विभिन्न कला मंडलियों की कुल 57 झांकियां शामिल हैं। शोभायात्रा मार्ग में 140 से अधिक कला मंडलियां शामिल हैं। यह जुलूस उत्तरी द्वार से शुरू होकर केआर सर्किल, सय्याजीराव रोड, सरकारी आयुर्वेद सर्किल, बांस बाजार, हाईवे सर्किल से होते हुए बन्नीमंतप पंजिम परेड ग्राउंड पहुंचेगा। इस जुलूस में धनंजय, कावेरी, रूपा, कुमकी, गोपी नौफट, श्रीकांत, लक्ष्मी, महेंद्र, भीम, कंजन, एकलव्य, प्रशांत, सुग्रीव और हेमावती नाम के हाथी भी शमिल हैं।

दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट 4 घंटे हुई लेट, परेशान हुए यात्री

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लेट होने का सिलसिला फिर से शुरु हो गया है। दरअसल गुरुवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट की जयपुर-दुबई उड़ानें अपने वक्त में नहीं उड़ सकीं, वहीं दूसरी तरफ दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट भी अपने समय से 04 घंटे देरी से चली। इस विलंब के चलते अनेक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। जानकारी अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-195 जिसे सुबह 5ः55 बजे दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, वह विमान की कमी के चलते अपने समय पर उड़ान नहीं भर पाई। इसके बाद यात्रियों की परेशानी को देखते हुए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई, और फ्लाइट सुबह करीब 9ः02 बजे दुबई के लिए प्रस्थान की। इसी प्रकार दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-58 जिसे सुबह 3ः40 बजे दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते यह 04 घंटे विलंब से चली। इस कारण स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-57, जिसे सुबह 9ः30 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, वह भी लेट हो गई। इन विमानों के विलंब के कारण जयपुर-दुबई और दुबई-जयपुर के यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

अधिकांश दो हजार के नोट आरबीआई के पास पहुंचे, अब 5,884 करोड़ ही बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के पास मई 2023 में 3.56 लाख करोड़ दो हजार के नोट थे। जो अब 30 सितंबर, 2025 तक केवल 5884 करोड़ ही बचे हैं। हालांकि, इन नोटों को सक्रिय सर्कुलेशन से वापस ले लिया गया है, फिर भी 2000 के बैंकनोट कानूनी निविदा का अपना दर्जा बनाए हुए हैं। इसका मतलब यह है कि जहां इन्हें रोजमर्रा के लेन-देन से हटाया जा रहा है, वहीं ये कर्ज चुकाने और अन्य वित्तीय दायित्वों को निपटाने के लिए अभी भी मान्य हैं। आरबीआई ने जनता के लिए इन नोटों को जमा कराने या बदलने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए हैं। देश भर की सभी बैंक शाखाओं में 2000 के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 07 अक्टूबर, 2023 तक उपलब्ध थी। 19 मई, 2023 से ही रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालय इन नोटों के बदलने की सुविधा दे रहे हैं। 9 अक्टूबर, 2023 से ये कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा कराने के लिए भी 2000 के नोट स्वीकार कर रहे हैं। जनता देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिए 2000 के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए भेज सकती है। बता दें कि 2000 के नोट को नवंबर 2016 में ?500 और 1000 के नोटों के मोनेटाइजेशन के बाद करेंसी की तुरंत जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश किया गया था। आरबीआई के अनुसार, एक बार यह लक्ष्य पूरा हो जाने और अन्य मूल्यवर्ग के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाने के बाद, 2000 के नोटों की छपाई वर्ष 2018-19 में ही बंद कर दिया गया था। इनमें से अधिकांश नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे और अब उनकी अनुमानित 4-5 वर्ष की आयु सीमा पूरी हो रही है। साथ ही, यह नोट लेन-देन के लिए आमतौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

मुनव्वर फारूकी की हत्या करने दिल्ली आए दो शूटरों को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी कई रियलिटी शो में काम कर चुके हैं। वो बिग बॉस में कंटेस्टेंट और विजेता भी रह चुके हैं। सोशल मीडिया पर भी मुनव्वर फारूकी की अच्छी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 14 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर हैं। मुनव्वर की हत्या की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गैंग के दो सदस्यों को दी गई है। जिन्हे दिल्ली पुलिस ने एक मुठभेड़ में पकड़ लिया है। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये हत्या की फिराक में थे। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली पुलिस की एक टीम गशत पर थी। इस दौरान जैतपुर-कालिंदीकुंज रोड पर पुलिस की मुठभेड़ शुरू हो गई। एनकाउंटर के बाद पुलिस ने गोल्डी बराड़ गैंग के दो सदस्यों साहिल और राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। साहिल हरियाणा के भिवानी का, जबकि राहुल पानीपत का रहने वाला है। दोनों शूटरों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि राहुल हरियाणा के यमुना नगर में 2024 में हुए के ट्रिपल मर्डर केस में वांटेड है। पुलिस ने बताया कि आज हुए एनकाउंटर में राहुल को एक गोली लगी है। साल 2024 में ही दिल्ली पुलिस को इनपुट मिला था कि मुनव्वर फारूकी को जान का खतरा है। इसकी जानकारी मिलने के बाद मुनव्वर को दिल्ली से मुंबई भेज दिया गया था। मुनव्वर फारूकी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी खतरा है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद खुलासा करते हुए बताया कि दोनों विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा के इशारे पर चल रहे थे। पुलिस ने बताया कि रोहित गोदारा गोल्डी बराड़ और विरेंदर चरण के साथ काम करता है और इन तीनों ने ही मुनव्वर फारूकी को मारने का प्लान बनाया था। मुनव्वर को मारने के लिए गोल्डी ने साहिल और राहुल को जिम्मेदारी दी थी, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उनकी इस खतरनाक योजना को पूरा नहीं होने दिया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मैंने खड़गे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मैं उनकी निरंतर खुशहाली और दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे (83 साल) को मंगलवार को बेंगलुरु एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडगे ने बुधवार एक्स पर इसकी जानकारी दी थी।

व्यक्तिगत सद्गुणों और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य कर रहा संघ

-भागवत बोले-सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थीं, जिन्हें अब समाज और शिक्षा प्रणाली के अंदर दोबारा स्थापित करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना होगा जो इस कार्य को कर सकें। इसके लिए सिर्फ मानसिक सहमति नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म में भी बदलाव लाने की जरुरत है। यह बदलाव किसी भी सिस्टम के बिना संभव नहीं है और संघ की शाखा यही एक मजबूत व्यवस्था है जो ये कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शाखा केवल शारीरिक अभ्यास की जगह नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और समाज में सकारात्मक आदतों के निर्माण की प्रयोगशाला है।

भागवत ने कहा कि सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे हैं और आगे भी चलाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए सिर्फ व्यवस्थाएं जिम्मेदार नहीं होतीं, बल्कि परिवर्तन की असली शक्ति समाज की इच्छाशक्ति में होती है। इसलिए व्यक्तिगत सदुणों, सामूहिकता और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य संघ कर रहा है।

भागवत ने कहा कि समाज का संगठित, शील संपन्न बल इस देश की एकता, अखंडता, विकास और सुरक्षा की गारंटी है। हिंदू समाज ही इस देश के लिए उत्तरदायी समाज है और यह सर्व-समावेशी समाज है। उन्होंने भारत की वसुधैव कुटुंबकम की परंपरा को याद दिलाते हुए कहा कि यह उदार और समावेशी विचारधारा ही भारत की ताकत है और इस विचार को दुनिया तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। संघ, संगठित कार्यशक्ति के द्वारा भारत को वैभव संपन्न और धर्म के मार्ग पर चलने वाला देश बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

विजयादशमी के पावन अवसर पर उन्होंने सीमोल्लंघन की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की देश-काल-परिस्थिति को देखते हुए हमें अपने पूर्वजों के बताए कर्तव्य को निभाते हुए एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ना होगा। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर भागवत ने कहा कि इसका उद्देश्य व्यक्ति निर्माण को देशव्यापी बनाना और पंच परिवर्तन कार्यक्रम को समाज में लागू करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने पहलगाम हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर उन्हें मारा। भारत सरकार ने इस हमले का कड़ा जवाब देने के लिए मई माह में योजना बनाई और कार्रवाई की। इस पूरे घटनाक्रम में देश के नेतृत्व की दृढ़ता, हमारी सेना के पराक्रम और युद्ध कौशल के साथ-साथ समाज की एकता का अद्भुत दर्शन हुआ। उन्होंने इस दृढ़ता और एकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया।

मोहन भागवत ने कहा कि पर्यावरण पर चिंता जताते हुए कहा कि जो भौतिकवादी और उपभोक्तावादी विकास मॉडल विश्वभर में अपनाए जा रहे हैं, उनके दुष्परिणाम प्रकृति पर साफ दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनियमित और अप्रत्याशित वर्षा, भूस्खलन और ग्लेशियरों के सूखने जैसी घटनाएं इसकी साक्षी हैं। हमें इस दिशा में सोच-समझ कर कदम उठाने होंगे। भागवत ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह महाकुंभ न केवल श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के कारण ऐतिहासिक बना। उन्होंने कहा कि महाकुंभ ने समस्त भारत में श्रद्धा और एकता की प्रचंड लहर पैदा की और इसे एक वैश्विक

उदाहरण बना दिया।

संघ प्रमुख ने कहा कि श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जनाक्रोश के हिंसक विस्फोट के कारण हुआ सत्ता परिवर्तन हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में ऐसी अशांति फैलाने की चाह रखने वाली ताकतें हमारे देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी क्रांति से परिवर्तन नहीं आने वाला। इसने अपने उद्देश्य को हासिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है, परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपनी स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा। भागवत ने कहा कि प्रजातांत्रिक मार्गों से ही परिवर्तन आता है।

अबू आजमी बोले- मराठी की क्या जरुरत, भड़क गए राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अबू आजमी ने मराठी भाषा विवाद के बीच बड़ा बयान दिया है। भिवंडी में मराठी में बोलने की आवश्यकता पर अबू आजमी ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? अब अबू आजमी की इस टिप्पणी से सियासी विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब अबू आजमी ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के भिवंडी शहर का दौरा किया। वे यहां कल्याण रोड के चौड़ीकरण को रोकने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने दौरा किया। इस इलाके में मुस्लिम समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है। इस दौरान जब अबू आजमी मीडिया को संबोधित कर रहे थे

तब मराठी पत्रकारों ने उनसे आग्रह किया कि मराठी में जवाब दें। इस पर सपा नेता ने कहा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? मैं मराठी बोल सकता हूं, लेकिन भिवंडी में मराठी भाषा की क्या जरूरत है? इसी के साथ, उन्होंने कहा कि दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे स्थानों पर 'मराठी बयान' समझ में नहीं आएंगे। इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ठाणे जिला इकाई के अध्यक्ष परेश चौधरी ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, 'अबू आजमी, आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं। जब आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं, तो उत्तर प्रदेश के लोगों की चिंता क्यों करते हैं? भिवंडी महाराष्ट्र में है। यहां केवल मराठी ही चलेगी। अगर आपको मराठी बोलने में शर्मिंदगी महसूस होती है, तो हम आपको मनसे की शैली में जवाब देंगे।

शिल्पा और राज कुंद्रा को हाईकोर्ट ने कहा- नहीं देंगे विदेश यात्रा पर जाने की इजाजत

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट साफ कह दिया कि आपको विदेश यात्रा पर जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। बता दें कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शिल्पा और उनके पति राज को लुकआउट नोटिस जारी किया था जिसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। बता दें कि अगस्त 2025 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इसके बाद सितंबर में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया, ताकि वे देश छोड़कर भाग न सकें।

कपल ने कोर्ट से 2 से 5 अक्टूबर तक परिवार संग फुकेट (थाईलैंड) में छुट्टियां मनाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी यह मांग ठुकरा दी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की तरफ से वकील निरंजन मुंदरगी और केरल मेहता ने कोर्ट में दलील दी कि वर्ष 2021 में दर्ज एक पुराने केस के बावजूद, दोनों को अतीत में कई बार विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी और वे हर बार जांच में सहयोग करते रहे हैं। उनका कहना था कि चूंकि दंपति ने अब तक जांच एजेंसियों के साथ सहयोग किया है, इसलिए उन्हें इस बार भी छुट्टियों के लिए विदेश जाने की अनुमति मिलनी

चाहिए। मुख्य सरकारी वकील मनकुंवर देशमुख ने कोर्ट को बताया कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ गंभीर आर्थिक अपराध से जुड़े दो मामले लंबित हैं। ऐसे में उन्हें विदेश यात्रा की इजाजत देना जांच के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की खंडपीठ ने कहा कि फिलहाल दंपति को किसी भी तरह की छूट नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को 8 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। याचिका में शिल्पा और राज ने भविष्य की कई इंटरनेशनल ट्रिप्स का भी उल्लेख किया। 21 से 24 अक्टूबर - लॉस एंजिल्स (प्रोफेशनल काम के लिए)। 26 से 29 अक्टूबर - कोलंबो और मालदीव (अपने होटल 'बैस्टियन' के विस्तार कार्य के लिए)। 20 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 - दुबई और लंदन (राज कुंद्रा के माता-पिता से मुलाकात के लिए)

अब समय आ गया है कि सहकारिता में फैले भ्रष्टाचार के रावणों का अंत किया जाए

-सीएम ने कहा- कांग्रेस ने सहकारिता क्षेत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था

जयपुर (एजेंसी)। सीएम भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस ने सहकारिता क्षेत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था और अब समय आ गया है कि इसमें फैले भ्रष्टाचार के रावणों का अंत किया जाए। दशहरा पर्व पर राजधानी के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने यह टिप्पणी की।

इस मौके पर सीएम भजनलाल ने दो भूमि-विहीन पैक्स को भूमि आवंटन किया और सदस्यता आवेदन पत्र के लिंक का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने प्रमाण पत्र और चेक भी लाभार्थियों को भेंट किए। भजनलाल ने कहा कि यदि ज्यादा से ज्यादा लोग सहकारिता से जुड़ेंगे तो यह क्षेत्र मजबूत होगा। कांग्रेस ने न तो सदस्यता चलाई और न ही आमजन को जोड़ा। वे सिर्फ अपने लोगों की सूची बनाते थे। हमने सदस्यता सभी के लिए खोली है और 15 दिन का सदस्यता अभियान चला रहे हैं ताकि हर ग्राम पंचायत में

सहकार समिति बन सके।

गरीबों और महिलाओं की तकलीफों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार हर दुख-दर्द में आमजन के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि गरीबी बहुत बुरी होती है। मां-बहनें जब दूध कम पड़ता है तो बच्चे की संतुष्टि के लिए उसमें पानी मिलाकर भी परिवार चलाती हैं। इन तकलीफों को सरकार समझती है और समाधान के लिए काम कर रही है।

समारोह में सहकारिता मंत्री गौतम दक ने सीएम की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सीएम भजनलाल रात दो बजे से पहले नहीं सोते और प्रदेश के विकास में दिन-रात जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सहकारिता आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी राजस्थान की सहकारिता प्रणाली की सराहना कर चुके हैं और इसे देश के शीर्ष पांच राज्यों में माना है।

उन्होंने कहा कि अब ज्यादातर पैक्स में कंप्यूटर लग चुके हैं, जिससे गबन और घोटालों पर रोक लगी है।

उन्होंने अधिकारियों और पदाधिकारियों से अपील की कि सहकार आंदोलन को केवल सत्ता का साधन न बनाएं, बल्कि सबको जोड़कर रोजगार सृजन की दिशा में काम करें।

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डेयरी सेक्टर में 50 हजार नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य है, लेकिन राज्य सरकार एक लाख नए सदस्य जोड़ेगी। इसमें महिलाओं को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और रोजगार के अवसर बढ़ सकें। दशहरा के दिन सहकारिता को नए संकल्प के साथ आगे बढ़ाने का संदेश देते हुए यह कार्यक्रम सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सीएम सिद्धारमैया ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा- पूरे 5 साल तक रहूंगा मुख्यमंत्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने साफ कह दिया, कि उनका इरादा पूरे पाँच साल तक सीएम का कार्यभार निभाने का है। उन्होंने कहा, कि वे अपने पद पर बने रहेंगे और नवंबर में ढाई साल पूरे होने के बाद भी सत्ता में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। सिद्धारमैया ने मीडिया से बातचीत में कहा, कि लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में मेरा आधा कार्यकाल पूरा हो जाएगा। मैं केवल यह कहना चाहता हूँ कि आलाकमान का जो भी फैसला होगा, उसका पालन किया जाएगा। लेकिन मेरा विश्वास है कि अगले साल भी मैं मैसूर दशहरा पर चामुंडेश्वरी मंदिर में पुष्प अर्पित करूंगा। गौरतलब है कि दशहरा का शुभारंभ पारंपरिक रूप से मैसूरु की चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करके किया जाता है। सिद्धारमैया वर्षों से इस परंपरा का हिस्सा रहे हैं। अपने राजनीतिक सफर पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार उनकी राजनीति को लेकर भविष्यवाणियां की गईं, लेकिन वे सब गलत साबित हुईं। उन्होंने कहा, लोग कहते थे कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बनूंगा, लेकिन मैं बना। यहां तक कि मेरी कार पर कौआ बैठने को भी अपशकुन बताया गया था। फिर कहा गया कि मैं बजट पेश नहीं करूंगा, लेकिन मैंने बजट भी पेश किया। सिद्धारमैया के बयान से यह साफ हो गया कि फिलहाल कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना नहीं है और कांग्रेस आलाकमान भी मौजूदा समीकरण बनाए रखने के पक्ष में हैं।

लद्दाख संकट : वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने किया केंद्र से सवाल- क्या भारत वाकई आज़ाद है?

लेह (एजेंसी)। लद्दाख में जारी उथल-पुथल के बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लद्दाख की मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश शासन काल से की और गृह मंत्रालय पर पुलिस बल का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

गीतांजलि ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि क्या भारत वाकई आज़ाद है? 1857 में 24,000 अंग्रेजों ने महारानी के आदेश पर 300 मिलियन भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1,35,000 भारतीय सिपाहियों का इस्तेमाल किया था। आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर एक दर्जन प्रशासक 2400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद बढ़ा विवाद

सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा की मांग को

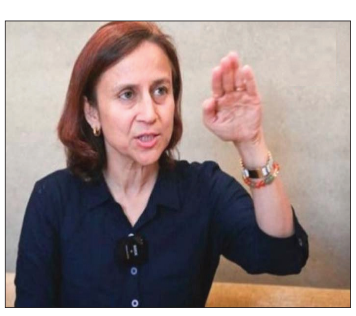

लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज कर जोधपुर सेंट्रल जेल भेजा गया।

24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में पुलिस फायरिंग और झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई।

राष्ट्रपति को लिखा पत्र

गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपील की कि वे एक आदिवासी होने के नाते लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझें। पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। अंगमो ने अपने पत्र में सोनम वांगचुक को एक शांतिपूर्ण गांधीवादी आंदोलनकारी बताया, जो जलवायु परिवर्तन और आदिवासी इलाकों के विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि वांगचुक को बिना शर्त रिहा किया जाए।

केंद्र पर बढ़ रहा दबाव

लद्दाख में जारी तनाव और वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों और स्थानीय संगठनों का दबाव बढ़ रहा है। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बता रहा है, जबकि सरकार का कहना है कि वांगचुक की गतिविधियां कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एक प्रकार से यह प्रकरण अब लद्दाख की स्वायत्तता, आदिवासी अधिकारों और लोकतांत्रिक आज़ादी को लेकर एक राष्ट्रीय बहस का रूप लेता दिख रहा है।

संघ केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है- कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस को 100 साल पूरे हो गए है। 1925 से अस्तित्व में आए संघ का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रोज संघ के सम्मान में एक सिक्का जारी किया है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने आलोचना करते हुए कहा है कि संघ सम्मान का हकदार नहीं है। संघ केवल और केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है। यही वजह है कि आज तक कोई दलित या महिला की संघ की कमान नहीं सौंपी गई है।

उदित राज ने कहा कि इस देश के कल्याण में संघ की कोई भूमिका नहीं रही है। इस संगठन ने सिर्फ सवर्ण सत्ता को बचाने की दिशा में काम किया है। यह संगठन वैसे तो समस्त विश्व में हिंदू समुदाय का हितैषी होने का दावा करता है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना

चाहता हूं कि यह पूरे हिंदू समुदाय का हित नहीं चाहता है। यह संगठन सिर्फ उच्च जाति लोगों के हितों को ही प्राथमिकता देता है। आप लोगों ने गौर किया होगा कि आज तक इस संगठन का प्रमुख कोई दलित या महिला नहीं रही है। आखिर क्यों हमेशा से ही इस संगठन की कमान एक ब्राह्मण समुदाय से आने वाले व्यक्ति के हाथों में ही रही? मैं समझता हूं कि ये बिल्कुल ठीक नहीं है। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि आरएसएस को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने गुरुवार को गांधी जयंती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेवक संघ (आरएसएस) की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि इसका उत्सव पर्व मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह संगठन सम्मान का हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आरएसएस की विचारधारा की वजह से ही महात्मा गांधी की हत्या की गई थी। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष संपन्न होने पर जो सिक्का जारी किया गया, वह मैं समझता हूं कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। आज गांधी जी हमारे बीच नहीं हैं, तो उनका अपमान किया जा रहा है। उन्होंने विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि आज की तारीख में हमारे समाज में इस संगठन को महिमामंडित किया जा रहा है। निश्चित तौर पर इससे महात्मा गांधी की राह पर चलने वाले लोगों का मन दुखी हो रहा होगा।

पीके के एक्शन अवतार से बीजेपी और जेडीयू में चिंता... लोग बता रहे 'केजरीवाल मॉडल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में रणनीतिकार से नेता बने जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) इन दिनों आक्रामक मोड में हैं। उन्होंने खुद को किंगमेकर नहीं बल्कि किंग बनाने की तैयारी में जिस तरह राज्य के बड़े-बड़े नेताओं को भ्रष्टाचार के कटघरे में खड़ा किया है, उससे सियासी हलचल तेज हो गई है।

पीके की रणनीति साफ दिख रही है। पहले आरजेडी और तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया, अब उनकी स्टीयरिंग एनडीए के दिग्गज नेताओं की ओर मुड़ चुकी है। जेडीयू के ग्रामीण कार्य मंत्री और नीतीश कुमार के करीबी अशोक चौधरी, भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष संजय जायसवाल और मंत्री मंगल पांडेय पीके के टारगेट पर हैं।

पीके का यह अंदाज काफी हद तक 'केजरीवाल मॉडल' से मेल रखा रहा है। नेताओं पर सबूतों के साथ भ्रष्टाचार के आरोप लगाना और खुद को ईमानदार बताना। इसकारण जेडीयू और भाजपा दोनों बैकफुट पर दिखाई दे रही हैं और पार्टी के भीतर से ही सवाल उठने लगे हैं।

पीके के एकशन मोड से सबसे बड़ा झटका जेडीयू को लगा है। पीके ने आरोप लगाया कि चौधरी और उनके परिवार ने दो साल में 200 करोड़ की जमीन खरीदी। इस पर चौधरी ने मानहानि का नोटिस भेजा, लेकिन पीके और आक्रामक हो गए। नतीजतन, नीतीश कुमार ने भी अपने करीबी मंत्री से दूरी बना ली है।

वहीं भाजपा की मुश्किलें कम नहीं हैं। उपमुख्यमंत्री चौधरी पर हत्या, नाम बदलने और सातवीं फेल होने तक के आरोप लगे हैं। जायसवाल पर मेडिकल कॉलेज पर कब्जे का आरोप है, जबकि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर कोविड काल में भ्रष्टाचार और करोड़ों की संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया गया। पीके ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल को भी तेल चोरी में लिप्त बताया। इन आरोपों से भाजपा की ÷ईमानदार राजनीति÷ की छवि पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जिस तरह 90 के दशक में लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले में घिरे और नीतीश कुमार को उभरने का मौका मिला, ठीक उसी तरह पीके अब मौजूदा सियासी समीकरणों को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि बिहार के चुनावी माहौल के केंद्र में पीके आ चुके हैं और उनकी रणनीति ने जेडीयू और भाजपा दोनों के लिए सिरदर्द बढ़ा दिया है।

मुंह के बल पानी से भरी बाल्टी में गिरी एक साल की मासूम, डूबने से हो गई मौत

दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी के विजय विहार थाना क्षेत्र में एक साल की मासूम बच्ची भाग्या की पानी से आधी भरी बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। बच्ची अपनी मां के साथ बाथरूम में थी। मां जुड़वां बेटे को नहलाने के लिए कपड़े उतार रही थी, तभी भाग्या अचानक बाथरूम में चली गई। मां को इसका आभास तक नहीं हुआ और वह मुंह के बल बाल्टी में गिर गई। कुछ देर बाद जब मां ने बच्ची को इधर-उधर ढूंढा तो वह बाथरूम में पहुंची, जहां दृश्य देख उसकी चीख निकल गई। तुरंत बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम करने वाले रोहित वाई-3, बुद्ध विहार, फेज 1 विजय विहार रोहिणी में रहते हैं। उनके एक साल के जुड़वा बच्चे एक बेटा और बेटी भाग्या थी। मां ने अमर उजाला को बताया कि बाल्टी में आधा बाल्टी पानी ही था। परिजन आनन-फानन में मासूम को सेक्टर-3 जयपुर गोल्डन अस्पताल ले गए। यहां डाक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। बच्ची की जब एमएलसी (एमएलसी संख्या 17601 / 25) बनी तो अस्पताल से विजय विहार थाना पुलिस को सोमवार दोपहर 3 बजे सूचना दी गई। विजय विहार थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने कहा कि पुलिस ने मासूम के शव का पोस्टमार्टम कराकर सोमवार को ही परिजनों को सौंप दिया था। विजय विहार थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सभी कोणों से जांच कर रही है। जिन घरों में छोटे बच्चे हैं उन परिजनों को ध्यान देने की जरूरत है। रोहिणी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस को बच्ची के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। विजय विहार थाना पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 194 के तहत कार्यवाही शुरू की गई। जिला अपराध टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। रोहिणी जिले पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि छोटी से लापरवाही से बड़े हादसे हो जाते है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हों तो उन्हें अकेला न छोड़ें।

चीन-हांगकांग में बैठे ठगों की मदद से ठगे 3 करोड़, तीन गिरफ्तार; मुहैया कराते थे सिमकार्ड व बैंक अकाउंट

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। चीन और हांगकांग में बैठे साइबर ठगों के साथ मिलकर ठगी करने वाले तीन लोगों को शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान आयुष कोली, संजीव कुमार और आकाश के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला आरोपियों के बैंक खातों से तीन करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, चार लैपटॉप, एक पेटीएम पीओएस मशीन बरामद की है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि विवेक विहार निवाासी सुनीत कुमार सूरी ने साइबर ठगी की एक शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर एक व्हाट्सएप ग्रुप ''ह्ह्रु श्वद्यद्बह्लद्ग तह्म्श2ह्लद्ध क्क्युड्ढठ्ठ'' ज्वाइन किया। आरोपियों ने पीड़ित को निवेश करने पर मोटा मुनाफा देने की बात की। आरोपियों ने मुनाफे के स्क्रीनशॉट भी भेजे। पीड़ित ने झांसे में आकर 2.25 लाख रुपये निवेश कर दिए। उन्होंने जब अपना मुनाफ निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने और पैसों की डिमांड की। ठगी का अहसास होने

पर मामले की शिकायत पुलिस से की गई। रकम जिन बैंक खातों में ट्रांसफर हुई थी, उनकी पड़ताल की गई। पुलिस ने आयुष कोली, संजीव कुमार और आकाश को दबोच लिया। तीनों आरोपी विदेश में बैठे साइबर ठगों को बैंक अकाउंट और सिमकार्ड उपलब्ध करवाते थे। ठगी की रकम को यूएसडीटी में बदलकर उसको विदेश भेजा जा रहा था। बदले में इनको अच्छा कमिशन मिल रहा था। आरोपियों के खातों की जांच के बाद पता चला है कि इन लोगों ने तीन करोड़ से अधिक की रकम को ठिकाने लगाया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो जालसाजों फरीदाबाद के सेक्टर-55 स्थित गोची निवासी आजाद खान और जीवन नगर निवासी अजय के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। छानबीन में पुलिस को पता चला है कि आरोपी फेसबुक पर नौकरी लगवाने का फर्जी प्रचार करते थे। बेरोजगार युवक-युवतियां जब इनको कॉल करते थे तो आरोपी फॉर्म, यूनिफॉर्म समेत अन्य चार्ज के नाम पर मोटी रकम वसूल लेते थे। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया, रोहित यादव एनसीआरपी पार्टल पर 24100 रुपये की ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उसने फेसबुक पर इंडिगो एयरलाइंस पर जॉब का एक विज्ञापन देखा था। उसमें एक नंबर दिया गया था। पीड़ित ने उस नंबर पर कॉल किया। उस समय फोन नहीं उठा, लेकिन बाद में एक अन्य नंबर से कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम रोहित शर्मा बताकर नौकरी दिलवाने की बात की। बाद में आरोपी ने फॉर्म की फीस, यूनिफॉर्म व अन्य खर्चों के नाम पर पीड़ित से 24100 रुपये वसूल लिए। बाद में आरोपियों ने अपने नंबर बंद कर लिए। जिसमें रकम ट्रांसफर हुई थी उसकी पड़ताल की गई। इसके अलावा मोबाइल नंबर की डिटेल भी ली गई, जिससे कॉल आया था। बाद में पुलिस ने दोनों आरोपियों को फरीदाबाद से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया। बैंक खाता आजाद खान व मोबाइल अजय के नाम पर रजिस्टर्ड था।

दिल्ली के किशनगढ़ में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली। आज सुबह करीब 6~15 बजे दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में संजय वन के पास अरुणा आसफ अली रोड पर पुलिस और दो खतरनाक बदमाशों के बीच गोलीबारी हो गई। गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिण-पश्चिम जिला की स्पेशल पुलिस टीम ने इन बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन बदमाशों ने भागने की कोशिश में पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश आरमान (26 वर्ष), निवासी जेजे कॉलोनी, बवाना, को दाहिनी टांग में गोली लगी और उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

एमएसएमई से बनेगा देश सोने की चिड़िया, अर्थव्यवस्था को गति देने में युवा निभाएं भूमिका

आगरा। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो एमएसएमई का महत्व समझना होगा। युवा अब नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। कुछ ऐसी ही विचार शनिवार को अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव आगरा में सामने आए। कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पॉलीवाल कैंपस स्थित जुबली सभागार में किया गया। रोजगार सृजन और एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मंथन किया गया। एमएसएमई, केंद्र व राज्य वस्तु एवं सेवाकर, जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कॉन्क्लेव का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि नौ साल की उम्र में पहला पहला राजनीतिक भाषण चौधरी चरण सिंह का सुना था। देश की आत्मा गांव में रहती है। दूसरी पीढ़ी में उनके बेटे को उद्योगपति बनाया गया। तीसरी पीढ़ी वाला एमएसएमई में मंत्री है। स्किल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब से आया हूं। हर दूसरा बच्चा कनाडा जाना चाहता है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म भी आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि खेती की एक सीमा है और उत्पादन की एक सीमा है। जींस पहनने वाली पीढ़ी अब हल नहीं चला रही। एमएसएमई की संभावना क्यों जरूरी है, इस ओर क्यों आना पड़ेगा? इसका कारण बताते हुए कहा कि अब जमीन भाइयों में बंटकर छोटी हो गई है। जमीन अब बढ़ नहीं सकती है। ऐसे में एमएसएमई का महत्व समझना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या ये है कि हमने सरकारी नौकरी को ही रोजगार मान लिया। बच्चे कभी एमएसएमई नहीं गए। इतनी योजनाएं है कि उनके नाम राजनेताओं को भी नहीं मालूम। उन्होंने कहा कि विदेशियों की किताबें क्यों पढ़ते हो। हमारे पास तो रियल हीरो हैं, जिनकी सफलता की कहानियां पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ा परिवर्तन आ सकता है तो व्यापार से आ सकता है। प्रो. बघेल ने कहा कि टीटीजेड सिर्फ आगरा के लिए है। एनजीटी ने नुकसान किया है, लेकिन हम पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के कारोबारी सजग हैं, जो जन प्रतिनिधियों से अर्जी लगाते रहते हैं। उन्होंने आजादी के बाद हुए कुछ सबसे बड़े काम भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में नल, नल में जल, आयुष्मान कार्ड, गैर-राजपत्रित नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त करना सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि एमएसएमई से ही हमारा देश सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में हम हजारों साल टॉप पर रहे। गांव-गांव में कुछ न कुछ बनता था। व्यापारी इनको इकट्ठा कर विदेश ले जाते थे। इसके बदले में सोना आता था। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह कभी खुद को कमजोर न समझें। कॅरियर के लिए बहुत सारी फील्ड हैं। वह किसी भी फील्ड को चुन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि अब देश बदल रहा है। वर्ष 2014 के बाद से देश में संपन्नता की स्थिति बनी है। देश और राज्य में कारोबार करने का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपने दिमाग में नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठाते हुए नौकरी देने वाले बनें। ये लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि जब एमएसएमई की स्थापना हुई, लेकिन उस वक्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद इस पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही विजन है कि एमएसएमई के जरिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा दे सकते हैं। आज देश में एमएसएमई की पहचान बन चुकी है। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशसन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हम एक अलग तरीके से प्रमोट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश है, इस तरह प्रमोट करने का कई राज्यों में प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि हाल ही में राजस्थान, हिमाचल और कश्मीर में भी कुछ वेडिंग एक्सपो में उत्तर प्रदेश को लगातार डेस्टिनेशन वेडिंग का हब बनाने के लिए प्रमोट करने का प्रयास किया।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोडऩे के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11~30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12~30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7~13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी

प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7~15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो ?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो ?ती रही। करीब 7~13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी।

शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर योग हमें सकारात्मक ऊर्जा देता है: रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से योग आज सीमाओं से परे एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार किया है। मुख्यमंत्री ने भारतीय योग संस्थान की टीम और सभी साधकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की प्रगति और विश्वगुरु बनने का मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब हर नागरिक स्वस्थ होगा। योग हमें 'मी टू वी' यानी मैं से हम की ओर ले जाने वाली साधना है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को विजयदशमी, गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसरों से जोड़ते हुए कहा कि आज का दिन हमें सत्य, त्याग और सेवा की प्रेरणा भी देता है।

स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी

दिल्ली। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है। कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्व्य और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी से बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है। डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है। रोबोटिक स्कैनिंग लेजर के जरिये पूरे शरीर की स्क्रीनिंग कर सकेंगे। इससे शरीर के दर्द वाले हिस्से की पहचान में मदद मिलेगी और लेजर से थेरेपी दी जा सकेगी। साथ ही मरीजों के लिए डीप ऑसिलेशन थेरेपी सुविधा की शुरुआत की जा रही है। इस प्रक्रिया में सेल को वाइब्रेट करके सूजन को कम किया जाएगा।

यूपी में भाजपा नेता का कत्ल बीडीसी सदस्य को गोलियों से भून डाला

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में शनिवार को भाजपा नेता को गोलियों से भून डाला। भाजपा नेता की हत्या का आरोप गांव के ही युवक पर लगा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही फरार आरोपी की तलाश में जुट गई। जानकारी के अनुसार, मेरठ के किठौर इलाके के भड़ौली गांव में शनिवार सुबह भैंसा बुग्गी में खेत से चारा लेने गए भाजयुमो मंडल महामंत्री व बीडीसी प्रमोद भड़ाना (35) की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। उन्हें तीन गोली लगीं। बुधवार को गांव के ही शिवम पर गढ़मुक्तेश्वर नानपुर में फायरिंग की गई थी। प्रमोद भड़ाना और प्रधान कुसुम के पति अंकित ने शिवम पक्ष के साथ गांव के रोबिन पर हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसका बदला लेने के लिए आरोपी रोबिन ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने प्रमोद की हत्या के बाद अंकित की गाड़ी और उनके घर के बाहर जाकर भी फायरिंग की। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि तीन टीमें गठित की गई हैं। ग्राम प्रधान के ससुर सतीश के अनुसार, भाजयुमो के किठौर मंडल महामंत्री प्रमोद भड़ाना सुबह आठ बजे पशुओं का चारा लाने भैंसा बुग्गी से खेत जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में गन्ने के खेत में छिपे रोबिन ने पिस्टल से प्रमोद पर गोलियां बीडीसी प्रमोद भड़ाना (35) की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। उन्हें तीन गोली लगीं। बुधवार को गांव के ही शिवम पर गढ़मुक्तेश्वर नानपुर में फायरिंग की गई थी। प्रमोद भड़ाना और प्रधान कुसुम के पति अंकित ने शिवम पक्ष के साथ गांव के रोबिन पर हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसका बदला लेने के बरसा दीं। प्रमोद को तीन गोलियां लगीं। भैंसा भी पैर में दो गोली लगने से घायल हो गया। सूचना मिलने पर वह पुत्र अंकित के साथ मौके पर जा रहे थे। रास्ते में रोबिन ने उनकी गाड़ी पर भी फायर किया। वे किसी तरह बच गए। इसके बाद आरोपी ने उनके घर के बाहर भी कई फायर किए और बाइक से भाग निकला। प्रमोद को निजी अस्पताल ले जाया गया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, Mohammad Ramjan, S/O Mohammad Kayum, R/o RC-54, Vandana Enclave, Khora Colony, I.E. Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201010, declare that name of mine has been wrongly written as MD.RAMZAN in my minor son namely Md Sadique aged 13 years, in his school record. The actual name of mine is Mohammad Ramjan. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Maninder Pal Chadha S/O Narinder Singh Chadha R/O M-194, Near Bsnl Telephone Exchange, South City-1 Gurgaon Haryana-122001 Have changed my name to Maninder Pal Singh Chadha for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MD WAZID BASHAR S/O KAFEEL AHMAD resident of C-174 2ND FLOOR OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI-110025.have changed my name to ABDUL WAJID BASHAR for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sridhar Davala S/o Narasimha Murty Davala R/o M-591, First Floor, Orchid Island, Sector 51, Nirvana Country, South City II,Gurgaon, Haryana - 122018 have changed my name from Sridhar Davala to Sridhar Dhavala for all future Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ARCHANA KUMARI Alias ARCHANA SINGH D/O ABHAY PRATAP SINGH W/O RANJAI SINGH R/O House No -B-3, SECOND FLOOR, KAILASH COLONY, GREATER KAILASH, DEFENCE COLONY, SOUTH DELHI, DELHI-110048, have changed my name and shall hereafter be known as ARCHANA KUMARI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, GURMEL SINGH S/O JAI SINGH Permanently Residence At - BEHAK KHAS, PO-BEHAK KHAS, DIST-FAZILKA, PUNJAB-152123, Presently Residence At ROOM NO-18, GC CRPF, GREATOR NOIDA, DIST-G. B. NAGAR, UTTAR PRADESH-201306 declare that name of my wife has been wrongly written as NEERU IKVON Alias PRAKASH KOUR in my service record. The actual name of my wife is PARKASH KAUR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, LALIT KUMAR S/O ARJUN DEV R/O H.N-748/28, JYOTI PARK, OPP-H.N.1602, SEC-7, EXTN, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM "ADVIT CHUTANI" TO "ADDVIIT CHUTANI " FOR ALL FUTURE PURPOSE.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

5719 पंचायतों,144 पंचायत समिति और 3 जिप को 404 करोड़ जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं को बड़ी सौगात देते हुए राज्य वित्त आयोग की दूसरी किस्त के रूप में 404 करोड़ 79 लाख रुपये की राशि जारी की। यह राशि सीधे 5,719 ग्राम पंचायतों, 144 पंचायत समितियों और तीन जिला परिषदों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। इस कदम से ग्रामीण अंचल के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर जन सुविधाओं के विस्तार को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान यह राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पिछले चार वर्षों में पंचायती राज संस्थाओं को 3,700 करोड़ रुपये की राशि विकास कार्यों के लिए दी है। इनमें से 3,300 करोड़ रुपये गांवों के बुनियादी ढांचे और जन सुविधाओं पर सीधे खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का दृष्टिकोण केवल धन आवंटन तक सीमित नहीं है, बल्कि 73वें संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप पंचायतों को अधिक अधिकार, अधिक संसाधन और अधिक जिम्मेदारी सौंपना है। उन्होंने कहा कि जब गांवों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संसाधन और अधिकार मिलते हैं, तो वे स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझ कर विकास के फैसले ले सकते हैं।

दशहरा पर्व पर पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, हर गतिविधि पर रहेंगी नजर : एसपी भूपेंद्र सिंह

पानीपत। पानीपत में दशहरा पर्व के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने सुरक्षा व कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देकर तैनात किया है। थाना प्रभारी व चौंकी इंचार्जो को सर्तकता के साथ अपने-अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए है। आमजन की सुरक्षा को देखते हुए विशेष चिन्हित स्थानों पर बैरिगेटिंग सहित नाके लगाए गए हैं। पीसीआर, राइडर व डायल 112 की गाड़ियां भी निरंतर अपने क्षेत्र में गश्त कर रही है। शहर में मुख्य बाजारों, चौक-चौराहों सहित होटल, ढाबे, धर्मशाला, मस्जिद इत्यादि स्थानों पर नजर रखने के साथ ही सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन जगहों पर कोई संदिग्ध व्यक्ति न ठहरे। निगरानी के लिए सिविल ड्रेस में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया हैं। इसके साथ ही पुलिस के जवानों की एक रिजर्व टीम बनाकर पुलिस लाइन में तैनात किया गया है। रिजर्व में तैनात सभी जवान एंटी राइट इक्विपमैंट बॉडी प्रोटेक्टर, केन सिल्ड, लाठी, डंडा, हेल्मेट इत्यादी से लैस होंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट है। पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया हैं।

गुरुग्राम पुलिस 70 स्थानों पर लगाएगी वीडियो बेस्ड इमरजेंसी कॉल प्वाइंट

गुरुग्राम। आमजन को इमरजेंसी के दौरान मदद के लिए गुरुग्राम में 70 जगह वीडियो बेस्ड इमर्जेंसी कॉल प्वाइंट बनाए जाएंगे। पुलिस उपायुक्त यातायात गुरुग्राम डॉ.राजेश मोहन द्वारा इस सुविधा का ट्रायल रन किया गया। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जीएमडीए की सहायता से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत गुरुगाम में आमजन को किसी भी आपात स्थिति में मदद पहुचाने के लिए यह सुविधा शुरू की जाएगी। लगभग 70 जगहों पर वीडियो बेस्ड इमरजेंसी कॉल प्वाइंट बनाए जाएंगे। इनको डायल 112 से भी जोडा जाएगा। इनका सीधा संबंध पुलिस आयुक्त कार्यालय गुरुग्राम में बने कंट्रोल रुम और संबंधित थाना से संपर्क स्थापित किया जाएगा। दिन व रात में निरंतर लोगों की मदद के लिए टीमें उपलब्ध रहेंगी। दूर नजर से आने के लिए इनके ऊपर बिकन लाइट भी लगाई जाएगी। आपात स्थिति में आमजन किसी भी समय इसमें लगे बटन को दबाकर इससे मदद ले सकता है। बटन दबाने उपरांत जरुरतमंद वीडियो कालिंग के माध्यम से अपनी शिकायत कंट्रोल रुम में दर्ज करा सकता है। इनको टू वे वीडियो कम्युनिकेशन के रुप में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। यदि जरुरतमंद की वीडियो काल का संपर्क टूट भी जाता है तो स्वयं कंट्रोम रुम द्वारा उसकी मदद करने के लिए उससे दोबारा सपंर्क स्थापित किया जाएगा।

हरियाणा में अपराधों की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि एनसीआरबी की वर्ष 2023 की रिपोर्ट ने हरियाणा की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। रिपोर्ट में सामने आए आंकड़े प्रदेश की सरकार और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। जबकि भाजपा सरकार कानून व्यवस्था और विकास को लेकर खुद ही अपनी पीठ थपथपाने में लगी हुई है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में हत्या, ऑनर किलिंग, बलात्कार, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गो पर अपराधों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में तेजी से बढ़ी है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति को दर्शाती है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा ऑनर किलिंग के मामलों में पूरे देश में दूसरे स्थान पर पहुँच चुका है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, वहीं दर्ज किए गए लगभग 42 प्रतिशत मामले फर्जी पाए गए।

बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत, सीएम सैनी ने किए कई बड़े ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए बड़ी राहत योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों भारी बारिश के कारण कई जगहों पर जान-माल का नुकसान हुआ है। सरकार ने त्वरित राहत पहुंचाने के लिए 'ई-क्षति' पोर्टल के माध्यम से अब तक घरों और पशुओं की हानि का मुआवजा जारी किया है। इसके तहत 4 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि सीधे पीड़ितों तक पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 सितंबर तक ई-क्षति पूर्ति पोर्टल खुला रहा, जिस पर करीब 5 लाख 37 हजार किसानों ने 31 लाख एकड़ जमीन का पंजीकरण करवाया। जिन इलाकों में पानी भर गया है, वहां किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। यह राशि दीपावली से पहले खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि

बाढ़ से प्रभावित किसानों को बिजली बिलों में भी बड़ी राहत दी गई है। अब ट्यूबवेलों के बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर 2025 तक नहीं लिया जाएगा। इस फैसले से करीब 7 लाख 10 हजार किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए फसलों के ऋण स्थगित कर दिए गए हैं। जिन इलाकों में 50 प्रतिशत से अधिक फसल का नुकसान हुआ है, वहां किसानों से ऋण की वसूली नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आगामी रबी फसलों के लिए भी नए ऋण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस कदम से 3 लाख किसानों को ऋण के बोझ से राहत मिलेगी।

फसल खरीद पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में 22 सितंबर से खरीद प्रक्रिया शुरू हुई है और 30 सितंबर तक 5 लाख मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है। इसमें से 3 लाख 58 हजार मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। किसानों को उनकी फसल की कीमत का भुगतान भी तेजी से किया जा रहा है। अब तक 109 करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है।

आंगनबाड़ी वर्करों ने दिया धरना, 13 सूत्रीय मांगों को लेकर डीसी को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

सिरसा। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर सिरसा के लघु सचिवालय के बाहर एक दिवसीय धरना दिया और लंबित 13 सूत्रीय मांगों को लेकर उपायुक्त के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। धरने के दौरान वर्कर्स और हेल्पर्स ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरा करने की मांग की। यूनियन की जिला प्रधान मनप्रीत कौर, सुरेश कुमारी, कुलविंदर साहुवाला, राजपाल, नीलम ओढ़ा, मायादेवी सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स ने धरने में भाग लिया। उन्होंने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट द्वारा आंगनबाड़ी वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने के

फैसले को हरियाणा में भी लागू किया जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा सुपरवाइजर के पदों पर वर्कर्स को भरने का वादा पूरा किया जाए। प्ले स्कूल और क्रेच वर्कर्स को पूर्ण वेतनमान प्रदान किया जाए। वर्कर्स ने प्रधानमंत्री द्वारा 2018 में घोषित 1500 और 700 रुपये की बढ़ोतरी की मांग भी उठाई, जो हरियाणा को छोड़क़र पूरे देश में लागू हो चुकी है। उन्होंने कच्चे कर्मचारियों की तर्ज पर आंगनबाड़ी वर्कर्स को स्थायी करने, हेल्पर्स की प्रमोशन को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और आयु सीमा समाप्त करने की मांग की। साथ ही सभी हेल्पर्स और वर्कर्स के खाली पड़े पदों पर तत्काल भर्ती, एडिशनल सेंटरों के लिए आधा वेतन, पूर्ण मेडिकल लीव, कैशलेस सुविधा, विभाग द्वारा दिए गए फोनों के सिम कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की।

रात्रि ठहराव के लिए श्रीरागखेड़ा में ठहरा प्रशासन

एजेंसी

जींद। गांव श्रीरागखेड़ा में जिला प्रशासन ने रात्रि ठहराव किया। इस दौरान डीसी ने जन समस्याएं सुनीं और कहा कि इस तरह के आयोजनों से आम जनता का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ता है। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं का त्वरित आधार पर समाधान किया जाता है जो शिकायत मुख्यालय स्तर की है उन्हें उच्च अधिकारियों के पास भेजकर समाधान करवाया जाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी मुख्य उद्देश्य है कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। इसी उद्देश्य को लेकर जिला प्रशासन भी संबंधित व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम में गांव का कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत निसंकोच होकर दे सकता है, उस समस्या का प्रशासन द्वारा त्वरित आधार पर समाधान किया जाएगा। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में गांव निवासी चमेली द्वारा बिजली का लोड कम करवाने के लिए अपनी शिकायत रखी थी। जिस पर डीसी ने दक्षिण हरियाणा बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि वे एक सप्ताह के अंदर-अंदर इस समस्या का समाधान करवाना सुनिश्चित

करें। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में गांव श्रीरागखेड़ा के ग्रामीणों द्वारा फैमिली आईडी में इन्कम ठीक करवाने बारे प्रार्थना पत्र दिए। जिसके लिए क्रीड विभाग का स्टॉल स्थापित किया गया था। अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निदान किया गया। ग्राम पंचायत की ओर से गांव की सरपंच ने अपना मांग पत्र रखा। इसमें गांव के धर्मस्थल पर कब्जा हटवाने बारे, बालाजी मंदिर तालाब की पैमाइश, स्कूल में सोलर पैनल लगवाने, आंगनबाड़ी को शिफ्ट करने बारे, टावर लगाने, तालाब के पास चुस बोर लगाने, नालों का निर्माण करवाने, गांव में चौकीदार लगाने, पीने के पानी का सैंपल भरवाने, फीडर अलग करवाने तथा 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने, गांव का मुख्य रास्ता पक्का करवाने, ब्रेकर बनवाने बारे रखी गई। इस पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि सभी मांगों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा वैदिक काल से युग पुरुषों की रहा है जन्म स्थली :नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा वैदिक काल से सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक क्रांति के सूत्रधार युग पुरुषों की जन्मस्थली रहा है। इन महान संतों में सम्पूर्ण मानव जाति का अपनी शिक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन किया है। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। स्वामी आत्मानंद जी महाराज ने जीवनपर्यंत शोषित एवं वंचित समाज के उत्थान की दिशा में कार्य किया। उन्होंने जात-पात के भेदभाव का हमेशा विरोध किया तथा उन्होंने आर्य समाज के साथ जुडक़र समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में योगदान दिया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रोहतक में स्वामी आत्मानंद हरियाणा अनुसूचित जाति शिक्षा समिति द्वारा आयोजित महान समाज सुधारक स्वामी आत्मानंद महाराज जी की 140वीं जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा समिति को अपने स्वैच्छिक कोष से 51 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने शिक्षा समिति द्वारा सौंपी गई सभी मांगों को

पूरा करवाने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 अक्तूबर को देश की दो महान विभूतियों की जयंतियां है जिनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री शामिल हैं। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता का पाठ पढ़ाया, वहीं शास्त्री जी ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया। मुख्यमंत्री ने बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक दशहरा के पावन पर्व की नागरिकों को अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने स्वामी आत्मानंद महाराज के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों व वंचित समाज के कल्याण के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया। उन्होंने 1928 में रोहतक में हरियाणा हरिजन आश्रम की स्थापना की तथा 1948 में स्वामी आत्मानंद हरिजन ट्रस्ट बनाया।

दुर्गा पूजा भारतीय संस्कृति और सभ्यता की निरंतरता का प्रतीक : राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल मातृ पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से हम न केवल देवी की आराधना करते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी जीवित रखते हैं। राज्यपाल आज गुरुग्राम में सहस्राब्दि दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित 26वें वार्षिक दुर्गा पूजा कार्यक्रम में उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदेशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने मां दुर्गा की पूजा करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक इतिहास इस बात का साक्षी है कि यूनानी, रोमन, मिस्र और फारसी जैसी अनेक महान सभ्यताएँ कालक्रम में विलुप्त हो गईं। इन सभ्यताओं के पतन का प्रमुख कारण उनकी सांस्कृतिक नींव का कमजोर पड़ जाना था। इसके विपरीत

भारतीय सभ्यता पाँच हज़ार वर्षों से भी अधिक पुरानी है और आज भी निरंतरता और प्राणशक्ति के साथ जीवित है। भारतीय सभ्यता ने अनेक आक्रमणों, अत्याचारों और कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारी संस्कृति ने स्वयं को सुरक्षित रखा और आगे बढ़ाया। इसका सबसे बड़ा आधार हमारा धर्म और अध्यात्म है, जिसने समाज को हमेशा मजबूती और दिशा प्रदान की।प्रोफेसर घोष ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। यह उत्सव हजारों वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी मनाया जा रहा है और हर वर्ष समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने समय-समय पर अच्छे और बुरे दोनों दौर देखे हैं। हर दौर में यह हमारी संस्कृति एवं धार्मिक मान्यताएं ही थी, जिन्होंने हमें जोड़े रखा। उन्होंने कहा कि समाज में मौजूद विभिन्न चुनौतियों से पार पाने में हमारी सांस्कृतिक परंपराएँ ही हमें शक्ति देती हैं। राज्यपाल ने कहा कि दुर्गा पूजा ऐसा पर्व है, जिसमें अमीर-गरीब, बड़े-छोटे सभी वर्ग समान रूप से भाग लेते हैं।

यह आयोजन केवल सामाजिक समरसता का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने वाला अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना हम सबका साझा दायित्व है।

हरियाणा में एक करोड़ 17 लाख किसानों ने कराया फसल बीमा : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत करीब 1 करोड़ 17 लाख किसानों ने इस योजना के अंतर्गत बीमा करवाया है तथा इसके माध्यम से किसानों को अब तक 9 हजार 99 करोड़ रुपए की राशि का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। चंडीगढ़ में राणा ने कहा कि इस समय किसानों के खातों में सीधे पैसा पहुंचाया जा रहा है ताकि उन्हें किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो। वर्तमान खरीफ 2025 सीजन में यह योजना पूरे जोश और उत्साह के साथ क्रियान्वित की जा रही है। मेरी पॉलिसी मेरे हाथ देने का उद्देश्य है कि प्रत्येक किसान को उनके द्वारा बीमित की गई फसल की बीमा पॉलिसी सीधा उनके हाथों में सौंपी जा

सके, जिससे उन्हें योजना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है कि वे गांव-गांव जाकर प्रत्येक किसान के घर जाकर उसे उसकी बीमा पॉलिसी जो कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत उसने करवाई है उसे दे, ताकि उसे पता लग सके कि उसने इस पॉलिसी से क्या लाभ लिया है और क्या-क्या शर्ते इसमें शामिल है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों से बातचीत के आधार पर कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत और इसमें क्या सुधार लाए जा सकते है इस पर भी कार्य किया जा रहा है।

स्वदेशी अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम : पंडित मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि यह त्याहारों का समय है, इसलिए हम सभी का दायित्व है कि स्वदेशी अभियान को जन-जन का संकल्प बनाना है। बड़ौली ने खरखौदा, सोनीपत में सेवा ही संकल्प - सेवा पखवाड़ा÷ अभियान के तहत कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों को ÷स्वदेशी अपनाओ÷ अभियान के अंतर्गत प्रेरित करते हुए साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर विधायक पवन खरखौदा, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷आत्मनिर्भर भारत÷ व ÷वोकल फॉर लोकल÷ जैसे अभियानों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान के तहत अपने परिचितों को भी स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ सिर्फ अभियान नहीं है, यह हमारा दृढ़

संकल्प है और घर-घर तक पहुंचाना है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह स्थानीय कारीगरों, लघु उद्योगों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें और विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करें। बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार ने जीएसटी रिफॉर्म्स करके लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई है। जीएसटी रिफॉर्म्स का उद्देश्य आम जनता की सुविधा और व्यापारिक गतिविधियों को सरल बनाना है। बड़ौली ने कहा कि पारदर्शी और सरल कर प्रणाली के माध्यम से प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को गति मिलेगी। जागरूकता और जनता की सक्रिय भागीदारी से ही स्वदेशी अपनाओ अभियान को व्यापक सफलता मिलना संभव होगा। उन्होंने उपस्थित लोगों से ÷वोकल फॉर लोकल÷ का मंत्र अपनाकर ÷मेक इन इंडिया÷ उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्री राम शर्मा की जयंती के अवसर पर मुरथल चौक (सोनीपत) स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बड़ौली ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी पंडित राम शर्मा का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और संघर्ष की प्रेरणा का स्रोत है। पंडित श्रीराम शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय योगदान दिया और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया।

हुड्डा के सीएलपी लीडर बनने से सरकार की विफलताएं होंगी उजागर : अशोक अरोड़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं थानेसर से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि हुड्डा के सीएलपी बनने से मौजूदा सरकार की विफलताएं प्रमुखता से उजागर होंगी। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में अशोक अरोड़ा ने कहा कि पूर्व प्रदेशाध्यक्ष उदयभान का कार्यकाल बेहतर रहा है। उनके नेतृत्व में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव लड़े गए। दोनों चुनावों में पार्टी का वोट शेयर बढ़ रहा है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 10 में से पांच सीटें जीती थी, जिससे स्पष्ट है कि उन्होंने भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया, जिसका असर लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। अरोड़ा ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले ही सरकार की जनविरोधी नीतियों को प्रमुखता से उठा रहे हैं।

दस साल में एमएसपी पर कितनी फसल खरीदी, सरकार जारी करे श्वेत पत्र : वरुण चौधरी

- **मंडियों में अव्यवस्था, न खरीद न उठान और नमी के नाम पर लूट**
- **72 घंटे में अदायगी के दावे के बावजूद दस दिन बाद बिल सत्यापन हुआ शुरू**

एजेंसी

चंडीगढ़। अंबाला लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने एमएसपी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा है कि पिछले दस वर्षों के दौरान कितनी फसलों की एमएसपी पर खरीद की गई है। इसकी जानकारी सार्वजनिक करते हुए श्वेत पत्र जारी किया जाए।

वरुण चौधरी ने पंचकूला समेत अन्य स्थानों पर मंडियों का दौरान करने के बाद कहा कि सरकार द्वारा मंडियों में सरकारी खरीद का दावा किया जा रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि 10 दिन बीत जाने के बाद भी खरीद शुरू नहीं हुई है। मंडियों न तो फसल खरीद हो रही है और न ही उठान। सरकार जानकारी दे कि पिछले 10 दिनों में कितनी फसल की खरीद हुई है। अभी तक मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल वेरिफिकेशन भी पेंडिंग है। खरीद के 10 दिन बाद आई-बिल

सत्यापन का कार्य शुरू हुआ है, जबकि सरकार की ओर से 72 घंटे में पेमेंट देने का दावा किया जा रहा है। सरकार बताए कि अब तक 72 घंटे में कितने किसानों के खातों में फसल खरीद का भुगतान किया गया है। सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले धान के किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का रेट देने का वादा किया था, लेकिन न पिछले सीजन में और न ही इस सीजन में यह वादा पूरा हुआ। आज प्रदेश की मंडियों में धान की आवक तेज़ है, लेकिन खरीद न होने से किसान भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

रामायण से मिलती है त्याग, समर्पण, नैतिकता के मार्ग पर चलने की शिक्षा : संतोष

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमती संतोष कुमारी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।संतोष कुमारी ने बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। उन्होंने कहा कि रामायण से नैतिकता और सदाचार, धैर्य और सहनशीलता, भक्ति और प्रेम के साथ-साथ अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। भगवान श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। उनके जीवन से हमें अनेक आदर्श मिलते हैं जो आज भी समाज और व्यक्तिगत जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। कैंपस स्कूल की निदेशिका ने बताया कि भगवान श्री राम के आदर्श में सत्य निष्ठा, पितृ भक्त और आज्ञा पालन, धर्म पालन, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श राजा के साथ-साथ करुणा और उदारता के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एस के पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी जनों का स्वागत किया। धन्यवाद सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा ने किया। डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. रश्मि, डॉ. जितेश, डॉ. सुभाष, पूनम व निक्की ने भी कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। मंच का संचालन रूचि और नीकिता ने किया। रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव में विद्यार्थियों ने किया शानदार मंचनउपरोक्त कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने रामायण के सभी पात्रों का सजीव चित्रण किया। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं कैंपस स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने रामायण के किरदारों का शानदार मंचन करके दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ आदि के किरदारों ने पारंपरिक वेशभूषा में शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

केंद्र ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में पीआरआईपी योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव किए आमंत्रित

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए लगभग 11,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

औषधि विभाग ने अपनी पीआरआईपी योजना के तहत अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन-संचालित क्षेत्र में बदलने की एक ऐतिहासिक पहल है।

5,000 करोड़ रुपए के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना से नई दवाओं, जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और नए चिकित्सा उपकरणों में लगभग 11,000 करोड़ रुपए के कुल अनुसंधान एवं विकास निवेश वाली लगभग 300 परियोजनाओं को समर्थन देकर फार्मा-मेडटेक इनोवेशन पाइपलाइन को गति मिलने की उम्मीद है।

विभाग ने पहले अधिसूचित योजना में संशोधनों को अधिसूचित किया है और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। संशोधित योजना के तहत, प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए, एमएसएमई और स्टार्टअप 5 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए 9 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स की 285 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाएं 100 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना 1 करोड़ रुपए तक की लागत के लिए 100 प्रतिशत और 1 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त लागत का 50 प्रतिशत है, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक सीमित है।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना परियोजना लागत का 35 प्रतिशत है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

इसके अलावा, उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व वाले लेकिन अपेक्षाकृत कम बाजार क्षमता वाले क्षेत्रों में भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, संशोधित योजना में प्रावधान है कि बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए सहायता 50 प्रतिशत तक हो सकती है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

ग्राहकों के लिए सुलभ है भारत की 5 सबसे सस्ती कारें

नई दिल्ली

पहले डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) सुविधा महंगी कारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब आम लोगों के लिए भी यह सुलभ हो गई है। इसकी शुरुआत टाटा अल्ट्रोज डीसीटी करता है।

इसका एक्स-शोरूम प्राइस लगभग रुपए 9.42 लाख है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 6-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ यह कार 18 केएमपीएल तक का माइलेज देती है। मजबूत बिल्ड और स्मूद राइड के कारण यह सबसे सस्ती डीसीटी कार मानी जाती है।

किआ सोनेट डीसीटी में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलता है। इसकी कीमत रुपए 11.60 लाख से रुपए 13.65 लाख तक है और यह 18.31 केएमपीएल का माइलेज देती है।

स्टाइलिश डिजाइन और बेहतर टॉर्क इसे एसयूवी प्रेमियों में लोकप्रिय बनाता है। टाटा नेक्सन डीसीटी का एक्स-शोरूम प्राइस रुपए 11.16 लाख है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ यह कार 17.18 केएमपीएल का माइलेज देती है।

नेक्सन 5-स्टार एनकैप सेफ्टी रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय एसयूवी है, जो दमदार रोड प्रेजेंस और फीचर्स के साथ आती है। हुंडई वेन्यू डीसीटी 1.0 लीटर टर्बो इंजन और 7-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसकी कीमत रुपए 10.93 लाख से शुरू होती है और यह 18.31केएमपीएल तक का माइलेज देती है। प्रीमियम इंटीरियर और आरामदायक राइड इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा बनाते हैं। हुंडई आई20 एनलाइन डीसीटी में भी 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स है। इसकी कीमत रुपए 10.23 लाख से रुपए 11.60 लाख तक है। कंपनी दावा करती है कि यह 20.2 केएमपीएल तक का माइलेज देती है।

स्पोर्टी लुक, डुअल एग्जॉस्ट और ऑल-ब्लैक इंटीरियर इसे युवाओं में खास बनाते हैं।

मेक इन इंडिया खतरे में 0% GST ने भारतीय नोटबुक उद्योग को किया बर्बाद

शिक्षा को सस्ता करने का फैसला बना अभिशाप, कच्चे माल पर 18% टैक्स और आसियान आयात पर शून्य ड्यूटी से लाखों रोजगार संकट में

मुंबई/इंदौर

एक तरफ भारत सरकार जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत आर्थिक विकास का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने 0% जीएसटी और आसियान (ASEAN) मुक्त व्यापार समझौते के घातक संयोजन पर कड़ी चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह नीति भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया संकल्प के विपरीत है। कर प्रणाली का घातक असंतुलनएसोसिएशन ने सरकार को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि नोटबुक पर 0% जीएसटी और आसियान एफटीए के तहत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयातित नोटबुक पर 0% कस्टम ड्यूटी के कारण यह उद्योग अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। ड्यूटी-मुक्त आयात 0% जीएसटी के कारण, इन आयातित उत्पादों पर आईजीएसटी (IGST) भी नहीं लग रहा है, जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में अत्यधिक सस्ते हो जाते हैं। घरेलू निर्माताओं पर दोहरी मार भारतीय नोटबुक निर्माताओं को अपने कच्चे माल जैसे पेपरबोर्ड, गोंद, तार, पैकेजिंग सामग्री आदि पर 18% जीएसटी वहन करना पड़ता है, लेकिन उत्पाद पर 0% जीएसटी होने के कारण उन्हें इसका इनपुट टैक्स केडिट (ITC) नहीं मिलता। लागत में वृद्धि नोटबुक निर्माण में उपयोग होने वाला कोटेड पेपरबोर्ड जिस पर पहले 12% जीएसटी था, अब बढ़कर 18% हो गया है, जिससे घरेलू उत्पादन की लागत और बढ़ गई है। रोजगार और MSME पर सीधा हमला यह उद्योग मुख्यतः श्रम-प्रधान और लघु-स्तरीय (MSME) है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार देता है। इंडोनेशिया जैसे दुनिया के सबसे बड़े पेपर उत्पादक देशों से सस्ते आयात की बाढ़ ने भारतीय उद्योगों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश का नुकसान, और विदेशी मुद्रा पर प्रतिकूल असर पड़ना निश्चित है।

ओएसएम ने दुनिया का पहला बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

चेयरमैन बोले-अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में आज इतिहास रच दिया। ओमेगा सीकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दुनिया का पहला ऑटोनॉमस यानी बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया है। इसकी कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए से शुरू है। ये व्हीकल अब कमर्शियल इस्तेमाल के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएमएस ने इस थ्री-व्हीलर का नाम 'स्वयंगति' रखा है। इसे ओएसएम के इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और एआई-आधारित ऑटोनॉमी सिस्टम पर तैयार किया गया है।

यह शॉर्ट-डिस्टेंस ट्रांसपोर्ट जैसे एयरपोर्ट, स्मार्ट कैंपस, इंडस्ट्रियल पार्क, गेटेड कम्युनिटी और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में बिना ड्राइवर के चल सकेगा। वाहन को पहले से मैपिंग करके सेट किया जाता है, ताकि वह तय किए गए रास्ते पर सुरक्षित और सुचारू रूप से चल सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक ऑटोनॉमस वाहन बाजार 2030 तक 620 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में 'स्वयंगति' भारत का पहला ऐसा प्रोडक्ट है, जो इस तेजी से बढ़ते ट्रेंड को मैच नहीं, बल्कि लीड करेगा। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सबसे बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक सुरक्षित और किफायती समाधान लेकर आई है।

ओएसएम के फाउंडर और चेयरमैन ने कहा कि स्वयंगति का लॉन्च सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के ट्रांसपोर्टेशन भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम है।

अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत है। यह साबित करता है कि एआई और लिडार जैसी तकनीकें भारत में देश के लिए और सस्ती कीमत पर बनाई जा सकती हैं। ओएसएम के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर ने कहा कि हमारा मकसद ऑटोनॉमी को डेमोक्रेटाइज करना है। स्वयंगति ने दिखाया है कि ईवी इंडस्ट्री में इंटेलिजेंट सिस्टम्स को अब रोजमर्रा की मोबिलिटी में लाया जा सकता है। स्वयंगति ने हाल ही में 3 किमी की ऑटोनॉमस रूट टेस्टिंग पूरी की, जिसमें 7 स्टॉप, रीयल-टाइम ऑब्स्टेकल डिटेक्शन और पैसेंजर सेफ्टी शामिल थी।

जीएसटी 2.0 से उत्तर प्रदेश में विकास को मिली रफ्तार, पीतल से लेकर चमड़ा उद्योग को हो रहा फायदा

नई दिल्ली

जीएसटी सुधार ने उत्तर प्रदेश की विविध अर्थव्यवस्था को लक्षित राहत प्रदान की है, जिसमें जीआई-पंजीकृत कालीन, पीतल के बर्तन, जरदोजी, जूते, चीनी मिट्टी के उत्पादन, खेल के सामान और सीमेंट शामिल हैं।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कम कर दरों से परिवारों की सामर्थ्य में सुधार होगा, कारीगरों पर कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। जीएसटी में टैक्स की दरें कम होने से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और सहारनपुर के लकड़ी के सामान के 6-7 प्रतिशत सस्ते होने की उम्मीद है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों कारीगरों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही-मिर्जापुर-जौनपुर क्षेत्र भारत के सबसे बड़े हाथ से बुने और बुने हुए कालीन क्लस्टर में से एक है। जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के बाद, हाथ बने कालीन सस्ते हो गए हैं। कानपुर-आगरा क्षेत्र में 15 लाख श्रमिकों को रोजगार देने वाले चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों को भी जीएसटी दर में कटौती से लाभ मिलेगा, जिससे एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और निर्यात में वृद्धि होगी। जीएसटी सुधारों से उत्तर प्रदेश में लकड़ी के खिलौने और शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो पारिवारिक कारीगरों द्वारा संचालित है, जिनमें से कई अपने घरों से काम करते हैं। केवल वाराणसी और चित्रकूट के क्लस्टर लगभग 15,000-25,000 कारीगरों को रोजगार देते हैं, जबकि सहारनपुर में लकड़ी के काम और नक्काशी में लगे हजारों कारीगर रहते हैं। रामपुर भी इस पारंपरिक शिल्प नेटवर्क का हिस्सा है। ये क्लस्टर मेलों, धार्मिक खिलौनों और सजावट के माध्यम से मजबूत घरेलू मांग को पूरा करते हैं, और इनसे यूरोप और खाड़ी देशों तक मामूली निर्यात भी होता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खिलौने और छोटे शिल्प सस्ते होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदः केंद्र

नई दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह योजना बनाते समय की गई परिकल्पना 91,600 से करीब 1.5 गुना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा कि ईसीएमएस के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो तय लक्ष्य 59,350 करोड़ रुपए से करीब दो गुना है। ईसीएमएस के लिए एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई है। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़े निवेश आकर्षित करना, क्षमता विकसित करके घरेलू मूल्य संवर्धन (डीएवी) और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (जीवीसी) के साथ इंटीग्रेट करके एक मजबूत कंपोनेंट इकोसिस्टम विकसित करना है। इस स्कीम में सरकार द्वारा भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को विभिन्न श्रेणियों के कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग तरह के प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं और स्केल को हासिल कर पाएं।

इस साल यूपीआई लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब पहुंची

नई दिल्ली इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 24.90 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) ने दी। एनपीसीआई के मुताबिक औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी। सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए थे। इसके अलावा एनपीसीआई ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की कुछ श्रेणियों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख रुपए 24 घंटों के लिए कर दिया है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन के लिए लिमिट को एक लाख रुपए प्रति दिन पर बरकरार रखा था। अब एक लेनदेन में 5 लाख रुपए तक के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान यूपीआई के जरिए करने की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केट प्लेस लेनदेन की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकौती और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया टाटा मोटर्स

नईदिल्ली केंद्रीय मोटर व्हीकल नियमों में बदलाव करके साल 2020 में सरकार ने यह प्रावधान किया था कि पैसेंजर व्हीकल को स्पेयर टायर के साथ बेचने की आवश्यकता नहीं होगी, यदि उसमें ट्यूबलेस टायर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और पंचर रिपेयर किट मौजूद हो। उस समय यह बदलाव थोड़ा असामान्य लगा, लेकिन पांच साल बाद यह प्रथा धीरे-धीरे न सिर्फ प्रीमियम कारों में बल्कि मुख्यधारा की कारों में भी आम हो गई है। यूरोपीय बाजारों में यह वर्षों से चलन में है। टाटा मोटर्स ने अपनी छोटी इलेक्ट्रिक कारों जैसे पंच ईवी और टियागो ईवी के साथ-साथ हैरियर और सफारी पर भी स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया है। वहीं, मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा के कुछ वैरिएंट से स्पेयर हटाया है। उल्लेखनीय है कि सभी वैरिएंट से स्पेयर टायर हटाने का पहला काम मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने किया। कार से स्पेयर टायर हटाने के पीछे कई कारण हैं। सड़कों की स्थिति में सुधार, बेहतर टायर गुणवत्ता, टीपीएमएस और पंचर रिपेयर किट जैसी तकनीक, और टायर रिपेयर की दुकानों की उपलब्धता इसे संभव बना रही हैं। इसके अलावा, स्पेयर टायर हटाने से वाहन का वजन कम होता है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ती है और स्पेस का उपयोग सीएनजी सिलेंडर जैसे विकल्पों के लिए किया जा सकता है। हालांकि, कुछ कार मालिकों को यह बदलाव पसंद नहीं है, क्योंकि स्पेयर टायर लंबे समय से मोटरिंग सुरक्षा का अहम हिस्सा रहा है। फिर भी, बेहतर क्वालिटी के टायर और टीपीएमएस जैसी तकनीकें अब पहले ही प्रेशर में कमी आने की सूचना दे देती हैं।

चालू वित्त वर्ष में आरबीआई से नीतिगत दर में एक और कटौती की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी दरों में कटौती और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण इस वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति चिंता का मुख्य विषय नहीं है । रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा दरों में कटौती की शुरुआत ने आरबीआई के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड ने सितंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। एसएंडपी ग्लोबल को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 के बाकी बचे समय में 25 आधार अंकों की दो और कटौती की जाएगी और हमें चालू वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा एक और दर कटौती की उम्मीद है। जीएसटी सुधार से मुद्रास्फीति में राहत मिलने की संभावना है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्पादक इस कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों पर कब डालते हैं। खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी में कटौती की गई है, जिससे मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण कमी आने की संभावना है।प्रमुख खरीफ फसल उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश के कारण खाद्य मुद्रास्फीति को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद, पर्याप्त जलाशय स्तर रबी उत्पादन के लिए अच्छा संकेत हैं।

रियलमी ने दिए संकेत, प्रशंसक की चाहत बढ़ी अब आगे क्या होगा

नई दिल्ली रियलमी ने एक बार फिर प्रशंसकों और तकनीक प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसने आगामी सहयोग के बारे में बातचीत और अटकलों को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि आगे क्या होगा। पिछले कुछ सालों में रियलमी ने इनोवेशन को पॉप संस्कृति के साथ मिलाकर, युवा दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले यादगार अनुभवों का निर्माण करने वाले ब्रांड के रूप में अपनी छवि बनाई है। यह नया संकेत उसी दिशा में आगे बढ़ता है, जो अपनी कहानियों, पौराणिक पात्रों और शक्ति के प्रतिष्ठित प्रतीकों के लिए प्रसिद्ध एक ऐसे यूनिवर्स के साथ साझेदारी का सुझाव देता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वोंग द्वारा साझा किया गया यह वाक्यांश महाकाव्य युद्धों, शक्तिशाली राजवंशों और ऐसी दुनिया की कल्पना को उजागर करता है जहां रणनीति, डिजाइन और नियति एक साथ आते हैं, यह संकेत देता है कि यह सहयोग जितना कल्पनाशील है, उतना ही मनोरंजक भी हो सकता है। रियलमी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन समय और शब्दों के चयन ने प्रशंसकों और मीडिया को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है कि यह ब्रांड के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहयोगों में से एक हो सकता है। ब्रांड का दृष्टिकोण न केवल तकनीक के प्रति, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो कल्पना को पकड़ें और दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ें। प्रशंसकों को रियलमी के सोशल चैनलों को बारीकी से फॉलो करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि आने वाले हफ्तों में और भी नए आश्चर्य और संकेत सामने आने की उम्मीद है। यह संभावित सहयोग रियलमी के उस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जिसमें तकनीक को संस्कृति के साथ मिलाकर ऐसे अनुभव प्रदान किए जाते हैं जो अभिनव और अविस्मरणीय दोनों हों।

ईएसआईसी ने अदालती मामलों के निपटारे के लिए नई एमनेस्टी योजना के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अदालती मामलों के निपटारे और अभियोजन मामलों की वापसी के लिए नई एमनेस्टी योजना 2025 के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है, जिससे व्यापार को आसान बनाया जा सके। एमनेस्टी स्कीम 2025 एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है जिसका उद्देश्य अदालती मामलों के लंबित मामलों को कम करना, ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह योजना नियोक्ताओं और बीमित व्यक्तियों को अदालतों के बाहर व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से विवादों का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 1 अक्टूबर से 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी। यह योजना बंद और चालू दोनों इकाइयों दोनों के विवादों पर लागू होती है। पांच वर्षों से अधिक समय से बंद इकाइयों के मामले वापस ले लिए जाएंगे, इसमें वे इकाइयां शामिल हैं, जिनके मुकदमे पांच वर्षों से लंबित हैं और जिनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। वहीं, पांच वर्षों के अंदर बंद इकाइयों को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे, स्वीकृत बकाया राशि ब्याज सहित चुकानी होगी और वे किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी। चल रही इकाइयां अपने दावों के समर्थन में रिकॉर्ड प्रस्तुत करके भी विवादों का निपटारा कर सकती हैं और उन पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें नियोक्ताओं ने ईएसआईसी पोर्टल पर फॉर्म-01 के माध्यम से स्वेच्छा से पंजीकरण

कराया है, उन्हें इससे बाहर रखा गया है।

विवाद समाधान के लिए एक व्यावहारिक, पारदर्शी और नियोक्ता-अनुकूल तंत्र प्रदान करके, यह योजना प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करती है, लंबे समय से लंबित मामलों को तेजी से निपटाने में मदद करती है और हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करती है। बयान में कहा गया है कि इससे नियोक्ताओं के लिए परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, अदालतों पर कानूनी बोझ कम होगा और एक प्रगतिशील एवं उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के रूप में ईएसआईसी की भूमिका और मजबूत होगी।

सरकार ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों को तोड़ने के लिए 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (एफआईयू -आईएनडी) ने 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का पालन न करने के लिए नोटिस भेजा है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से बयान में दी गई। ये नोटिस प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 13 के तहत जारी किए गए थे। यह धारा अधिकारियों को जांच शुरू करने, कंपनी के रिकॉर्ड की जांच करने, ग्राहक विवरणों का सत्यापन करने और संदिग्ध लेनदेन पर रिपोर्ट मांगने का अधिकार देती है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जिन 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें सिंगापुर की कॉइनडब्ल्यू, यूके की बीटीसीसी, हांगकांग की चांगेली और अमेरिका की पैक्सफुल शामिल हैं। अन्य कंपनियों में कंबोडिया की हुइओन, अमेरिका और यूके की सीईएक्सडॉटआईओ, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एलबैंक, सेंट लूसिया की प्राइमएक्सबीटी, हांगकांग की कॉइनएक्स, सिंगापुर की रेमीटानो, बोस्टन की पोनोनिएक्स, सेशेल्स की बिटमैक्स और लिकटेंस्टीन की एलसीएक्स शामिल हैं। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अलग-अलग नोटिस भी जारी किए हैं, जिनमें पीएमएलए के तहत उचित पंजीकरण के बिना भारत में चल रहे ऐप्स और वेबसाइटों को हटाने का अनुरोध किया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया की स्थापना 2004 में की गई थी। यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार मुख्य एजेंसी है। मौजूदा समय में 50 क्रिप्टो वॉलेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया के पास पंजीकृत हैं। हालांकि, कई विदेशी कंपनियां बिना पंजीकरण के भारत में काम कर रही हैं,

CoinW

जिससे वे एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म (एएमएल-सीएफटी) ढांचे से बाहर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय यूजर्स को सेवा प्रदान करने वाले सभी क्रिप्टो वॉलेट सर्विस प्रोवाइडर्स (चाहे वे भारत में स्थित हों या विदेश में) को एफआईयू-आईएनडी के साथ पंजीकरण करना होगा।

एनआईटीईएस का आरोप, टीसीएस ने पुणे में 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया

नई दिल्ली नैसेंट आईटी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर आरोप लगाया है कि कंपनी पुणे में करीब 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। एनआईटीईएस एक फोरम है, जो कि आईटी सेक्टर के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। यह आरोप एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र में लगाया गया है, जिसमें प्रभावित कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। एनआईटीईएस के अनुसार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने महाराष्ट्र के श्रम सचिव से इस मामले की जांच करने को कहा है। हालांकि, सलूजा ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति और भी खराब हो गई है, हाल के हफ्तों में पुणे में हजारों कर्मचारियों को कथित तौर पर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एनआईटीईएस ने दावा किया कि इनमें से कई कर्मचारी मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर हैं, जिन्होंने टीसीएस में 10 से 20 साल बिताए हैं, और ज्यादातर की उम्र 40 साल से अधिक है। एनआईटीईएस ने कहा कि मौजूदा बाजार में नई नौकरियां ढूंढ़ना उनके लिए बेहद मुश्किल है, क्योंकि उनके पास होम लोन, स्कूल की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल जैसी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

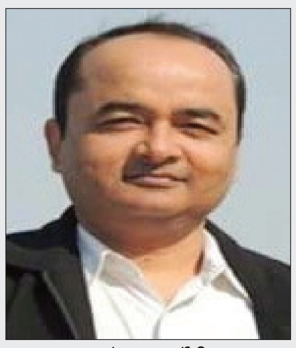

उमेश चतुर्वेदी

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतरजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी।

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है।

एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, 'आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है।'

संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।'

संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित ह्यइनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे।

संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहाः 'कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे।' सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है।

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है।

संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा ह्यसामाजिक समरसताह्न है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

संपादकीय

पीओके में 'जय हिंद'

पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आजकल नारे लगाए जा रहे हैं-'जय हिंद, जय हिंद।' वहां के लोग पाकिस्तान की हुकूमत और फौज से इतने आजिज आ चुके हैं कि वे अब भारत में विलय चाहते हैं। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पीओके में रोजी-रोटी, आम जिंदगी, रोजगार, महंगाई और संसाधनों की लूट के मद्देनजर आंदोलन चलाए जाते रहे हैं। हुकूमत को ज्ञापन भी दिए गए हैं, लेकिन अब वहां की अवाम विद्रोह पर उतर आई है। ऐसे भी नारे लगाए जा रहे हैं-'यह जो दहशतगर्दी है, उसके पीछे वर्दी है।' विद्रोहियों ने फौज और पुलिस के वर्दीधारियों पर प्रतिघात भी किए हैं। बलूचिस्तान में फौज का अस्तित्व लंबे वक्त से बलूच लड़ाकों के रहम-ओ-कर्म पर है। हाल ही में क्वेटा में एक ताकतवर बम विस्फोट किया गया, जिसमें 10 मौतें हो गईं और कई घायल हुए। अब आसार पुख्ता होने लगे हैं कि पाकिस्तान का विभाजन अपरिहार्य है। पीओके और बलूच के अलावा खैबर और सिंध में भी आजादी के आंदोलन जारी हैं। पीओके के विद्रोही 'आजाद' होने पर आमादा हैं। बलूच अपनी 'आजादी' के लिए लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। वे अपने बेशकीमती खनिजों का सौदा, पाकिस्तानी हुकूमत के द्वारा, अमरीका या चीन के साथ, करने का धुर विरोध कर रहे हैं। बलूच इन प्राकृतिक संसाधनों को अपनी स्वाभाविक, अमूल्य संपदा मानते रहे हैं, लिहाजा सौदेबाज हुकूमत और फौज के चेहरों पर जानलेवा प्रहार भी करते रहे हैं। पीओके के संदर्भ में 1994 से कई बार हमारी संसद प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला कश्मीर भी हिंदुस्तान का अविभाज्य हिस्सा है। पाकिस्तान उसे लौटा दे। यह मुद्दा प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भी उठाते रहे हैं। दरअसल भारत सैन्य कार्रवाई को 'अंतिम विकल्प' मानता है। पीओके स्वतंत्र भारत की सुबह में ही तत्कालीन सत्ताधीशों की ऐतिहासिक गलतियों की भी डरावनी याद को ताजा करता है। यदि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू अचानक युद्धविराम का फैसला नहीं करते, तो पीओके अस्तित्व में ही नहीं आता। नतीजतन करीब 72,935 वर्ग किमी क्षेत्रफल का भूभाग पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा, जो आज भी यथावत है। बल्कि 42,735 वर्ग किमी का भूभाग आज भी चीन अधिकृत कश्मीर कहलाता है। उसमें अक्साई चिन आदि के क्षेत्र आते हैं। भारत प्रशासित जम्मू-कश्मीर 1,06,566 वर्ग किमी में है, जबकि इससे दोगुने क्षेत्र का विलय भारत में हुआ था। बहरहाल उस गलती के 78 लंबे साल गुजर चुके हैं। हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री जयशंकर समय-समय पर बयान देते रहे हैं कि पीओके के निवासी, अपने विद्रोह के बूते, अपने आप हमारी तरफ लौट आएंगे। यह भरोसा भावुक और कहानीमय तो हो सकता है, लेकिन हम इसे बिल्कुल भी आसान नहीं मानते, क्योंकि वहां के क्षेत्रों में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा बनाया जा रहा है। चीन अरबों रुपए खर्च कर चुका है और अपने इंजीनियरों और कर्मचारियों को भी मरवा चुका है। चीन के मंसूबे विस्तारवादी भी हैं। लिहाजा पीओके को बहुत मुश्किल लड़ाई लडी पड़ेगी। बेशक पाकिस्तान के पास सशस्त्र सेना भी है। वह आज भी बम गिरा कर या गोलीबारी में अपने ही मुल्क के लोगों को मार रहा है।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

पापांकुशा एकदशी का व्रत करने से मिट जाते है सभी पाप

कांतिलाल मांडोत

आज पापांकुशा एकादशी का पर्व है। पर्व का अर्थ है, कुछ विशेष दिन। पर्व पवित्रता और श्रेष्ठता का भी सूचक है। ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक पत्र की पाँच तिथियाँ पर्व-तिथि कहलाती हैं। द्वितीया, पंचमी, अष्टमी, एकादशी तथा चतुर्दशी एवं पूर्णिमा। पर्व-तिथि मानने का भी एक मनौवैज्ञानिक तथा कर्मशास्त्रीय कारण है।द्रव्य, क्षेत्र, काल, समय आदि का प्रभाव भी कर्मों को उदय व क्षयोपशम भाव में उनके तीव्र-मन्द प्रभाव में निमित्त बनता है। किसी समय में जैसे पुष्प नक्षत्र आदि हैं। प्रारम्भ की गई ज्ञानाराधना तथा अमुक नक्षत्र में ध्यान-साधना विशेष शीघ्र फलदायी होती है। वैसे ही अमुक तिथि को किया गया अमुक कार्य शीघ्र लाभदायी होता है। तिथियों का सम्बन्ध ज्योतिष शास्त्र से है। ज्योतिष का आधार है यह कर्मयोगी। मुख्य बात यह है कि इन तिथियों में विशेष धर्मध्यान, तप, त्याग करके शुभ भावनापूर्वक समय को सार्थक बना देने का उद्देश्य है, जिससे प्राणी को शुभ गति का बंध हो सकता है। दो दिन के अन्तर से एक दिन जीवन में शुभ ध्यान ध्याने के उद्देश्य से पर्व-तिथियों में उपवास, एकासना या विविध त्याग करके धार्मिक संस्कारों को जीवन्त रखा जाता है। इन्हीं पर्व-तिथियों में पापाकुंशा एकादशी एक विशेष पर्व है।

एकादशी की लिखावट की ओर ध्यान दीजिये। इसमें एक का अंक दो बार लिखा गया है। गणित में 1से 1 तक के अंक हैं। इनमें 1 का अंक कुछ विशेष महत्त्व रखता है।1 यह एकाकी शक्ति है। यदि इसके पास एक दूसरा 1अंक रख दिया तो दो एका 1-1 मिलकर ग्यारह (11) हो गये। दो एक मिलते ही एक की शक्ति दस गुनी बढ़ गई। अध्यात्मशास्त्र में पहला 1 अंक ज्ञान का प्रतीक है, दूसरा 1अंक आचरण का प्रतीक है। अगर अकेला ज्ञान है, तो वह मात्र एक के अंक का मूल्य रखता है, किन्तु यदि ज्ञान के साथ आचरण भी जुड़ गया तो उस ज्ञान की शक्ति गुना बढ जाती है।

आज पूरी श्रद्धा के साथ पापाकुंशा एकादशी का व्रत कर प्रभु से घर मे सुख शांति का वरदान की कामना करता है।बड़े बड़े अपराध समाप्त हो जाते है।सभी पाप नष्ट हो जाते है।जीवन मे सौभाग्य की कामना के लिए इस व्रत का बहुत अधिक महत्व है।पपांकुशा एकादशी के व्रत के पीछे पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।हिन्दू धर्म मे एकादशी का बड़ा महत्व है।हर माह में शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की एकादशी का बहुत महत्व है।ये तिथियां भगवान विष्णु को समर्पित होती है।भगवान को समर्पित होने वाली तिथियां का महत्व बढ़ जाता है।उस तिथि पर व्रत,दान और तप आराधना का फल शीघ्र मिलता है।आज अश्वनी माह की शुक्ल पक्ष की पापांकुशा एकदशी का व्रत कर भगवान से सुख -समृद्धि का वरदान मांगते है।पापों के नाश करने वाली पापांकुशा एकादशी मन की शांति और समृद्धि का धोतक है।यह एकादशी मन वांछित फल प्राप्ति के लिए वरदान से कम नही है।मृत्यु के पश्चात मोक्ष प्रदान करती है।लोगो की मान्यता है कि इस व्रत को रखने के लिए यमलोक की यातना से छुटकारा मिल जाता है।अर्थात यमलोक में यातना नही सहन करनी पड़ती है।पापांकुशा एकदशी पर ब्राह्मणों को को भोजन कराकर उनको दक्षिणा देने की परम्परा आज भी अक्षुण्ण है।तुलसी जी को विष्णुप्रिया भी कहा गया है। ऐसे में तुलसी पत्र के बिना विष्णु जी का भोग अधूरा माना जाता है। अगर आप अपनी मनोकामना की पूर्ति चाहते हैं, तो एकादशी की पूजा के भोग में तुलसी दल जरूर रखें।

मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद भगवान राम और उनके भाई भारत का मिलाप भी इसी एकादशी के दिन हुआ था। इसी कारण से इस तिथि का महत्व अनंत गुना बढ़ जाता है। पापांकुशा एकादशी व्रत करने से आध्यात्मिक ऊर्जा की वृद्धि होती है । सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाने से सुख शांति में वृद्धि होती है। इस व्रत को करने से पापों पर अंकुश लग जाता है इसी कारण से पापांकुशा एकादशी कहा जाता है।

नियमों से ही परिवार समाज और राष्ट्र की संरचना होती नियमों औ? व्रतों को निखार और भार स्वरुपा नहीं समझना वाहिये परिवार, समाज और राष्ट्र में जीने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिये नियमों का पालन नितान्त आवश्यक है। आज देश में जो नियमों की अवहेलना हो रही है उसके पीछे स्वछंद वातावरण का प्रभाव है। स्वेच्छाचारिता की मनोवृति के चलते नियमबद्धता एक हवा बनाई जाती है। उसका प्रभाव बच्चों तक के जीवन पर पहुंचता है। परिणाम स्वरूप नियम भंग करना मामूली बात समझ ली जाती है ।बचपन से ही बच्चा अनियमित होना शुरू हो जाता है। आगे बढ़ कर वह बड़ा होने पर भी नियमों को दिल की तरह तोड़ता रहता है और अनेक असामाजिक कार्य करता है।व्रत, दान जीवन को व्यवस्थित करने के नियम है। धर्म प्राकृतिक और शासकीय नियमों को और अधिक विस्तार देता है तथा उन नियमों का आध्यात्सिक मूल्य प्रदान करता है। व्रत उपवास नियमों की ही घनात्मक साधना है। उन्नती सहन शीलता और क्षमता के नये द्वार उद् घाटित हो जाते हैं। जीवन और चरित्र की शुद्धि के नये आयाम स्थापित होते हैं।

व्रत जीवन के लिये के लिए विधान है जो जीवन की उपयोगिता को अनेक गुणा बढ़ा देते हैं। जीवान के क्रिया कलाप व्रत- नियमों से मर्यादित होकर ऐसे ही सार्थक हो जाते हैं जैसे नदी के दो किनारों से लगकर बहने वाला पानी का प्रवाह, किनारों के बीच बहने वाला प्रवाह जहाँ जन-जन के लिये लोक मंगल सम्पादित कर देता है।वही किनारों को तोड़ कर बहने वाला पानी भयंकर विनाशा पैदा कर देता है।

जीवन की धारा भी नियम व्रतों के मर्यादित तटो को स्पर्श करती हुई ही बहे । उसी से स्व-पर मंगल का पवित्र संपादना संभव होगा ।इस व्रत को करने वाला दिव्य फल प्राप्त करता है। इस व्रत को करने से सारे पाप मिट जाते हैं। इस एकादशी का व्रत करने से यमलोक के दुख को सहन नहीं करना पड़ता है। जो व्यक्ति पापांकुशा एकादशी का व्रत रखकर सोना, तिल, गाय, अन्न, जल, छाता और जूते का दान करता है उसके पूर्वजन्म के भयंकर पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस व्रत को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति प्रदान कर सुख देनेवाला माना गया है। एकादशी का व्रत ना केवल ग्रह गोचर को सुधारता है, बल्कि एकादशी व्रत करने से व्यक्ति का मन और तन दोनों स्वस्थ हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि एकादशी व्रत करने वाले व्यक्ति के ऊपर कमजोर चंद्रमा का प्रभाव नहीं होता।

अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन पापांकुशा एकादशी का व्रत रखा।बहेलिए ने विधि पूर्वक इस दिन भगवान विष्णु का पूजन किया और व्रत रखा। भगवान विष्णु की कृपा से बहेलिया को सारे पापों से मुक्ति मिल गई और मृत्यु के बाद जब यमदूत बहेलिए को यमलोक लेने के लिए आया तो वो चमत्कार देख कर हैरान हो गया। पापांकुशा एकादशी व्रत रखने के कारण बहेलिए के सभी पाप मिट चुके थे और जिसके चलते यमदूत को खाली हाथ यमलोक जाना पड़ा।बहेलिया भगवान विष्णु की कृपा से बैकुंठ लोक गया। यही सार इस पापांकुशा एकादशी का माना जाता है।

रामलीला में लालाओं की लीला : जब रावण भी हैरान हो उठा

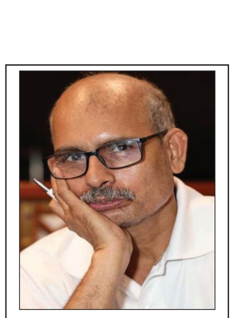

विनोद कुमार सिंह

'दिल्ली के लालकिले की रामलीला : संस्कृति की आड़ में स्वार्थ,सत्ता, रुतबा का नाटक। लालकिले की रामलीला में केवल पुतला न जलाएँ, बल्कि उस व्यवस्था को भी जलाएँ जो रावण से भी भयावह है।'

दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला, जहाँ कभी स्वतंत्रता की पहली पुकार गूँजी और जहाँ प्रधानमंत्री हर 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हैं, हर वर्ष भव्य रामलीला का मंच सजाता है। ध्वनि, प्रकाश और आतिशबाजी के बीच रामायण का मंचन होता है और अंत में रावण का विशाल पुतला दहन कर बुराई के अंत का संदेश दिया जाता है।

लेकिन दुखद सच्चाई यह है कि मंच पर बैठे सफेदपोश नेता, व्यापारी और अधिकारी न तो राम के आदर्शों पर खरे हैं, न सीता की मयार्दा का सम्मान करते हैं, और न ही हनुमान की निष्ठा या लक्ष्मण की अनुशासनशीलता को जीते हैं। विडंबना यह है कि वे रावण जैसे विद्वान भी नहीं हैं, क्योंकि रावण जितना ही घमंडी था, उतना ही ज्ञानी और तपस्वी भी। आज मंच पर बैठे लोग केवल 'लाला' हैं, जो स्वार्थ और सत्ता के बाजार में व्यापारी बने हैं।

रावण दहन का दृश्य

शाम का समय... ऐतिहासिक लाल किले का भव्य प्रांगण। हजारों दर्शकों का समुद्र उमड़ा है। बच्चे गुब्बारे लिए, महिलाएँ और युवतियाँ संगीत पर नृत्य कर रही हैं, और युवा हर क्षण को मोबाइल में कैद कर रहे हैं। मंच पर राम, लक्ष्मण और हनुमान बने कलाकार सुसज्जित खड़े हैं। सामने 70-80 फुट ऊँचा रावण,मेघनाद और कुम्भकर्ण के पुतले आसमान छू रहे हैं। पटाखों से सजाया गया रावण अपने अंतिम क्षण का प्रतीक्षा कर रहा है–जब 'राम' अपने धनुष से अग्निबाण छोड़ेंगे।ज्यों ही अग्निबाण निकलता है, आतिशबाजी की गड़गड़ाहट होती है। रावण की मूँछें जलने लगती हैं, उसका पेट धमाके से फटता है, और पूरा पुतला धधक उठता है। भीड़ तालियों से गूँज जाती है–'जय श्री राम! जय श्री राम!'

लेकिन इस उत्सव के बीच एक गहरा क्षोभ जन्म लेता है। अग्निबाण छोड़ने वाले हाथ किसी मयार्दा-पुरुषोत्तम के नहीं, बल्कि स्वार्थ और भ्रष्टाचार में लथपथ सफेदपोशों के होते हैं। रावण जल रहा है, लेकिन असली रावण–भ्रष्टाचार, महँगाई, राजनीति का नाटक और सांस्कृतिक प्रदूषण–ठीक मंच पर मुस्करा रहा है।

रावण दहन के बाद : अव्यवस्था –

रावण का पुतला धधक कर राख हो चुका है।भीड़ तितर-बितर होने लगती है।जहाँ कुछ देर पहले 'मयार्दा' और 'धर्म' का जयघोष था, वहाँ अबः कचरे के ढेर–प्लास्टिक की बोतलें, गुटखा-पैकेट, डिस्पोजल प्लेटें हर तरफ बिखरी पड़ी हैं।

ट्रैफिक जाम–सैकड़ों गाड़ियाँ, हॉर्न की कानफोड़ू आवाजें, बच्चों की चीखें, और लोगों की झुंझलाहट। सरकारी महकमें, पुलिस और सुरक्षाकर्मी– वीआईपी वाहनों को निकालने में व्यस्त, .आम जनता की परेशानी से बेखबर।

यह दृश्य अन्दर तक झकझोर देता है। क्या यही बुराई पर अच्छाई की विजय है? या यह केवल 'तमाशा' है, जहाँ दिखावे की आग जलती है, और असल जीवन में अव्यवस्था और अन्याय और भी गहरा जाता है?रामलीला आयोजनों में सरकारें मदद देती हैं–हजारों यूनिट बिजली मुफ्त, भारी पुलिस बंदोबस्त, प्रशासन और नगर निगम का सहयोग। यह सब जनता के करों से होता है, लेकिन असल फायदा नेताओं और व्यापारियों को। जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में राहत नहीं मिलती, लेकिन 'वीआई पी रामलीला' के नाम पर करोड़ों की चमक-दमक जरूर दिखती है।

आयोजक दर्शकों को खींचने के लिए फिल्मी सितारों और विवादित हस्तियों को मंच पर बुलाते हैं। पूनम पांडे जैसी हस्तियों का नाम जुड़ना केवल आस्था का मजाक नहीं, बल्कि सीता की मयार्दा पर चोट है। विडंबना यह है कि जहाँ एक ओर सीता हरण का मंचन होता है, वहीं दूसरी ओर नारी-सम्मान को तार-तार करने वाली प्रवृत्तियों को बुलाकर तमाशा बनाया जाता है।

युवाओं का मोहभंग–जब वे देखते हैं कि रामलीला नेताओं और व्यापारियों की दुकान बन गई है, तो उनकी आस्था डगमगाती है।

रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि सांस्कृतिक एकता का धड़कता ह्दय है।रावण का पुतला जलाना आसान है।असली चुनौती है -अपने भीतर और समाज-व्यवस्था में बसे रावण को जलाना। हमें अपने जीवन और व्यवस्था में छिपे भ्रष्टाचार,लोभ,सत्ता-लालसा, अन्याय और आडंबर के रावण को भी अग्निबाण से भस्म करना होगा।

अन्यथा इतिहास हमें याद दिलाएगा' उन्होंने हर साल रावण जलाया, लेकिन असली रावण को ताज पहनाकर मंच पर बैठा दिया।'

रामलीला का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि समाज को मयार्दा, त्याग और धर्म की शिक्षा देना है।यदि यह मंच सत्ता,स्वार्थ और बाजार का अड्डा बन जाए, तो यह हमारी संस्कृति और राष्ट्र की आत्मा दोनों के लिए खतरे की घंटी है।

‘बांग्लादेश में हिंदुओं ने डर के बीच मनाई दुर्गा पूजा’, शेख हसीना के बेटे ने जताई चिंता

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने आरोप लगाया है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने देश में कट्टरवाद को बढ़ावा दिया है, जिससे धार्मिक उत्पीड़न फिर से सक्रिय हो गया है। उन्होंने कहा कि इस साल हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय अपनी दुर्गा पूजा डर और असुरक्षा की भावना के बीच मना रहे हैं। सजीब वाजेद पूर्व में प्रधानमंत्री के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा भक्ति और उत्सव का समय है, यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। लेकिन इस वर्ष, हमारे हिंदू भाई-बहन बांग्लादेश में पूजा को भय और अनिश्चितता के माहौल में मना रहे हैं। यूनुस सरकार के तहत कट्टरपंथियों का उदय धार्मिक उत्पीड़न की पुरानी छाया को वापस ला रहा है। पूर्व सलाहकार ने यह भी बताया कि इस दौरान मंदिरों पर हमले हुए, परिवारों को धमकाया गया और स्वतंत्र रूप से पूजा करने का अधिकार एक बार फिर खतरे में है।वाजेद ने कहा कि वही कट्टरपंथी, जिन्होंने कभी बांग्लादेश की आज़ादी का विरोध किया था, अब और अधिक साहसिक हो गए हैं और 1971 के स्वतंत्रता संग्राम की भावना बनाए रखने वालों में आतंक फैला रहे हैं।

सूडान में आरएसएफ ड्रोन हमले में 8 नागरिकों की मौत, कई अन्य घायल

एल फशर । पश्चिमी सूडान के एल फशर शहर में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के ड्रोन हमले में कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हमला एक रिहायशी इलाके में किया गया। एल फाशर की कोऑर्डिनेशन ऑफ रेसिस्टेंस कमेटीज़ नामक स्वयंसेवी समूह ने बयान जारी कर कहा, नागरिक इलाकों पर मिलिशिया द्वारा तोपखाने और ड्रोन से हमले लगातार जारी हैं। आज हुए हमले में अल-दराजा अल-औला मोहल्ले में नागरिकों की भीड़ को निशाना बनाया गया, जिसमें आठ लोगों की जान गई और कई घायल हुए। एक चश्मदीद के अनुसार, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों को एल फशर के सऊदी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।÷ इस बीच, सूडानी सेना की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बयान जारी कर कहा कि उनकी इकाइयों और सहयोगी बलों ने शहर में घुसपैठ की कोशिश कर रही आरएसएफ टुकड़ी को घेरकर मार गिराया। सेना के अनुसार, हमले में बड़ी संख्या में विदेशी भाड़े के लड़ाके मारे गए, जिनमें ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियर भी शामिल थे।

वियतनाम में ‘बुआलोई’ से 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान, 34 लोगों ने गंवाई जान

हनोई । वियतनाम में तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 140 लोग घायल हो गए। इस प्राकृतिक आपदा में 20 लोग लापता हो गए। करीब 8.78 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (करीब 3,156 करोड़ रुपए) का आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया गया है। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक तूफान से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। 8,200 से ज्यादा बिजली के खंभे गिर गए और लगभग 27 लाख घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि बाढ़ और भूस्खलन के कारण 3,000 से ज्यादा सड़कें ब्लॉक हो गईं। स्थानीय अधिकारी बिजली और दूरसंचार बहाल करने और प्रभावित निवासियों की सहायता के लिए नुकसान की रिपोर्ट बना रहे हैं। इससे पहले, 30 सितंबर को, वियतनामी प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने स्थानीय अधिकारियों और विभागों को प्रभावित निवासियों की सहायता और प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने का निर्देश दिया था। प्रधानमंत्रीने शोक संतप्त परिवारों, पार्टी संगठनों, प्रशासन और आपदाओं से हुए नुकसान और कठिनाइयों को झेल रहे निवासियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने जन समितियों के अध्यक्षों को आदेश दिया कि वे जल्द से जल्द अलग-थलग पड़े इलाकों में पहुंचने के लिए सेना और वाहन जुटाएं। क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत करवाएं और प्रभावित निवासियों के लिए आश्रयों की व्यवस्था करें। उन्होंने 5 अक्टूबर से पहले क्षतिग्रस्त शैक्षणिक और चिकित्सा सुविधाओं की मरम्मत कराने को कहा है।

ब्रिटेन में 130 फिलिस्तीन एक्शन समर्थकों पर आतंकवाद का लगा आरोप

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में प्रतिबंधित फिलीस्तीन समर्थक समूह ‘फिलीस्तीन एक्शन’ के 134 समर्थकों पर आतंकवादी संगठन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। लंदन पुलिस ने यह जानकारी दी है। इस समूह को ब्रिटेन में उस समय आतंकवादी संगठन घोषित किया गया था जब फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन जुलाई में शुरू किये गये थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कल एक बयान में कहा, कुल 20 और लोगों के खिलाफ आरोप लगाये गये है। मेट के आतंकवाद निरोधी कमान के अधिकारियों ने इन लोगों को गिरफ्तार किया और प्रतिबंधित समूह फिलिस्तीन एक्शन को समर्थन देने की संलिप्तता की जांच की जा रही है। इसके साथ ही लंदन में अब फिलिस्तीन एक्शन का समर्थन करने के अपराध में आरोपियों की कुल संख्या 134 हो गयी है। बयान में कहा गया है कि दोषी पाये जाने पर इन समर्थकों को छह माह की जेल की सजा दी जा सकती है।

फिलीपींस में भूकंप से अब तक 72 लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस में सिबू द्वीप के तट पर आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की। मृतकों में ज्यादातर मध्य विसायास क्षेत्र के निवासी थे जहां भूकंप का सबसे अधिक प्रभाव देखा गया।

रिक्टर पैमाने पर 6.9 तीव्रता वाला यह भूकंप देश में 2013 के बाद से आए सबसे भीषण भूकंपों में से एक है। इससे पहले बोहोल द्वीप पर 7.2 तीव्रता वाले भूकंप में 222 लोगों की मौत हो गई थी। यह भूकंप समुद्र तल से केवल 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था जिसके कारण क्षेत्र में जानमाल के भारी नुकसान हुआ। इसके कारण बिजली की लाइनें टूट गईं, कई पुल और

सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा कई इमारतें ध्वस्त हो गईं। इनमें एक 100 वर्ष पुराना ऐतिहासिक चर्च भी शामिल है जो स्थानीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता था। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि बारिश और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचों के कारण राहत कार्यों में बाधा पहुंच रही है। टूटी हुई सड़कों और पुलों के कारण बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में असमर्थ हो रहे हैं जिससे लोगों को खोजने और घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों तक ऐसे और झटको के आने की आशंका हैं। इस बीच स्थानीय सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, पानी और चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। राष्ट्रीय सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है और सेना को बचाव कार्यों में सहायता के लिए तैनात किया गया है।

क्वेटा के अघबार्ग इलाके में 10 बलोच लड़ाके मारे गए

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के अघबार्ग इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 बलोच लड़ाके मारे गए। अखबार डान ने आतंकवाद निरोधी विभाग(सीटीडी) के एक प्रवक्ता के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर मंगलवार रात साढ़े 11 बजे अघबार्ग इलाके में सीटीडी टीम ने एक संदिग्ध ठिकाने पर छापा मारा। टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी जिसके बाद लड़ाकों ने अपने बचाव में गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद

हुई मुठभेड़ के दौरान कम से कम 10 बलोच लड़ाके मारे गए। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद हुआ है जिसमें 15 किलो विस्फोटक, दो रॉकेट लॉन्चर, हथगोले और आत्मघाती जैकेट शामिल थे। गौरतलब है कि यह कार्रवाई फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के पास हुए एक आत्मघाती हमले के एक दिन बाद हुई। आत्मघाती हमले में दस व्यक्ति मारे गए थे।

पीओके में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ आंदोलन दूसरे दिन भी रहा जारी

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा में मानवीय सहायता ले जा रहे द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला नामक काफिले को इजरायल की नौसेना ने रोक दिया।47 छोटे जहाजों के काफिले में स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित काफी लोग सवार थे। इसराइली नौसेना ने ग्रेटा थनबर्ग को हिरासत में ले लिया। यह काफिला गाजा में लोगों के लिए खाद्य सामग्री और दवाइयां ले जा रहा है। द टाइम्स ऑफ इजराइल ने इसराइल के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया है कि इन नौकाओं को सुरक्षित तरीके से रोक कर इनमें सवार लोगों को इसराइल के एक बंदरगाह पर ले जाया जा रहा है। इसराइल का दावा है कि काफिले को अपना रास्ता बदलने के लिए कहा गया क्योंकि वे युद्ध क्षेत्र के पास जा रहे थे।मंत्रालय ने ग्रेटा थनबर्ग और उनके सहयोगियों के पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा किया। इजराइल ने एक्स पोस्ट में आरोप लगाया है कि हमास और सुमुद फ्लोटिला का इकलौता उद्देश्य

इजराइल को उकसाना है। इजराइल, इटली, ग्रीस ने फ्लोटिला को गाजा में शांतिपूर्ण ढंग से मानवीय मदद पहुंचाने का प्रस्ताव दिया लेकिन फ्लोटिला की सहायता नहीं बल्कि उकसावे में दिलचस्पी है। इजराइली नौसेना ने हमास-सुमुद फ्लोटिला से संपर्क कर उन्हें अपना रास्ता बदलने के लिए कहा। इजराइल ने फ़्लोटिला को सूचित किया है कि वह एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र के निकट पहुँच रहा है और वैध नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन कर रहा है। इजराइल ने सुरक्षित माध्यमों से गाजा तक किसी भी सहायता को शांतिपूर्ण ढंग से पहुँचाने की अपनी पेशकश दोहराई है।

पीओके में गोलीबारी में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

मुज्जफराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लगातार तीसरे दिन बुधवार को जारी हिंसक प्रदर्शनों में सुरक्षाबलों की गोलीबारी में कम से कम आठ नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीओके में जम्मू कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) की अगुआई में चल रहे विरोध प्रदर्शनों ने पिछले 72 घंटों में आम जनजीवन ठप कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प में बाग जिले के धीरकोट में चार लोगों की मौत हो गई जबकि मुजफ्फराबाद और मीरपुर में दो-दो लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आज सुबह प्रदर्शनकारियों ने मुज़फ़्फ़राबाद की ओर जाने वाले उनके प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलों पर रखे गए बड़े शिपिंग कंटेनरों पर पत्थर फेंके और उन्हें पलट दिया जिससे वे नदी में गिर गए। पीओके में पूरी तरह से लॉकडाउन लागू है जिसके चलते हमारे लोगों को वंचित रखे गए मौलिक अधिकारों के लिए है। या तो अधिकार दिलाएं या जनता के गुस्से

इंटरनेट सेवाएँ भी बंद कर दी गई हैं।बाज़ार, दुकानें और स्थानीय व्यवसाय बंद हैं और परिवहन सेवाएं निलंबित हैं। इस बीच जेकेजेएएसी नेता शौकत नवाज़ मीर ने कहा, हमारा अभियान 70 से ज़्यादा वर्षों से का सामना करें। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के प्रशासन को चेतावनी दी कि बुधवार का हमला सिर्फ़ प्लान ए था जिससे संकेत मिलता है कि यह अभी बहुत आगे जाएगा।

यूक्रेन के ओडेसा में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में नौ की मौत

एजेंसी

ओडेसा। यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई जिसके कारण घर, सड़कें और बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो गया है। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार भारी बारिश ने ओडेसा शहर और आसपास के इलाकों में नदियों और जल निकासी प्रणालियों में पानी को उफान पर ला दिया जिससे सड़के जलमग्न हो गईं और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ओडेसा क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने एक बयान में कहा, ÷हमने अब तक नौ लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है जबकि कई अभी भी लापता हैं। बचाव दल दिन-रात

काम कर रहे हैं लेकिन तेज बहाव और मलबे के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ओडेसा के निचले इलाकों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सड़कों पर कंधों तक भरे पानी के बीच आपातकालीन कर्मचारियों को लोगों को बचाने के लिए नावों का उपयोग करते हुए दिखाया गया है।

इस बीच यूक्रेन के मौसम विभाग ने बताया कि ओडेसा में पिछले चौबीस घंटो के दौरान 150 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई जो सामान्य मासिक औसत से कहीं अधिक है। स्थानीय पर्यावरणविद् नतालिया होज़्दा ने कहा, ÷हमारी जल निकासी प्रणालियां ऐसी भारी बारिश का सामना करने के लिए तैयार नहीं हैं। हमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता भेजने का वादा किया। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, ÷हम ओडेसा के लोगों के साथ हैं। सरकार राहत और पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

पेरिस में दक्षिण अफ्रीकी राजदूत की संदिग्ध मौत, आत्महत्या का शक

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में दक्षिण अफ्रीकी राजदूत नकोसिनाथी इमैनुएल मथेथवा का शव पोर्टे मायो क्षेत्र स्थित हयात रीजेंसी होटल के बाहर मिला। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। फ्रांसीसी अभियोजक कार्यालय के मुताबिक इस बात के संकेत मिले हैं कि 58 वर्ष मथेथवा ने होटल के 22वें माले के कमरे की खिड़की से कूदकर आत्महत्या की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार शाम को मथेथवा ने अपनी पत्नी को आत्महत्या का इरादा बताते हुए माफी मांगने वाला संदेश भेजा था। पत्नी ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मथेथवा ने होटल रूम एक सप्ताह पहले बुक किया था। वह दिसंबर 2023 से फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत के तौर पर कार्यरत थे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने जोहान्सबर्ग में घटना पर गहरा शोक जताते हुए कहा, उनकी असामयिक मौत ने राष्ट्र को गहरा सदमा दिया है। विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने एक्स पर अपने शोक संदेश में इसे राष्ट्रीय क्षति बताया है। मथेथवा नेशनल कलर्ड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

थे। वह पुलिस मंत्री, खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री और 2010 में फुटबॉल विश्व कप आयोजन समिति के सदस्य रह चुके थे। इस बीच फ्रांस में पुलिस उनके अवसाद में होने के अलावा अन्य कारणों की जांच भी कर रही है। दक्षिण अफ्रीकी दूतावास ने दिवगंत राजनयिक के शव को जोहान्सबर्ग ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

संघीय बजट को लेकर ट्रंप को झटका, अमेरिका में शटडाउन का संकट गहराया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में संघीय बजट के पास नहीं होने के कारण सरकार को शटडाउन का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले अहम घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीनेट से फंडिंग बिल को पास नहीं करवा पाए। मंगलवार देर रात बिल पर मतदान में समर्थन में 55 और विरोध में 45 वोट पड़े। इसे पास कराने के लिए 60 वोटों की जरूरत थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप की पार्टी को सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने के लिए कम से कम 60 वोटों की जरूरत थी लेकिन सिर्फ 55 वोट ही जुट पाए। सरकारी खर्चे वाले विधेयक को पारित कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी को कम से कम सात डेमोक्रेट सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। ऐसे में यह प्रस्ताव गिर गया है। सौ सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन, 47 डेमोक्रेट

और 2 निर्दलीय सांसद हैं। फंडिंग से जुड़े बिल को पास कराने के लिए 60 वोट जरूरी होते हैं। 1.7 लाख करोड़ डॉलर का बजट इस संकट का सबब बना है, इस बजट से संघीय एजेंसियों का संचालन होता है। यह अमेरिकी बजट का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। इससे जुड़े प्रस्ताव के गिरने के बाद ट्रंप प्रशासन के पास जरूरी फंडिंग नहीं होगी। इस स्थिति में कई संघीय कामकाज रुक सकता है। अमेरिकी कानून के तहत जब तक बजट या अस्थायी फंडिंग बिल पास नहीं होता तब तक कई गैर-जरूरी सरकारी विभागों और सेवाओं को बंद करना पड़ता है। जिसे शटडाउन कहा जाता है। अमेरिका में 01 अक्तूबर से नया वित्त वर्ष लागू होता है। फंडिंग बिल के पास नहीं होने की स्थिति में शटडाउन शुरू होने पर सरकारी कर्मचारियों में से 40 फीसदी यानी लगभग 8 लाख कर्मियों को बिना वेतन छुट्टियों पर भेजा जा सकता है। सात साल बाद यह पहला मौका होगा, जब फंड की कमी की वजह से अमेरिका में कई सेवाएं प्रभावित होंगी। 2018 में ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी शटडाउन 34 दिनों तक चला था। पिछले 50 वर्षों में फंडिंग बिल अटकने की वजह से अमेरिका में 20 बार शटडाउन हुआ।

ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए

एजेंसी

तेहरान। ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए हैं। यह दावा ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य सलाहकार ने किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक रिवोल्यूशन के नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मेजर जनरल राहिम सफवी ने कहा कि युद्ध के दौरान इजराइली कब्जे वाले क्षेत्रों पर 500 से अधिक मिसाइलें दागी गईं।

इन हमलों ने हाइफा और अन्य क्षेत्रों में इजरायली प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया। इनमें कम से कम 16 इजरायली पायलट मारे गए। ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की रिफाइनरियों, बिजली संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को भी निशाना बनाया। सफवी ने कहा कि कुछ मिसाइलों का प्रभाव इतना व्यापक था कि जिसके कारण भूकंप

जैसी स्थिति पैदा हो गई और विनाश का दायरा तीन किलोमीटर तक फैला है। उन्होंने कहा कि ईरानी सैन्य बल भविष्य में किसी भी संभावित संघर्ष के लिए तैयार है। इस बीच ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ किसी भी आक्रामकता का करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर कदम उठाने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि 13 जून को किए गए इजराइली हमले में ईरान के 1000 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिसमें सैन्य कमांडर, वैज्ञानिक भी शामिल थे।

दक्षिण अफ्रीका के राजदूत पेरिस होटल के नीचे मृत पाये गये

एजेंसी

पेरिस। दक्षिण अफ्रीका के राजदूत नकोसिनथी इमैनुएल नाथी मथेथ्वा फ्रांस के पेरिस होटल के नीचे मृत पाये गये हैं। इस हादसे के बाद फ्रांस के वकील उनकी मौत की कड़ियों को जोड़ने के लिये सबूत जुटाने में लगे हुये हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, शुरुआती जांच में अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को श्री मथेथ्वा पेरिस के ऊंचे होटल से नीचे गिर गये थे। इससे कुछ ही घंटों पहले उन्होंने अपनी पत्नी को एक परेशान करने वाला संदेश भेजा था कि वह आत्महत्या करने की योजना बना रहे हैं। श्री मथेथवा ने दिसंबर 2023 में फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के दूत के रूप में सेवा शुरू की थी । वह खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी काफी सक्रिय थे। उन्होंने छात्र जीवन के दौरान रंगभेद के विरुद्ध अभियान में जोरशोर से हिस्सा लिया था। वह अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) पार्टी के सदस्य भी रहे जिसने दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की स्थापना के लिये लड़ाई लड़ी थी। श्री मथेथ्वा सांसद भी रहे थे और 2010 के फीफा वर्ल्ड कप स्थानीय आयोजक समिति के बोर्ड के निदेशक भी रहे। सार्वजनिक सेवा में शानदार करियर के बावजूद उन पर भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोप भी लगे थे, जिसका उन्होंने अपने जीवनकाल में बार-बार खंडन भी किया।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा के सहयोगी श्री मथेथ्वा कई आयोगों की जाँच में फंसे हुये थे।

अफगानिस्तान:20 किलो अफीम के साथ दो तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत की पुलिस ने 20 किलो अफीम के साथ दो लोगों को हिरासत में लिया है। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता गुलाम नबी बबीजादा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि कथित ड्रग तस्कर 20 किलो अफीम बेचने में व्यस्त थे, तभी पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने आगे बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों को पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारी के मुताबिक पुलिस किसी को भी प्रांत में अवैध ड्रग्स का उत्पादन या तस्करी करने की अनुमति नहीं देगी।

24 सितंबर को, एक प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने कहा था कि पुलिस ने दक्षिणी अफगानिस्तान के उरुजगान प्रांत में अवैध तरीके से चलाई जा रही दो ड्रग प्रोसेसिंग प्रयोगशालाओं को जांच के बाद नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, मादक पदार्थ निरोधक

पुलिस ने चारचिनो और चोरी जिलों में विशिष्ट स्थानों पर छापेमारी की और दो ड्रग प्रोसेसिंग प्रयोगशालाओं को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि पुलिस ने हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली 3 टन से ज्यादा अवैध वस्तुओं की भी खोज कर उन्हें आग लगा दी। बयान में आगे कहा गया है कि पुलिस ने ड्रग कारोबार में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में भी लिया और प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले, अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में, पुलिस ने उत्तरी बगलान और पूर्वी गजनी प्रांतों में 210 किलोग्राम अफीम बरामद की और चार कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एहसानुल्लाह कामगर ने बताया कि 16 सितंबर को पुलिस ने अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में एक मादक पदार्थ प्रसंस्करण प्रयोगशाला का पता लगाया और पांच लोगों को हिरासत में लिया। एक गुप्त सूचना के आधार पर, मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने सोमवार सुबह दारयम जिले में एक जगह पर छापा मारा और 170 किलोग्राम प्रोसेस्ड अफीम के साथ एक मादक पदार्थ प्रोसेसिंग प्रयोगशाला का पता लगाया। अधिकारी ने बताया कि मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। अफगान सरकार ने पिछले कुछ महीनों से मादक पदार्थों के खिलाफ अपने राष्ट्रव्यापी अभियान को तेज कर दिया है, जिसमें तस्करों, उत्पादकों और उत्पादन नेटवर्क पर सीधा वार किया जा रहा है। सरकार ने अफीम की खेती और हेरोइन निर्माण को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प भी लिया है।

जब हो चेहरे पर स्टाइलिश

मैटेलिक मेकअप – आजकल फैशन में मैटेलिक मेकअप है, इसमें पूरे चेहरे पर मैटेलिक गोल्ड, सिल्वर और कॉपर रंगों पर प्रयोग किया जाता है। मेकअप करते समय सबसे पहले चेहरे पर वाटरप्रूफ बेस लगाया जाता है ताकि चेहरे पर मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहे। फिर आपके रंग को ध्यान में रख कर मैटेलिक मेकअप लगाया जाता है। इसमें ब्राइट कलर का ही अधिक प्रयोग किया जाता है। मैटेलिक मेकअप लेट नाइट पार्टियों में ज्यादा फबता है क्योंकि इसमें चेहरा एकदम शाइनी लुक देता है।

सिलिकॉन मेकअप – सिलिकॉन अभी नया मेकअप लुक है, जिसमें चेहरे पर सिलिकॉन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप उन युवतियों के लिए अच्छा है, जिनकी ड्राई स्किन है, इसमें चेहरे पर लिक्विड स्प्रे किया जाता है। फिर चेहरे पर माइक्रो फाउंडेशन लगाया जाता है। अधितर भारतीय युवतियों की स्किन तैलीय है, इसलिए सिलिकॉन मेकअप बेहतर ऑप्शन है, जिसमें आप अपने चेहरे को नया लुक दे सकती हैं। इस मेकअप में चेहरे पर सबसे पहले मैट मेकअप किया जाता है, फिर उसके ऊपर शाइनिंग लुक दिया जाता है। यह मेकअप वाटरप्रूफ है, इसलिए आराम से 15-17 घंटे तक आपकी खूबसूरती बरकरार रहती है।

ईवनिंग मेकअप– ईवनिंग पार्टी हो और आप का मेकअप हो नेचुरल तो रंग कुछ फीका लगेगा। ऐसी पार्टी में मेकअप कैजुअल पार्टी से डिफरेंट होना चाहिए। यानी मेकअप ऐसा करें जो आपको ग्लैमरस लुक दे। ईवनिंग पार्टी के लिए मेकअप में ब्राइट व ग्लासी शेड्स वाले प्रसाधनों का इस्तेमाल करें। जब भी मेकअप करें तो पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें और बेस के रूप में चेहरे की कंसीलिंग करें। कंसीलर त्वचा की रंगत से मेलखाता होना चाहिए। उसके बाद आई मेकअप करें। हाई लाइटनर के तौर पर गोल्ड व सिल्वर शैडो को मिक्स कर आंखों की ऊपरी तरफ ब्लेंड करें। ब्लैक आईशैडो का बेस आईलिड पर लगाएं। उसके बाद ड्रेस से मैचिंग आईशैडो जैसे ब्राउन व पिंक क्रीज व ब्रो पर लगाएं। शैडो का टच निचली आईलिड पर भी दें। अगर पलके घनी नहीं है, तो फाल्स आईलैशेज लगाएं और उस पर मसकारा लगाएं। चिकबोन पर लाइट पिंक ब्लशर का टच दें। होंठों पर पहले लिपब्रश की मदद से डधार्क आउटलाइनिंग बनाएं फिर क्रीमी लिपस्टिक लगाएं और चमक के लिए होंठों के मध्य में लिपग्लास का टच दें। हो गया आपका ईवनिंग मेकअप तैयार। पार्टी से लौटने के बाद मेकअप रिमूव करना न भूलें।

डिस्को मेकअप – डिस्कोथेक में जाने के लिए आपका मेकअप होना चाहिए लांग स्टे और परफेक्ट क्योंकि वहां लाइटिंग बहुत ज्यादा होती है। इसलिए मेकअप जितना भड़कीला व चमकीला होगा, अदाएं भी उतनी ही मोहक लगेंगी। ऐसी वेस्टर्न ड्रेसज सलेक्ट करें जोकि सेक्सी लुक दें। जिनके कलर्स डार्क हों, सीक्वेंस व बीड्स वर्क किया गया हो, साथ ही स्टोल या फर आढ़ा जा सके।

शिमरी, ग्लासी मेकअप आजकल ट्रेंड में है इसलिए आंखों और होंठों के मेकअप को खासकर हाईलाइट करें। हेयरस्टाइल चेंज लाने के लिए विग, कलर स्ट्रिक्स या हेयर एक्सटेंशन करा सकती हैं। शोल्डर, आर्मलेट व बैक पर बने बॉडी टैटू देंगे यूनीक लुक।

रैम्प मेकअप– आजकल फैशन में रैम्प मेकअप है, इसमें मेकअप को इस तरह किया जाता है, जैसा कि रैम्प पर चलने वाली मॉडल करती हैं। रैम्प मेकअप फैंटेसी मेकअप का दूसरा नाम है। अगर आप ने क्रिएटिव ड्रेस पहनी है, तो आप वाइल्ड लुक जैसा मेकअप कर सकती है। वह भी नीट होना चाहिए। फूहड़ता से दिया गया कोई भी लुक भद्दा ही लगेगा। मौसम को ध्यान रखते हुए समर में पेस्टल या सौफ्ट लुक ही होना चाहिए। विंटर कलेक्शन में डार्क मेकअप और हॉट कलर ही इस्तेमाल करें। अगर कपड़े पारंपरिक है, तो लुक भी क्लासिक व स्टाइलिश होना चाहिए। अगर रात की पार्टी में जा रही है, तो ब्राइट, ग्लौसी व शाइनी मेकअप कर सकती हैं।

वैसे आजकल ग्लौसी व शाइनी मेकअप फैशन में है। हैवी आईमेकअप के बाद लिप कलर हल्का होना चाहिए। यदि दोनों पर गहरा रंग लगाना हो तो आंखों को डार्क आईशैडो से डिफाइन करके लाइट शेड से हाईलाइट करें और मैचिंग की लिपस्टिक लगा कर ग्लौस लगाएं। ऐसे में ब्लश भी थोड़ा डार्क ही होना चाहिए ताकि फीचर अलग-अलग डिफाइन हो सकें। शैडो लगाने के बाद काजल पेंसिल से पलकों पर लाइनर लगाएं और कॉटन बड से हलका सा मिक्स करें। इससे आंखें बड़ी व सुंदर लगती हैं।

सिर्फ मां क्यों बने बेस्ट फ्रेंड

पेरेंटिंग कठिन काम है, पर सच्चाई भी है कि टीनएज मुश्किल दौर है। इस उम्र में बच्चों को स्पेशल केयर की जरूरत होती है। वैसे, कहा जाता है कि पेरेंटिंग लंबी प्रक्रिया है। इसके पहले चरण में पेरेंट्स को सबसे ज्यादा जिम्मेदार बनना पड़ता है। दूसरे चरण में चुनौती और भी बढ़ जाती है, क्योंकि आपको अपने टीनएज बच्चे को स्वतंत्रता देते हुए नजर रखनी होती है। यदि आप ऐसा करने में सफल हो जाती हैं, तो आपके और बच्चे के बीच कभी दूरी नहीं पैदा होगी। आप कब उसकी मां से बेस्ट फ्रेंड बन जाएंगी, आपको भी पता नहीं चलेगा।

- मॉडर्न बनना और इसके लिए अपने बच्चे को कुछ हद तक स्वतंत्रता देना तो ठीक है, पर उसे खुली छूट देना अच्छा नहीं है। यदि बच्चा दी गई छूट का गलत फायदा नहीं उठा रहा है, तो उसे जरूर छूट दें। नियम-कायदे में थोड़ा-बहुत बदलाव करती रहें।
- इस उम्र में बच्चे और पेरेंट्स के बीच कम्यूनिकेशन गैप आ जाता है, इसलिए आप जितना बोलती हैं, उससे दोगुना बच्चे की बात भी सुनें। यदि आप उसकी बातें सुनना बंद कर देंगी, तो वह पूरी तरह से आपसे कट जाएगा।
- स्कूल के दिनों को याद करें। ऐसा करने से धैर्य-क्षमता बढ़ेगी। जब आप अपने बच्चे की स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाएंगी तो उसे बेहतर तरीके से डील कर सकेंगी।
- अपने बच्चे की पढ़ाई में सहयोग करें। अमूमन, जब बच्चे छोटे होते हैं, तो पेरेंट्स उनकी पढ़ाई-लिखाई में अपनी सक्रियता दिखाते हैं, पर बाद में ऐसी स्थिति नहीं रहती। अगर आप अपने बच्चे की पढ़ाई में अपना सहयोग जारी रखेंगे, तो इससे आपको पता रहेगा कि उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है।
- टीचर से मिलते रहें। टीचर से बच्चे को आपको सही गाइडेंस तो मिलेगी ही, साथ ही यदि बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है, तो यह भी पता चल जाएगा।
- बच्चों को जन्म से ही सभी चीजों के बारे में मालूम नहीं होता, पेरेंट्स ही उन्हें इन चीजों के बारे में सिखाते हैं। टाइम मैनेज करना और इस तरह की अन्य लाइफ स्किल उन्हें सिखाना आपकी जिम्मेदारी है। आपकी मदद से वह जिंदगी की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर पाएगा।
- अपने लाड़ले को दोस्ती करने के लिए प्रेरित करें। अच्छे दोस्त किसी टीनएजर के लिए बहुत जरूरी होते हैं, इसलिए अपने बच्चे से उसके दोस्तों को घर आमंत्रित करने के लिए कहें। ऐसा करने से आप अपने बच्चे के दोस्तों और कैसे लोगों के साथ समय बिताता है, जान पाएंगी।
- अपने बच्चे को यह महसूस करवाएं कि वह स्वभाव से स्पेशल है। ट्रेंडी कपड़े पहनने या स्टाइल को फॉलो करने से वह खास नहीं बन जाता। सभी विषयों पर उससे खुलकर बातें करें। ऐसा करने से वह किसी विषय पर आपसे बात करने में हिचकेगा नहीं और आप दोनों के रिश्ते के बीच पारदर्शिता कायम रहेगी।

फैशन में फिर आया कफ्तान

यह तो आप ने सुना ही होगा कि फैशन दोबारा लौट कर आता है, फिर चाहे वह ज्वेलरी हो या कपड़े। 60 के दशक में हिप्पियो का खास परिधान 'कफ्तान' एक बार फिर लौट आया है। कफ्तान जहां पहले एथनिक ड्रेस के रूप में पहचाना जाता था, वहीं आज युवतियां इसे मॉडर्न ड्रेस के रूप में पसंद कर रही है। पहले यह पांव तक पहना जाता था पर अब इसका साइज छोटा हो गया है। कफ्तान बिलकुल ढीली-ढाली ड्रेस है, जो देखने में बहुत कुछ कुर्ती से मिलती जुलती है। बाजार में यह दो वेरायटी में मिल रहे हैं, जिसमें शॉर्ट और लॉन्ग कफ्तान है। शॉर्ट कफतान घुटने तक होता है, जिसे जींस, कैपरी या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है। वहीं लॉन्ग कफ्तान एड़ियों तक होता है, जिसे चूड़ीदार पायजामे के साथ पहना जाता है। फैशन डिजाइनर कविता भरतिया कहती हैं कि आज कल युवतियां नए फैशन को बहुत अहमियत दे रही है, इसलिए बाजार में जो भी नया ट्रेंड आता है। वह उसे अपनाने से परहेज नहीं करती है। कफ्तान भी बहुत अलग तरह की ड्रेस है, जो युवतियों को भीड़ से अलग बनाता है क्योंकि यह फैशन एकदम नया है इसलिए अभी मेरे पास इतने ज्यादा कस्टमर तो नहीं आ रहे है, जो कफ्तान की डिमांड कर रहे हैं। मगर कुछ कॉलेज जाने वाली लड़कियों ने जरूर डिमांड की है।

अगर आप पार्टी वियर कफ्तान खरीदना या डिजाइन करवा रही है तो इस बात का ध्यान रखे कि यह थोड़ा शाइनी लुक में हो। इसके लिए आप सिल्वर या गोल्ड फैब्रिक का प्रयोग कर सकती हैं। अगर प्लेन फैब्रिक ले रहे है तो उस हैवी बीडेड वर्क या गोल्ड थ्रेड से वर्क करवा सकती हैं। अगर घर में पहनने के लिए कफ्तान ले रहे हैं तो मौसम को देखते हुए कॉटन और जॉर्जट फैब्रिक का ही कफ्तान खरीदें। अगर रंगों की बात की जाये तो डिजाइनर हल्के रंगों का ही ज्यादा प्रयोग कर रहे है, जिसमें गुलाबी, पीच, सफेद और आसमानी रंग खास है। अगर कफ्तान पर किए गए, वर्क की बात की जाए तो इसमें आपको ढेरो वेरायटी देखी जा सकती है, जिसमें प्रिटेंड, एम्ब्रॉयडरी वर्क, स्टीकर वर्क फैशन में है। प्रिटेंड वर्क में वेजिटेबल पैटर्न वर्क कर सकते हैं जिसमें सब्जियों से छपाई की जाती है। एम्ब्रॉयडरी वर्क में लखनवी और क्रोशिया वर्क करवा सकते हैं, मगर ध्यान रखे कि पार्टी वियर कफ्तान बनाते समय रेशमी धागों का इस्तेमाल करें।

भेलपूरी

सामग्री : 200 ग्राम कुरमुरा (बाजार में रेडीमेड उपलब्ध), आधा कप बारीक सेब, 1 प्याज बारीक कटा हुआ, 1 टेबलस्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टेबलस्पून हरी चटनी, 1 टेबलस्पून इमली-खजूर की चटनी, 2 टेबलस्पून उबले हुए आलू और नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को मसल लें। कुरमुरे में बारीक कटे हुए प्याज, हरी मिर्च, हरी चटनी, इमली-खजूर की मीठी चटनी और आलू डालकर अच्छी तरह से मिला लें, ऊपर से सेब और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष – इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन – का की कू घ ड छ के को हा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क – ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह – मा मी मू मे मो टा टी टू टे
"आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला – रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक – तो ना नी नू ने नो य यी यू
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु – ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर – भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ – गू गे गो सा सी सू से सो दा
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन – दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2605

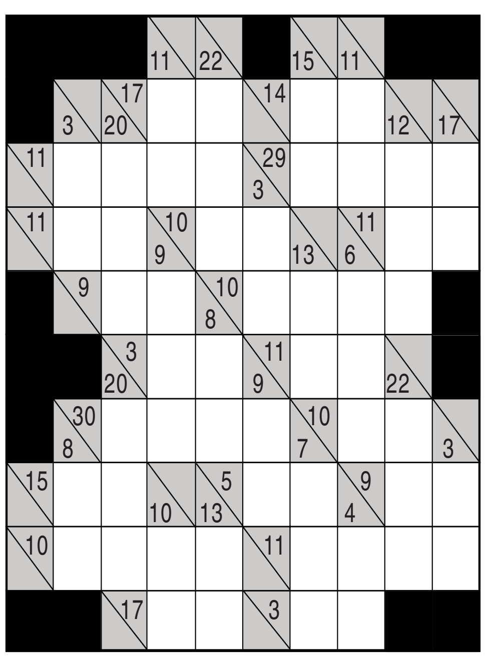

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

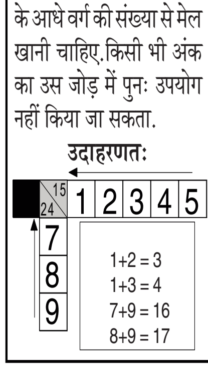

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2604 का हल

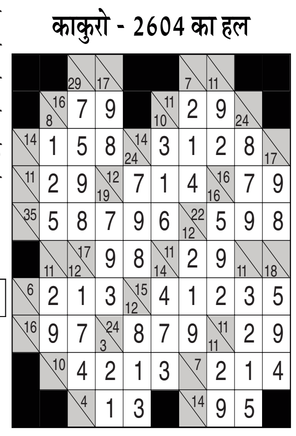

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

❑ ❑ ❑

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

❑ ❑ ❑

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2605

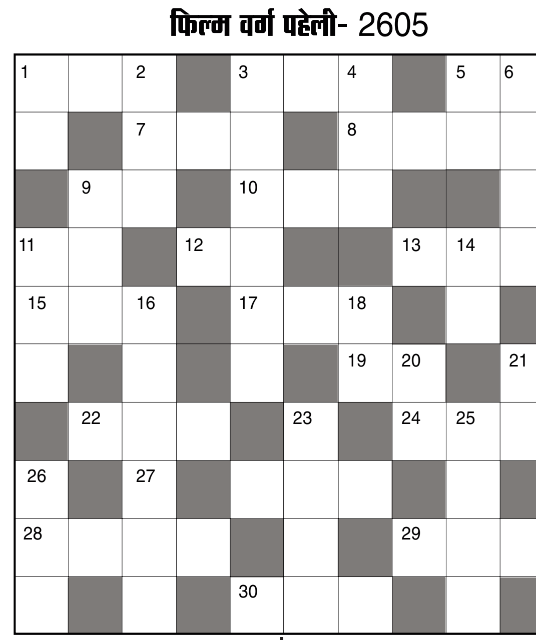

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2604

सूडोकु -2605

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2604 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2605

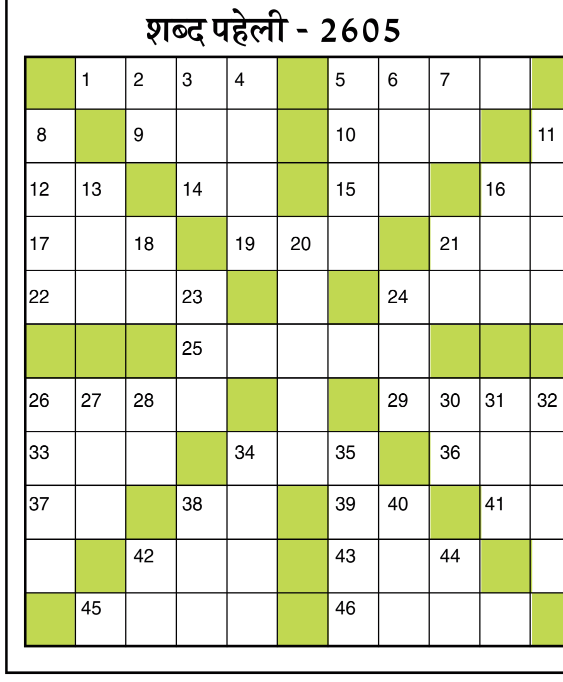

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -2604 का हल

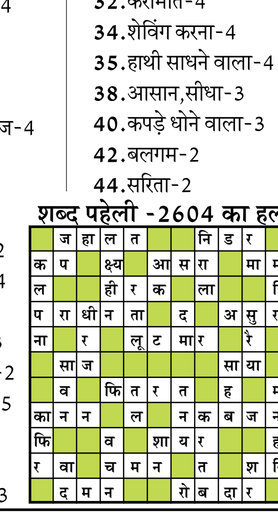

केंद्र ने दी 57 केंद्रीय विद्यालयों के निर्माण को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने देश में 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने की मंजूरी दे दी। इन विद्यालयों का निर्माण अगले 9 वर्षों में 5862.55 करोड़ रुपये की लागत से होगा। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि कुल लागत में लगभग 2585.52 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय और 3277.03 करोड़ परिचालन व्यय शामिल हैं। पहली बार इन केंद्रीय विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत 3 वर्ष की बालवाटिका (पूर्व-प्राथमिक) कक्षा संचालित करने की अनुमति दी गई है। इन 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में से 20 ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है जहां अभी कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है। इसके अलावा, 14 विद्यालय आकांक्षी जिलों, 4 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों और 5 पूर्वोत्तर तथा पहाड़ी क्षेत्रों में प्रस्तावित हैं। इन विद्यालयों में लगभग 1,520 छात्रों की क्षमता वाले प्रत्येक विद्यालय के संचालन करने के लिए संगठन के मानदंडों के अनुसार पद भी सृजित किए जाएंगे। इससे कुल 86,640 छात्रों को लाभ मिलेगा और 4,617 प्रत्यक्ष स्थायी रोजगार सृजित होंगे।

असम में एनएच-715 होगा चार लेन, काजीरंगा में बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 (पूर्व में एनएच-37) के कलियाबोर-नुमालीगढ़ खंड को चार लेन करने की परियोजना को मंजूरी दे दी। यह परियोजना 85.675 किलोमीटर लंबे खंड पर लागू होगी। इसकी कुल लागत 6,957 करोड़ रुपये तय की गई है। निर्माण कार्य इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि इस परियोजना में जानवरों का सुरक्षित आवागमन के लिए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) से गुजरने वाले मार्ग पर वन्यजीवों के लिए अनुकूल लगभग 34.45 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, 30.22 किलोमीटर मौजूदा सड़क को दो लेन से चार लेन में परिवर्तित किया जाएगा और 11.5 किलोमीटर जाखलाबंधा बाईपास तथा 9.5 किलोमीटर बोकाखाट ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण किया जाएगा। यह सड़क एनएच-127, एनएच-129 और राज्य राजमार्ग-35, तीन हवाई अड्डे (तेजपुर, लखीमपुर, जोरहाट) और तीन रेलवे स्टेशन (नगांव, जागीरोड, बिश्वनाथ चारियाली) जैसी कई अहम जगहों को जोड़ेगी।

बहराइच में दो लड़कों की हत्या के बाद किसान ने परिवार संग लगाई आग, छह लोगों की मौत, चार मवेशी भी मरे

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में एक किसान ने दो किशोरों की गड़ासे से काटकर हत्या करने के बाद अपने पत्नी औरदो बच्चियों के साथ घर में आग लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा चार मवेशी भी जल कर मर गये हैं। फायर बिग्रेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, एसपी आरएन सिंह, उपजिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी और क्षेत्राधिकारी महसी अन्य फोर्स के साथ मौके पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। देवी पाटन मंडल के डीआईजी अमित पाठक ने भी मौका मुआयना किया। एसपी आरएन सिंह ने बताया कि रामगांव थाना क्षेत्र के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में रहने वाला किसान विजय मौर्य किसानी करके पत्नी और दो बेटियो का पालन पोषण करता था। विजय के बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। और उसके दो बड़े भाईयों से पटरी न खाने से वह अलग परिवार संग रह रहा था। एसपी ने बताया कि छानबीन के दौरान पता चला है कि किसान विजय गांव के तीन लड़कों सूरज यादव (14) और सनी वर्मा (13) और किशन को लहसुन कटवाने के लिए बुलाकर लाया था। तीनों ने एक घंटे तक लहसून काटा। इसके बाद उसने किशन को पेड़ की डाल काटने के लिए दूसरी जगह भेज दिया। इसके बाद विजय ने पहले सूरज और सनी की गड़ासे से काटकर हत्या कर दी। फिर वह पत्नी और बेटियों को लेकर दूसरे कमरे में चला गया और अपने मवेशी भी साथ में ले गया।

हिमाचल प्रदेश में टैक्सों का बोझ बढ़ा रही कांग्रेस सरकार : जे.पी. नड्डा

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जब पूरे देश में नवरात्र और दशहरे के पावन पर्व पर श्रद्धा और उल्लास का माहौल है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाया जा रहा है। इस उत्सव के तहत आम लोगों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में भारी राहत दी गई है, जिससे जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। नड्डा ने एक बयान में कहा कि विशेष रूप से प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश के लिए केंद्र सरकार ने राहत स्वरूप सीमेंट पर जीएसटी घटाकर 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत कर दी, जिससे प्रति बोरी सीमेंट की कीमत में लगभग 30 रुपये की कमी आई। लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस राहत का लाभ जनता तक नहीं पहुंचने दिया और इसके उलट सीमेंट पर 'एंटी डंपिंग ड्यूटी' के नाम पर 16 रुपये प्रति बोरी का अतिरिक्त टैक्स वसूलना शुरू कर दिया।

समाज में परिवर्तन लाने के लिए घर-घर जाएं स्वयंसेवकः दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि संगठित शक्ति के बल पर भारत को परमवैभव की ओर ले जाने और स्वा के आधार पर भारत को खड़ा करने के साथ समाज में परिवर्तन लाने के लिए वे घर घर जाएं। राष्ट्र के नव निर्माण के लिये एक नया उमंग व उल्लास पैदा करें। यही संघ की अभिलाषा है। संघ के सरकार्यवाह होसबाले गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन के प्रेक्षागृह में राष्ट्रधर्म (मासिक) पत्रिका के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष पर प्रकाशित विशेषांक का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि समाज में जागृति लाने के लिए राष्ट्रधर्म की

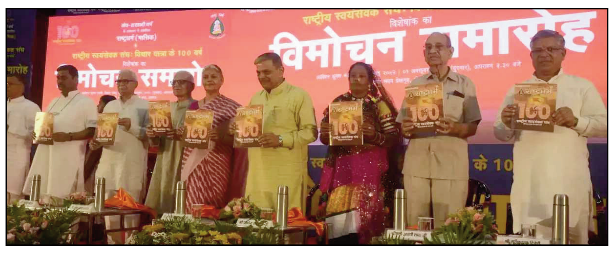

शुरुआत हुई। आजादी के बाद भारत की राष्ट्रीयता को हिन्दुत्व को जीवन के हर क्षेत्र में कैसे क्रियान्वित हो सकता है। होसबाले ने कहा कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा आसान नहीं थी। संघ पर प्रतिबंध भी लगा। संघ कार्यकर्ताओं को कष्ट भी उठाना पड़ा। देश दुनिया में आज संघ की सराहना हो रही है। पत्र पत्रिकाओं में लेख आ रहे हैं। इसलिए जिन लोगों ने कार्यकर्ताओं को सहयोग वा समय दिया उनके प्रति आभार व्यक्त करें। सरकार्यवाह ने कहा कि भारत धर्म भूमि है। किसी भी देश का संकट हमारा संकट है। प्रकृति का उपयोग होना चाहिए, उपभोग नहीं। समाज को परस्पर स्नेह वा आत्मीयता से संगठित करना है। समाज का दर्द हमारा दर्द है। भारत के विचार को हर क्षेत्र में स्वीकार करना। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष विनोद सोलंकी ने कहा कि आज हम शताब्दी वर्ष के साक्षी बन रहे हैं। राष्ट्रधर्म के बारे में जब हम विद्यार्थी के रूप में इसके ध्येय पर चिंतन करते हैं तो यह स्मरण आता है कि यह यात्रा 1895 में स्वामी विवेकानन्द ने ब्रह्मवादिनी की रूप में शुरू की। भारत भूमि योग भूमि है। ऋषियों की तपस्थली है। जब देश परतंत्र था, तब भी भारत की आत्मा काम कर रही थी।

अन्नपूर्णा देवी ने की स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान 5.0 की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने अपने सभी स्वायत्त निकायों में 2 से 31 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता में सुधार और लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष अभियान 5.0 को लागू करने के लिए योजनाएं तैयार कर ली हैं। इस संबंध में जारी केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार विशेष अभियान 5.0 के प्रारंभिक चरण के संबंध में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक बैठक की। उन्होंने स्वच्छता ही सेवा - 2025 के अंतर्गत की जा रही स्वच्छता गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने शास्त्री भवन मंत्रालय के कार्यालय परिसर का दौरा किया और अधिकारियों को विशेष

अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया ताकि सांसदों के संदर्भ, राज्य सरकार के संदर्भ, अंतर-मंत्रालयी संदर्भ, संसदीय मामले, प्रधानमंत्री कार्यालय के संदर्भ, लोक शिकायत से जुड़े लंबित मामलों को कम किया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा रिकॉर्डिंग, समीक्षा और छंटाई के लिए लंबित सभी भौतिक और ई-फाइलों की जांच के भी निर्देश दिया। उन्होंने स्वच्छता को दैनिक जीवन में अपनाने पर भी जोर दिया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए महिलाओं को प्रेरित करने के लिए शास्त्री भवन स्थित कार्यालय परिसर का दौरा किया।

दिल्ली सरकार कोरोना में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों को देगी एक करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी पर जान गंवाने वाले अपने कर्मचारियों के परिवार को एक करोड़ रुपये अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'कोविड ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले प्रत्येक कर्मचारी के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। सरकार जल्द ही 10 कर्मियों के परिजनों को यह अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार यह सतत प्रक्रिया है और इसके लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की समिति लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान दिल्ली सरकार के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मियों, शिक्षकों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर, निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा की। जब पूरा विश्व महामारी के भय से ठहर गया था, तब ये कर्मचारी दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे, ताकि लोगों तक स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवश्यक सेवाएं आदि बिना रुके पहुंचती रहें।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कर्मवीरों का योगदान दिल्ली के इतिहास के सबसे निःस्वार्थ और प्रेरणादायी अध्यायों में दर्ज किया जाएगा। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि वर्ष 2020-2021 में कोविड-

19 ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की लंबित अनुग्रह राशि को स्वीकृत कर जारी कर दिया जाए। जल्द ही यह राशि उन सभी 10 कर्मचारियों की असाधारण सेवाओं की मान्यता के रूप में दी जाएगी, जिन्होंने महामारी के सबसे कठिन समय में समाज के लिए अपने जीवन की परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस मसले को लेकर हमारी सरकार काफी गंभीर थी, क्योंकि पिछली सरकार ने इसको लेकर बातें तो बहुत की, लेकिन जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखाई। उसने तो प्रचार को ही फोकस किया। मुख्यमंत्री के अनुसार यह खेद का विषय यह भी है कि सम्मान और आभार का प्रतीक अनुग्रह राशि को को लगभग पांच वर्षों तक प्रक्रियागत अड़चनों और अन्य कारणों से रोका गया। लेकिन यह देरी कर्मचारियों की सेवाओं के मूल्य को कम नहीं कर सकती। हमारी सरकार पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त करती है। हमारी सरकार उन सभी कर्मचारियों को यह अनुग्रह राशि प्रदान करेगी, जिनका जीवन कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गया। चूंकि यह मामला हमारे ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों का है, इसलिए हमने ग्रुप ऑफ मिनिस्टर का गठन किया है, जिसमें कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिला मिश्रा, डॉ. पंकज कुमार सिंह शामिल हैं। इस जीओएम के साथ रिलीफ ब्रांच के दो वरिष्ठ अधिकारी डिविजन कमिश्नर नीरज सेमवाल व डीएम अमोल श्रीवास्तव शामिल हैं।

केंद्र ने दी राष्ट्रीय दलहन मिशन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और दालों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह मिशन 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि में 11,440 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दालों का विशेष महत्व है। देश दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के साथ दालों की खपत में वृद्धि हुई है, लेकिन घरेलू उत्पादन, मांग के अनुरूप नहीं रहा है जिसके कारण दालों के आयात में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, आयात निर्भरता को कम करने, बढ़ती मांग को पूरा करने, अधिकतम उत्पादन करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में छह-वर्षीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की घोषणा की गई थी। यह मिशन अनुसंधान, बीज प्रणालियों, क्षेत्र विस्तार, खरीद और मूल्य स्थिरता को शामिल करते हुए एक व्यापक रणनीति अपनाएगा। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत दालों की नवीनतम किस्मों के विकास और प्रसार पर ज़ोर दिया जाएगा जो उच्च उत्पादकता वाली, कीट-प्रतिरोधी और जलवायु-प्रतिरोधी हों। क्षेत्रीय उपयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों में बहु-स्थानीय परीक्षण किए जाएंगे।इसके अतिरिक्त राज्य उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पंचवर्षीय चक्रीय बीज उत्पादन योजनाएं तैयार करेंगे। उन्नत किस्मों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए, 2030-31 तक 370 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए दलहन उत्पादक किसानों को 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे। मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम, कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन, संतुलित उर्वरक उपयोग, पौध संरक्षण और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधार परिषद, केवीके और राज्य विभागों के व्यापक प्रदर्शनों के समन्वय से इसे पूरक बनाया जाएगा। मिशन का उद्देश्य चावल की परती भूमि

और अन्य विविधीकरण योग्य भूमि को लक्षित करके दलहन के अंतर्गत अतिरिक्त 35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तार करना है, जिसका समर्थन अंतर-फसलीय खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के जरिये किया जाएगा।

बरेली में बेगुनाह मुसलमानों पर अत्याचार का आरोप, आला हजरत खानदान ने दी आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली/बरेली। बरेली में 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर विवाद और उसके बाद हुए बवाल को लेकर आला हजरत खानदान ने पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई पर असंतोष वयक्त किया। बरेली के साथ-साथ देश की बड़ी दरगाहों में मानी जाने वाली दरगाह आला हजरत, खानकाह ताजुश्शरिया और खानकाह आलिया रजविया के पदाधिकारियों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि बेगुनाह मुसलमानों को निशाना बनाकर सामूहिक सजा दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे ठोस कदम उठाने को मजबूर होंगे। दरगाह आला हजरत के प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खां के नबीर-ए- मौलाना तौसीफ रजा खां ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि बरेली सुन्नी मुसलमानों का केंद्र है। 26 सितंबर को तौकीर मियां के नेतृत्व में केवल ज्ञापन देने की योजना थी, लेकिन पुलिस ने हालात बिगाड़ दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि निहत्थे लोगों को ज्ञापन देने से रोकना गलत था। मौलाना तौसीफ ने दावा किया कि बरेली शरीफ में पथराव मुसलमानों ने नहीं, बल्कि एक षडयंत्र के तहत कराया गया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि इंदिरा मार्केट के पास एक इमारत की छत से कुछ लोग मुसलमानों और पुलिस पर पथराव कर रहे थे। इसके बावजूद, पुलिस ने पूरे समुदाय को कठघरे में खड़ा कर दिया। आला हजरत खानदान ने पुलिस पर बेगुनाहों को गिरफ्तार करने, थानों में मारपीट करने और खाने-पीने से वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं और बच्चों के साथ भी दुर्व्यवहार किया जा रहा है। मस्जिदों के इमामों का उत्पीड़न और बेगुनाहों के घरों पर बुलडोजर

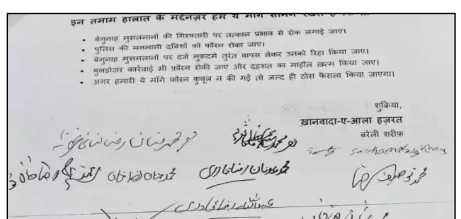
- बेगुनाह मुसलमानों की गिरफ्तारी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।
- पुलिस की मनमानी दबिशों को फौरन रोका जाए।
- बेगुनाह मुसलमानों पर दर्ज मुकदमे तुरंत वापस लेकर उनको रिहा किया जाए।
- बुलडोज़र कार्रवाई भी फौरन रोकी जाए और दहशत का माहौल खत्म किया जाए।
- अगर हमारी ये मांगे फौरन कुबूल न की गई तो जल्द ही ठोस फैसला किया जाएगा।

शुक्रिया,
खानवादा-ए-आला हज़रत
बरेली शरीफ

चलाकर परिवारों को बेघर करने की कार्रवाई को गैरकानूनी और अमानवीय बताया। खानदान ने मांग की कि बेगुनाहों की गिरफ्तारी रोकी जाए, झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं और बुलडोजर कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार और प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लेता तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मुद्दे पर खानदान-ए-आला हजरत पूरी तरह एकजुट दिखा। बयान के समर्थन में मौलाना सुब्हान रजा खां, काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती असजद रजा खां कादरी, सज्जादानशीन मुफ्ती अहसान रजा खां कादरी, मौलाना मन्नान रजा खां, मौलाना अंजुम रजा खां, मौलाना सिराज मियां, मौलाना अदनान रजा कादरी, मौलाना अब्दुल्ला रजा कादरी, मौलाना हन्नान रजा खां और इकान रजा खां सहित सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर किए।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने त्योहारों के मद्देनजर अपने 3 अक्टूबर के भारत बंद को किया स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर अपने पहले से निर्धारित 3 अक्टूबर के भारत बंद को स्थगित करने की घोषणा की है। बोर्ड ने यह फैसला हिंदू भाइयों के धार्मिक त्योहारों के मद्देनजर लिया है। इसके साथ बोर्ड ने भारत बंद की नई तिथियों की घोषणा जल्द किए जाने की जानकारी दी है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलियास ने बताया कि भारत बंद की तारीखों पर ही देश के कुछ राज्यों में इन्हीं तिथियों हमारे हमवतन भाइयों के धार्मिक त्योहार आयोजित हो रहे हैं। इस कारण मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में बोर्ड के पदाधिकारियों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉबोर्ड के अध्यक्ष के अलावा महासचिव मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, प्रवक्ता एवं तहफ़्फ़ुज़-ए-औक़ाफ़ अभियान के राष्ट्रीय संयोजक बैठक में सभी परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि 3 अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बंद को फिलहाल स्थगित किया जाए। इसलिए 3 अक्टूबर का भारत बंद स्थगित किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वक्फ संशोधित विधेयक को लेकर प्रस्तावित भारत बंद की नई तिथियों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। वक्फ़ संशोधन कानून के खिलाफ़ बोर्ड का विरोध आंदोलन पूर्ववत जारी रहेगा और सभी कार्यक्रम निर्धारित तिथियों के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

देश के पहले 3डी कंक्रीट प्रिंटेड ग्रामीण आवास का उद्घाटन

एजेंसी

हरिद्वार। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पी. चन्द्र शेखर ने आज केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की में देश का पहला 3डी कंक्रीट प्रिंटेड ग्रामीण आवास का उद्घाटन किया। वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और हितधारकों को संबोधित करते हुए डॉ. पेम्मासानी चन्द्र शेखर ने कहा कि कच्ची दीवारों से 3डी प्रिंटिंग तक, भारत ने सभी के लिए सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ घर उपलब्ध कराने की अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। ये 3डी प्रिंटेड घर केवल तकनीक नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे भविष्य का प्रतीक हैं, जहां आवास सस्ता, अनुकूलनशील और पर्यावरण अनुकूल होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए डॉ. शेखर ने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 3.85 करोड़ मकान स्वीकृत हुए हैं और 2.87 करोड़ पूरे हो चुके हैं। स्वतंत्र आकलनों से यह भी सामने आया है कि ग्रामीण परिवारों की आय में 17फीसदी की वृद्धि हुई है, अस्पताल जाने के मामलों में 14फीसदी की कमी आई है और 72फीसदी घर महिलाओं के नाम पर हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण और पारिवारिक कल्याण को मजबूती मिली है।सीबीआरआई के योगदान

की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान ने 250 क्षेत्र-विशिष्ट आपदा-रोधी आवासीय डिज़ाइन तैयार किए हैं। इसके अतिरिक्त, गैर-क्षरणशील मिट्टी का पलस्तर, कम लागत वाली मजबूती तकनीकें और दो-गड्ढा शौचालय प्रणाली जैसे नवाचारों ने पाँच करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गरिमापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाया है। इस अवसर पर उन्होंने 'रुद्राक्ष - उत्तराखंड में ग्रामीण आवास' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया, जिसमें उत्तराखंड राज्य की सांस्कृतिक रूप से जुड़ी, टिकाऊ और जलवायु - संवेदनशील आवासीय परंपराओं का संकलन है। उन्होंने कहा फीसदीविकास केवल मकान बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे घर बनाने के बारे में है जो रोशनी, गरिमा और आत्मनिर्भरता से भरे हों।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय कुमार केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय कुमार को केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के नए सचिव नियुक्त किया गया है। वे टीके रामचंद्रन की जगह लेंगे, जो 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं। विजय कुमार 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर दी गई जानकारी के अनुसार उन्होंने आज पदभार संभाल लिया। मंत्रालय ने उन्हें एक्स पर बधाई दी। मंत्रालय ने कहा कि विजय कुमार अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता से मंत्रालय की चल रहीं योजनाओं और पहलों का मार्गदर्शन करेंगे। इसके अलावा मंत्रालय ने पूर्व सचिव टीके रामचंद्रन को विदाई दी और उनके कार्यकाल के दौरान किए गए योगदान की सराहना की। मंत्रालय ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत के समुद्री क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गईं।

भुज में सैनिकों के साथ 'बड़ाखाना' में शामिल हुए रक्षा मंत्री, साथ खाया खाना

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संध्या पर गुजरात के भुज में सशस्त्र बलों के जवानों के साथ पारंपरिक बड़ाखाना में शामिल हुए। उन्होंने दुनिया के तेजी से बदलते स्वरूप और दिन-प्रतिदिन उभरती जटिल चुनौतियों पर प्रकाश डाला। राजनाथ सिंह ने कहा कि बदलाव के इस युग में कुछ समय पहले आधुनिक यानी जाने वाली तकनीक तेजी से पुरानी होती जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हर साल की तरह इस बार जवानों के साथ दशहरा पर्व मनाने के लिए आज शाम को गुजरात के भुज मिलिट्री स्टेशन पर पहुंचे हैं। पूर्व संध्या पर जवानों के साथ सामूहिक भोज (बड़ा खाना) में शामिल होकर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि बड़ाखाना सामूहिक भोजन के साथ-साथ भावनात्मक बंधन का भी प्रतीक है। यह हमारे सशस्त्र बलों की वह सुन्दर परंपरा है, जहां हैसियत, पद या वर्दी का कोई भेद नहीं रहता। सब एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा हमें सिखाती है कि हम सब एक परिवार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक

तरफ पारंपरिक ख़तरे अब भी मौजूद हैं, तो दूसरी ओर आतंकवाद, साइबर हमले, ड्रोन युद्ध और सूचना युद्ध जैसी नई चुनौतियों ने बहुआयामी जोखिम बढ़ा दिए हैं। रक्षा मंत्री ने सैनिकों से नई तकनीक अपनाने, प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने और हर चुनौती के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। आज की दुनिया में वही सेना अजेय है, जो निरंतर सीखती है और नई चुनौतियों के अनुकूल खुद को ढालती है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता के साथ भारत जल्द ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक का घर होगा उन्होंने सैनिकों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके कल्याण, सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, पूर्व सैनिकों के सम्मान और सैनिकों के परिवारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना हमारे सैनिकों के कंधों पर टिका है। उनके समर्पण और बलिदान से ही यह सपना हर दिन साकार हो रहा है। 21वीं सदी को भारत का युग बताते हुए राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता के साथ भारत जल्द ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक होगा। र

जनाथ सिंह ने भुज और कच्छ की धरती को श्रद्धांजलि अर्पित की और इसे केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि एक भावना और साहस की गाथा बताया। 1971 के युद्ध और 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान प्रदर्शित वीरता और 2001 के भूकंप के बाद दिखाए गए लचीलेपन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि भुज राख से उठ खड़े होने वाले पौराणिक फीनिक्स पक्षी की भावना का उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि कच्छ की धरती अपने लोगों और सैनिकों की वीरता और अदम्य साहस से ओतप्रोत है।

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने करूर हादसे को लेकर मुख्यमंत्री स्टालिन से पूछे 12 प्रश्न

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में हुई भगदड़ मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से 12 प्रश्न पूछे हैं। राजनीतिक रैली के दौरान हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गयी है, जबकि सौ से ज्यादा लोग घायल है, जनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, कल हमने भाजपा द्वारा गठित समिति, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद शामिल थे, के साथ करूर भगदड़ के पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे बात की। प्रत्येक पीड़ित की आवाज़ ने हमारे मन पर जो प्रभाव डाला है, उसे शब्दों में बयां करना असंभव है। इस मुद्दे पर गहन चर्चा और स्पष्ट रूप से समझने के बाद मैं अपने मन में उठे प्रश्नों को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के समक्ष रखना चाहूंगा।नैनार नागेंद्रन मुख्यमंत्री स्टालिन से पूछा कि करूर बस स्टैंड गोलचक्कर केवल मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के लिए ही क्यों आरक्षित था, अन्य दलों के लिए क्यों नहीं? वीडियो में विजय पर जूते फेंके जा रहे हैं और वहां एकत्रित कार्यकर्ताओं पर लाठियां बरसाई जा रही हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी दावा किया कि उन्हें चाकू मारा गया था। इनके अलावा, भगदड़ का कारण क्या है? मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सिर्फ़ करूर पर ही विशेष ध्यान क्यों दे रहे हैं? जबकि उनका कल्लाकुरिची में अवैध शराब से मारे गए लोगों, वेंगईवायल मामले, मरीना विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों और 25 हवालातियों की मौत में कोई हाथ नहीं है? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पूछा कि मैं उन करोड़ों लोगों में से एक हूं, जिन्हें द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के लोगों के भावनात्मक नाटक पर शक है। भगदड़ के बाद द्रमुक सरकार ने सच्चाई छिपाने के लिए इतनी जल्दी क्यों की? द्रमुक सरकार 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके और पत्रकार फ़ेलिक्स समेत चार लोगों को गिरफ्तार करके लोगों के बीच उठने वाले सभी सवालों और शंकाओं को दूर करने में इतनी जल्दी क्यों कर रही है?

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर रचा इतिहास

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में करारी शिकस्त देकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। ब्रिसबेन में खेले गए दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने पारी और 58 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। वनडे सीरीज में कंगारुओं का सूपड़ा साफ करने के बाद टेस्ट सीरीज की शुरुआत भी भारतीय युवा खिलाड़ियों ने शानदार अंदाज में की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 243 रन पर सिमट गई। दीपेश देववर्धन ने कहर बरपाते हुए 5 विकेट अपने नाम किए जबकि किशन कुमार ने 3 बल्लेबाजों को चलता किया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने मैच को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी अंदाज में शतक ठोकते हुए सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने सिर्फ 86 गेंदों में 9 चौके और 8 छक्कों की मदद से सेंचुरी पूरी की और 131 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 131 रनों की लाजवाब पारी खेली। उनके साथ वेदांत त्रिवेदी ने भी जिम्मेदारी दिखाते हुए 140 रनों की पारी खेली। दोनों की बल्लेबाजी के दम पर भारत ने पहली पारी में 428 रन बनाकर विशाल स्कोर खड़ा कर लिया।

पहली पारी के आधार पर भारत को 185 रन की बढ़त मिली और दबाव में आई मेजबान टीम दूसरी पारी में पूरी तरह बिखर गई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज 127 रन ही जोड़ पाए और भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर अपना जलवा दिखाया। दीपेश ने दूसरी पारी में भी 16 रन देकर 3 विकेट झटके और मैच में कुल 8 विकेट अपने नाम किए। किशन कुमार ने भी 2 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस तरह भारतीय अंडर-19 टीम ने मेजबान को हर पहलू में मात देकर सीरीज में बढ़त बना ली और एक बार फिर यह साबित किया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ट्रॉफी पर, इंग्लैंड शुरुआती लय हासिल करने की कोशिश में

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी तो उसकी कोशिश पिछले कुछ वर्षों की प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने के साथ खिताब के सपने को साकार करने के लिए अच्छी शुरुआत करने की होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले दो वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है और हाल के दोनों टी20 विश्व कप में उपविजेता रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों को हराने के आत्मविश्वास से लबरेज होकर इस विश्व कप उतर रही हैं। टीम की बल्लेबाजी की कमान शानदार लय में चल रही लौरा वोलवार्ट और ताजमिन बिट्स संभालेंगी जबकि दिग्गज मारिजन कप्प गेंद और बल्ले दोनों से असरदार रहीं हैं। अनुभवी सूने लूस, क्लो ट्रायन और युवा खिलाड़ी नाडीन डे क्लार्क और नंदुमिसो शांगेसे टीम में मजबूत विकल्प पेश करते हैं।

टीम की वोलवार्ट और ब्रिट्स की सलामी जोड़ी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता चिंता का विषय हो सकती है। भारत और कोलंबो की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के मुफीद होंगी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक कमजोर कड़ी मानी जा रही है। नॉनकुलेको म्लाबा स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगी और उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। लूस, ट्रायन और शांगेसे में शानदार खिलाड़ी है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है।

इंग्लैंड की टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और उनका हालिया प्रदर्शन भी मजबूत नहीं रहा है। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 1-2 की हार ने उनकी कई कमजोरियों को उजागर किया। इस श्रृंखला में टीम की गेंदबाजी असरहीन दिखी और बल्लेबाजी पूरी तरह नेट सिवर-ब्रंट पर निर्भर रही।

टीम दबाव में बिखरती दिखीं ऐसे उसकी कोशिश टूर्नामेंट की शुरुआत से ही लय पकड़ने की होगी। हीदर नाइट और डैनी वायट-हॉज की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आई है जबकि एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, और सोफिया डंकली जैसी बल्लेबाजों को भारतीय पिचें रास आती है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा हथियार है उसकी स्पिन गेंदबाजी है। विश्व नंबर एक सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, चार्ली डीन, और शानदार लय में चल रही लिंसी स्मिथ की चौकड़ी टीम को खतरनाक बनाती है। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, और एम एम अरलॉट तेज गेंदबाजी में मोर्चा संभालेंगी।

टीमें

इंग्लैंड –नेट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एम अरलॉट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्से स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका –लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

अपोलो टायर्स के साथ नई जर्सी में उतरी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में आज से एक नए दौर की शुरुआत हो गई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ का पहला मुकाबला अहमदाबाद में खेला जा रहा है, जहां टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आई। इस जर्सी पर अब अपोलो टायर्स का लोगो चमक रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अपोलो टायर्स के साथ 579 करोड़ की डील की है, जो मार्च 2028 तक जारी रहेगी। इस डील के तहत अगले ढाई साल तक टीम इंडिया की जर्सी पर अपोलो टायर्स स्पॉन्सर रहेगा। यह बदलाव ड्रीम-11 के बीच में स्पॉन्सरशिप छोड़ने के बाद हुआ है, क्योंकि देश में फेंटेसी बेटिंग एप पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

वहीं मैच की बात करें तो शुरुआत में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि टीम दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरी है। खास बात यह रही कि नीतीश कुमार रेड्डी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ खेल रही है।

यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट के लिहाज से ऐतिहासिक भी है। यह पहला टेस्ट है जो रविचंद्रन अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद घरेलू मैदान पर खेला जा रहा है। पिछली बार भारत ने इन खिलाड़ियों के बिना नवंबर में घरेलू सीरीज़ में हिस्सा लिया था। अहमदाबाद का यह टेस्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसे भारतीय क्रिकेट के नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, जहां नई कप्तानी, नई जर्सी और नई सोच के साथ टीम आगे बढ़ रही है। अब क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम इंडिया कैसी शुरुआत करती है और क्या वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ इस नए युग का आगाज़ धमाकेदार ढंग से होता है।

शिखर धवन ने खोले विराट से दोस्ती के कई राज

– गुस्से से जुड़ी यादों से मजबूत बंधन तक

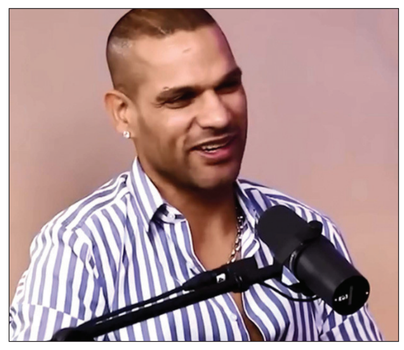

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया में भाईचारे और दोस्ती के कई किस्से लोकप्रिय हैं, लेकिन इन सब में विराट कोहली और शिखर धवन का बंधन हमेशा ही खास माना जाता है। मैदान पर मस्ती और हंसी-मजाक करने वाले दोनों खिलाड़ी कभी-कभी तीखे मोड़ भी झेल चुके हैं। हाल ही में शिखर धवन ने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि उनके और कोहली के बीच कभी-कभी गुस्से की स्थिति बन गई थी, जो दर्शकों को जानकर हैरान कर सकती है। धवन ने बताया कि यह झगड़ा टीम इंडिया के वार्म-अप सेशन के दौरान फुटबॉल खेलते समय हुआ। उनका कंधा विराट के कंधे से टकरा गया और दोनों के बीच थोड़ी देर के लिए गुस्से का माहौल बन गया। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर स्वभाव से ही आक्रामक होते हैं और कभी-कभी छोटी-सी घटना भी भावनाओं को उबाल देती है। इस घटना के बाद टीम ने वार्म-अप में फुटबॉल खेलना ही बंद कर दिया, क्योंकि अक्सर खिलाड़ी भिड़ जाते थे और मैदान पर तनाव बढ़ जाता था।

धवन ने एक और किस्सा साझा करते हुए कहा कि जब दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान विराट ने उन्हें रन आउट किया। उस समय उनकी आईपीएल नीलामी भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई थी, जिससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। धवन ने बताया कि उन्होंने खूब गालियां दी और अपना गुस्सा ड्रेसिंग रूम में निकाल दिया। हालांकि दोनों जानते थे कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था और इसे खेल का हिस्सा माना गया।

धवन ने स्पष्ट किया कि इन झगड़ों का उनके दोस्ती पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे झगड़े खेल का हिस्सा हैं और असल में दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। मैदान पर हुए छोटे-मोटे विवाद ने उनकी दोस्ती को और मजबूत बनाया। यह साबित करता है कि क्रिकेट में रिश्तों की अहमियत और भावनाओं की गहराई कितनी बड़ी होती है।

शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है, जबकि विराट कोहली अब केवल वनडे क्रिकेट खेलेंगे। दोनों की जोड़ी ने भारतीय क्रिकेट को कई यादगार लम्हे दिए हैं, चाहे वह आईसीसी टूर्नामेंट हों या आईपीएल के रोमांचक मुकाबले। मैदान पर गुस्से और झगड़े के बावजूद दोनों का बंधन मजबूत रहा और यह उनके फैंस के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। इस दोस्ती की कहानी दिखाती है कि क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावनाओं और आपसी समझ का भी खेल है।

'भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी', भारत-पाक मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कसा तंज

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद एक और रोमांचक भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए मंच तैयार है। महिला विश्व कप 2025 शुरू हो चुका है और दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। 5 अक्टूबर को भारतीय महिला टीम पाकिस्तान महिला टीम से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है और रोमांच फिर से आसमान छू रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज रीमा मल्होत्रा के ग्रीन वीमेन पर कटाक्ष ने इस प्रतिद्वंद्विता को और भी रोमांचक बना दिया।

हाल ही में सीमा पार का तनाव क्रिकेट के मैदान पर भी छाया रहा क्योंकि पूरे क्रिकेट जगत ने एशिया कप 2025 के बड़े मंच पर भारत-पाकिस्तान के बीच नाटकीय मुकाबलों को देखा। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया, भारतीय महिला टीम कमान संभालने के लिए तैयार है। अब, दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें 5 अक्टूबर को महिला विश्व कप में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान महिलाओं के अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आंकड़े हैरान करने वाले रहे हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक भारतीय महिलाओं के खिलाफ अपनी पहली एकदिवसीय जीत दर्ज नहीं की है। जैसे-जैसे यह हाई-वोल्टेज मुकाबला नजदीक आ रहा है, उत्साह बढ़ता जा रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा ??ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत के दौरान पड़ोसियों पर कटाक्ष करके इस प्रतिद्वंद्विता में तड़का लगा दिया।

रीमा ने कहा, 'भारत ने 11 में से 11 मैच जीते हैं। 5 तारीख को आप बोलेंगे 12 में से 12 मैच भी भारत ने जीते हैं। मैंने एक कहानी बताई थी ना, 'क्यों पड़े हो चक्कर में, कोई नहीं है टक्कर में?' पाकिस्तान टक्कर में नहीं हो सकता।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर पाकिस्तान टीम को देखेंगे 1 या 2 मैच विनर नजर आएंगे। भारतीय टीम को देखेंगे तो टॉप 5 विकेट गिराने के बाद भी, जिस तरह से मैच जीता है, मैच विनर्स की संख्या नजर आती है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान को अगर भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी। भारत होने नहीं देगी।

आरसीबी को खरीद सकती है पूनावाला की डियाजियो

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र 2025 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मालिकाना अधिकार बदल सकता है। अगले सत्र से पहले आरसीबी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को डियाजियो पीएलसी खरीद सकती है। डियाजियो सीरीज इंस्टीटयूट के सीईओ अदार पूनावाला के समूह से जुड़ी है। आधिकारिक तौर पर अभी इस बारे में हालांकि किसी की भी ओर से कोई बयान नहीं आया है। अभी ये भी पक्का नहीं है कि डियाजियो पीएलसी आरसीबी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है या नहीं। डियाजियो पीएलसी मूल रुप से यूनाइटेड स्पिरिट्स की कंपनी है। एक रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी को खरीदने के लिए अन्य इच्छुक पक्षों के अलावा पूनावाला सबसे अधिक उत्साहित हैं। आरसीबी का मूल्यांकन लगभग 2 बिलियन डॉलर में करने की उम्मीद कर रही है। यहां तक ??कि व्यावसायिक मूल्य के मामले में भी, आरसीबी इस वर्ष शीर्ष स्थान पर थी। इससे पहले फरवरी में टोरेंट समूह ने अपनी होल्डिंग कंपनी टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स के जरिये निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स से गुजरात टाइटन्स (जीटी) में 67 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इस सौदे का मूल्य लगभग 5,000 करोड़ रुपये था, जिसमें जीटी का मूल्यांकन लगभग 7,453 करोड़ रुपये था। हालांकि, आरसीबी कीमत साढ़े 17 हजार करोड़ के आसपास है। इस तरह यह आईपीएल का अब तक का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

मुलर 35वां खिताब जीतकर जर्मनी के सबसे सफल खिलाड़ी बने

बर्लिन (एजेंसी)। वैंकूवर व्हाइटकैप्स के स्ट्राइकर थॉमस मुलर ने कहा कि अपने करियर का 35वां खिताब जीतने के बाद से उनके फोन की घंटी बजती ही रही है, जिससे वह जर्मन फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी बन गए हैं। दोस्तों, पूर्व साथियों और रिश्तेदारों ने 36 वर्षीय इस खिलाड़ी को बधाई देने के लिए फोन किए, जिन्होंने बायर्न म्यूनिख के अपने पूर्व साथी टोनी क्रूस (34 खिताब जीतने वाले) को पीछे छोड़ दिया। दोनों ने 2014 फीफा विश्व कप साथ मिलकर जीता था।

मुलर को सबसे हालिया उपलब्धि कैनेडियन चैंपियनशिप के साथ मिली, जब व्हाइटकैप्स ने फाइनल में वैंकूवर एफसी को 4-2 से हराकर कॉनकाकाफ चैंपियंस लीग में जगह पक्की की। उन्होंने अपने करियर का 300वां गोल भी किया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल पेनल्टी में बदला। इसके बाद, उन्होंने सुनहरे '300' से सजा एक छोटा सा केक भेंट करके इस उपलब्धि का जश्न मनाया। 13 सितंबर को अपने जन्मदिन के कुछ ही हफ्ते बाद, मुलर ने मज़ाक में कहा कि अपने माता-पिता से मिलने के दौरान, 'मैंने उनसे कहा था, यह मैच का दिन है, जन्मदिन का नहीं।'

अपने रिकॉर्ड जीत के बावजूद मुलर ने कहा कि वह खुद को 'खिताब संग्रहकर्ता' नहीं मानते। 'तुलना करना बेमानी है। कुछ ने चैंपियंस लीग ज़्यादा बार जीती है, तो कुछ ने ज़्यादा राष्ट्रीय खिताब।' उन्होंने क्रूस के छह चैंपियंस लीग ख़िताबों और उनके दो ख़िताबों का ज़िक्र करते हुए कहा, 'मैं मैदान पर भावनाओं के लिए खेलता हूं, खिताबों के लिए नहीं। मुझे इस बात की कद्र है कि हमने साबित कर दिया कि हम कनाडा की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आंकड़े ज़्यादा मायने नहीं रखते, मैं अपनी विरासत को बेहतर बनाने के लिए नहीं खेलता। मैं मैदान पर होने के आनंद के लिए खेलता हूँ। मुझे बस ख़िताबों का हम्सटर कह लीजिए।' मुलर 2025 की गर्मियों में बायर्न छोड़कर म्यूनिख के बाहर अपने पहले क्लब में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व साथियों के संदेशों ने उन्हें 'इसका आनंद लेने और गोल करने' के लिए प्रेरित किया। और मैंने ऐसा ही किया। व्हाइटकैप्स के कोच जेस्पर सोरेनसेन ने इस फॉरवर्ड की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए इसे 'किसी एक खिलाड़ी के लिए अद्वितीय' बताया। 2026 तक एमएलएस टीम के साथ अनुबंधित मुलर ने वादा किया कि उनका करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं हर मिनट का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। और शायद कुछ और पदक भी जीत सकूं।'

ईवा लिस को हराकर कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

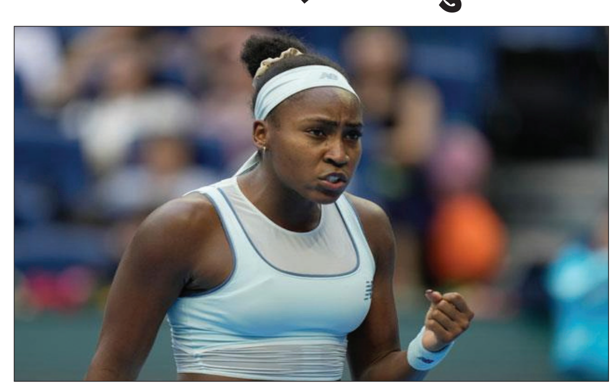

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

दिलीप ट्रॉफी खेलने का लाभ एशिया कप में मिला : कुलदीप

मुम्बई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलने का लाभ उन्हें मिला था। कुलदीप के अनुसार एशिया कप से पहले उन्होंने दिलीप ट्रॉफी खेली थी जिससे उन्हें लय मिल गयी थी। इसी कारण वह एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन कर पाये। कुलदीप ने फाइनल में चार विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे पर एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने एशिया कप में सबसे अधिक कुल 17 विकेट लिए थे। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में रिंकू सिंह से बातचीत के दौरान कुलदीप ने कहा कि उनके लिए लय पाना बेहद जरूरी था और इसके लिए उन्होंने दिलीप ट्रॉफी में काफी गेंदबाजी की। कुलदीप ने कहा, जब आप लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलते तो लय जरूरी हो जाती है। मेरे लिए यही अहम था और मैंने दिलीप ट्रॉफी का पहला मैच खेला जिसमें मैंने काफी गेंदबाजी की। इसी कारण मेरी गेंदबाजी पहले से ही अच्छी चल रही थी। कुलदीप ने बताया कि टीम में उनकी जिम्मेदारी बची के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाने के साथ ही विकेट लेना था। उन्हें खुशी है कि वह अपना काम कर पाये। कुलदीप ने कहा कि उनके पास कोई तय लक्ष्य नहीं है और उनका प्रयास रहता है कि जब भी अवसर मिले। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

अश्विन आईएलटी20 नीलामी में अनसोल्ड, अब बीबीएल में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) से एक खबर क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली आ रही हैं। इस लीग की नीलामी में भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को कोई खरीदार नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अश्विन ने अपनी बेस प्राइस 1,20,000 अमेरिकी डॉलर रखी थी, लेकिन उन्हें नीलामी में कोई बोली नहीं लगी और वे अनसोल्ड रह गए। यह खबर जरुर भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्हें आईएलटी20 के चौथे एडिशन के प्रमुख आकर्षणों में से एक माना जा रहा था।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 39 साल के अश्विन ने आखिरी समय में नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया। यही मुख्य कारण था कि उनके लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। डूल ने कहा कि यदि अश्विन उपलब्ध होते, तो कई टीमें उनके लिए बोली लगातीं। उन्होंने अश्विन की आलोचना करते हुए कहा कि महान स्पिनर ने स्थिति को सही से नहीं समझा। डूल ने यूट्यूब पर कहा, 'अगर उन्होंने खुद को बाहर कर लिया, तो उन्होंने नीलामी की परिस्थितियों को समझने में गलती की। उनके लिए बोली लगती और टीवी व्यूअरशिप में भी खासकर भारत में बढ़ोतरी होती।' अश्विन ने अभी तक आईएलटी20 नीलामी में अपने अनसोल्ड रहने या नाम वापस लेने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अगस्त 2025 में उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेते हुए कहा था कि अब वे वैश्विक ञ्20 लीगों में खेलना चाहते हैं। इस बीच, अश्विन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले एडिशन के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम सिडनी थंडर के साथ साइन किया है। थंडर ने घोषणा की कि अश्विन जनवरी 2026 में टीम में शामिल होंगे। अश्विन ने इस बारे में कहा कि थंडर ने उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दी और उन्होंने नेतृत्व टीम के साथ अपनी भूमिका पर पूरी तरह सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे डेव वार्नर के खेल का तरीका पसंद है और जब आपका नेता आपकी मानसिकता को साझा करता है, तो प्रदर्शन बेहतर होता है। मैं थंडर नेशन के लिए प्रदर्शन करने का इंतजार नहीं कर सकता।'

जोमैटो डिलीवरी बॉय से विश्व चैंपियन तक: संदीप सरगर ने भारत को दिलाया स्वर्ण, रिंकू-सुंदर ने दी प्रेरणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार का दिन भारत के लिए एक और ऐतिहासिक रहा। महाराष्ट्र के संदीप संजय सरगर ने भाला फेंक स्न44 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया और देश को गर्व महसूस कराया।

रिंकू और सुंदर से मिली प्रेरणा

सोमवार को ही रिंकू और सुंदर सिंह गुर्जर ने स्न46 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीते थे। सरगर ने कहा कि उस ऐतिहासिक पल को देखकर उन्हें भी आत्मविश्वास और प्रेरणा मिली। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कल यहां माहौल को समझने आया था। भीड़, प्रोत्साहन और जोश–सबने मुझे ताकत दी। और आज उसी ने मुझे जीत दिलाई।'

बारिश, ठंड और दबाव... फिर भी स्वर्ण

दिल्ली की दोपहर में अचानक हुई भारी बारिश और गिरी हुई तापमान ने एथलीटों को चुनौती दी। लेकिन सरगर ने इसे पार करते हुए अपने पांचवें प्रयास में 62.82 मीटर का शानदार थ्रो फेंका। हालांकि वे पहले ही 62.68 मीटर के थ्रो से बढ़त बना चुके थे, लेकिन उनका बेस्ट थ्रो दर्शकों के लिए जश्न का कारण बन गया। राजस्थान के संदीप चौधरी ने भी कड़ी टक्कर दी और 62.67 मीटर तक पहुँच गए, लेकिन सरगर ने उन्हें पछाड़ते हुए स्वर्ण पर कब्जा किया।

'गर्म मौसम में और बेहतर करता'

SAI सोनीपत में प्रशिक्षण लेने वाले और ञ्जह्रक्क्र कोर एथलीट सरगर ने माना कि मौसम ने उनके प्रदर्शन को थोड़ा प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'बारिश और ठंडे मौसम ने मुझे मुश्किल दी। गर्म मौसम में मैं और भी अच्छा कर सकता था। फिर भी, अपने देश के लिए पदक जीतना शानदार एहसास है।'

डिलीवरी बॉय से चैंपियन तक का सफर

आज जिस एथलीट को पूरा भारत सलाम कर रहा है, कभी वही सरगर पुणे में ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। परिवार या दोस्त स्टेडियम में मौजूद नहीं थे, फिर भी उन्होंने अकेले दम पर स्वर्ण झटक लिया। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'स्टैंड में मेरा कोई नहीं था, लेकिन मैंने खुद को और देश को प्रेरणा मानकर खेला। पदक जीतकर सपने पूरे हुए हैं।'

भारत का तीसरा स्वर्ण, सफर जारी

सरगर का यह पदक भारत का इस चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक रहा। इसके तुरंत बाद सुमित ने F64 वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के पैरालिंपिक दल के लिए यह लगातार सफलता साबित कर रही है कि मेहनत और जुनून के आगे कोई चुनौती बड़ी नहीं होती।

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ – सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में पर्दे पर दिखाई देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।
तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने की स्पष्टता देती हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढ़ने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।
वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

गजब का है यह पेपर आर्ट
पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया ब्रोद्सकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंभित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्रॉइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्रॉइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।

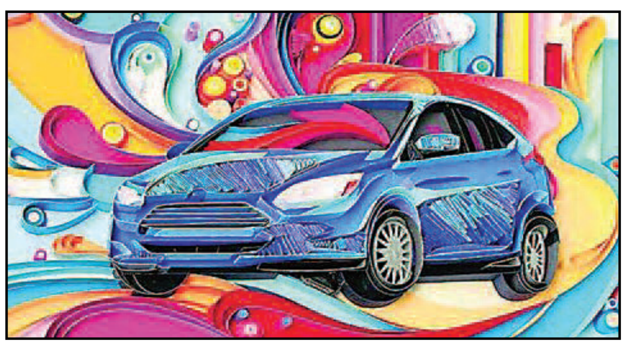

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढ़क भूरे, कत्थई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।

फ्लाउंडर

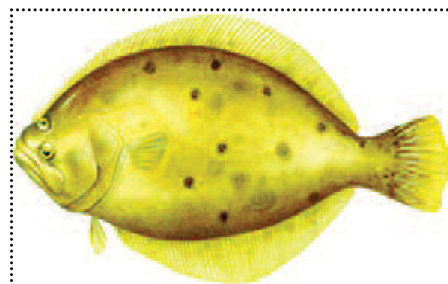

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है।
इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है– एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खूबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आतीं और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।

अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेप चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

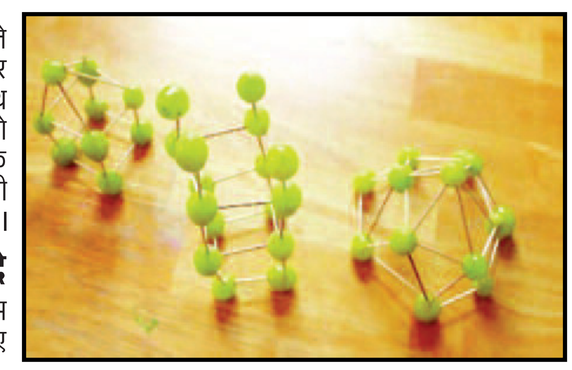

जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था,''कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।''

अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए।

बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, ''आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।''

''सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?'' एक बच्चे की आवाज आई।

बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, ''मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।'' जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब के फूल लगाने लगे।

स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, ''कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, ''कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।''

एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक- दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आ गई थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था।

सर ने बच्चों को देखकर पूछा, ''बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?''

''बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।'' राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला।

''और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?''अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा।

''सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।''कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा।

''तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।'' मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, ''मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।''

''हुर्रे।'' राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है।

सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।